शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सभी 3 निर्वाचन क्षेत्रों में एनडीए की जीत तय: बीएस येदियुरप्पा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 10 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-310

महाराष्ट्र के नांदेड़ और अकोला की जनसभाओं में बोले पीएम मोदी

दलितों और आदिवासियों की एकता से कांग्रेस हताश

नांदेड़ (महाराष्ट्र), 09 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के नांदेड़ में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के शासनकाल में दलितों और आदिवासियों की अभूतपूर्व एकता के कारण कांग्रेस का आधार ध्वस्त होता जा रहा है। कांग्रेस बिल्कुल हताशा में है। कांग्रेस के लोग भारत का संविधान शीर्षक वाली एक लाल किताब दिखाते फिर रहे हैं, जिसके अंदर खाली पन्ने हैं।

यह बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति कांग्रेस की उपेक्षा और नफरत का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने कहा, जनाधार खोने के बाद अब कांग्रेस को अलगाववादियों और आतंकवादियों का सहारा रह गया है। कांग्रेस के लोगों से यह पूछा जाना चाहिए कि उन्हें अनुच्छेद 370 से इतना प्यार क्यों है? प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के इस मूर्खतापूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण सियासी खेल से पूरा देश सदमे में है।

जनसभा में जुटे विशाल जनसमूह को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज पूरे महाराष्ट्र में महायुति और भाजपा के पक्ष में लहर है। आज देश विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है और देश की जनता जानती है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल इसके लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं। यही वजह है कि

अब अलगाववादी और आतंकवादी ही कांग्रेस का सहारा

इसीलिए कश्मीर में दिखा रहे हैं अनुच्छेद 370 से प्यार

जनता बार-बार भाजपा और राजग (एनडीए) सरकार को चुन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज मैं डबल ड्यूटी कर रहा हूं। सबसे पहले मैं मोदी के लिए मदद मांग रहा हूं और दूसरा महाराष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए। हरियाणा चुनाव में भाजपा को इतिहास में सबसे ज्यादा वोट मिले। अब महाराष्ट्र की जनता भी इतिहास दोहराने जा रही है। उन्होंने कहा, पिछले दो दिनों में मैं महाराष्ट्र में जहां भी गया, सभी के मन में यही बात थी कि लोकसभा में जो कमी थी, इस बार विधानसभा में उसे मजबूती से पूरा करना है। लोग कह रहे हैं कि विकसित महाराष्ट्र के लिए महायुति सरकार चाहिए। महाराष्ट्र ने लंबे समय तक कांग्रेस और उसके पापों का प्रकोप झेला है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज महाराष्ट्र में भाजपा और महायुति के समर्थन में लहर है। आज हर किसी की जुबान पर एक ही नारा है- भाजपा-महायुति आहे, तार गति आहे। महाराष्ट्राची प्रगति आहे (केवल भाजपा-महायुति ही महाराष्ट्र की तेज प्रगति सुनिश्चित करेगी)। आज देश विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है और देश की जनता जानती है कि केवल भाजपा और उसके सहयोगी ही इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं। यही कार है कि देश की जनता बार-बार भाजपा और एनडीए सरकार को चुन रही है।महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक जैसे राज्य कांग्रेस के शाही परिवार का एटीएम बन गए हैं।

महाराष्ट्र का विपक्षी महा विकास अघाड़ी का मतलब है भ्रष्टाचार और हजारों करोड़ रुपए के घोटाले। पीएम मोदी ने दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को एकजुट रहने की भी अपील की। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र की जनता की तारीफ करते हुए कहा, 2014 से 2024, ये 10 साल महाराष्ट्र ने भाजपा को लगातार दिल खोलकर आशीर्वाद दिया है। भाजपा के ऊपर महाराष्ट्र के इस भरोसे की वजह भी है कि यहां के लोगों में देशभक्ति हैं और राजनीतिक समझ एवं दूरदृष्टि है। इसलिए महाराष्ट्र की सेवा का मेरे लिए सुख ही कुछ अलग है। पीएम मोदी ने कहा है कि अभी केंद्र में हमारी सरकार को 5 महीने ही हुए हैं, इन 5 महीनों में लाखों-करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसमें बड़ी संख्या में महाराष्ट्र से जुड़े बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट भी हैं। ▶10पर

अमित शाह ने राहुल गांधी को दी खुली चुनौती

भाजपा के रहते मुसलमानों को नहीं मिलेगा आरक्षण

पलामू, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुसलमानों के आरक्षण को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को खुली चुनौती दी है। झारखंड के पलामू में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि अगर धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाएगा तो दलितों और आदिवासियों का क्या होगा? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी दलितों आदिवासियों के हिस्से का आरक्षण काटकर मुसलमानों को देना चाहती है। अमित शाह ने कहा, जब तक भारतीय जनता पार्टी भारत में है, धर्म के आधार पर अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा।

अमित शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देने की बात करती है। जबकि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। हम कभी भी किसी धर्म विशेष को आरक्षण नहीं दे सकते। महाराष्ट्र में उलेमाओं के एक समूह ने कांग्रेस को एक ज्ञापन दिया कि मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं झारखंड की जनता से यह पूछने आया हूं कि अगर मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता है तो किसका आरक्षण कम हो जाएगा? अमित शाह ने कहा, राहुल बाबा, एससी-एसटी-ओबीसी का आरक्षण छीन कर मुसलमानों को देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अभी महाराष्ट्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, हम मुस्लिम आरक्षण देंगे। कर्नाटक में दिया है, हैदराबाद में दिया है। लेकिन आप लोग चिंता मत करो, जब तक भाजपा सरकार है, हम एससी-एसटी-ओबीसी के आरक्षण को हाथ नहीं लगाने देंगे। शाह ने कांग्रेस को ओबीसी विरोधी करार देते हुए कहा कि उनके शासन ने लगातार ओबीसी समुदाय को नुकसान पहुंचाया है, खासकर काका कालेलकर समिति और मंडल आयोग की रिपोर्ट के कार्यान्वयन के मामले में। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल की सराहना की, जिसमें 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) की स्थापना पर प्रकाश डाला गया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस एक ओबीसी विरोधी पार्टी है। जब भी वे सत्ता में आए, उन्होंने उनके साथ अन्याय किया। 1950 में काका कालेलकर समिति बनाई गई थी, लेकिन इसकी रिपोर्ट गायब हो गई। जब मंडल आयोग ओबीसी को आरक्षण देने के लिए आया, तो इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने इसके कार्यान्वयन का विरोध किया। केंद्रीय संस्थानों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने में उन्हें सालों लग गए। 2014 में जब जनता ने मोदी सरकार को चुना तो उन्होंने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। उन्होंने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) का गठन किया और इसे संवैधानिक स्थान दिया। शाह ने झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी गठबंधन को देश का सबसे भ्रष्ट प्रशासन करार देते हुए इंडिया गठबंधन की आलोचना की। ▶10पर

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोनों बेटे भारत आएंगे

भारत में बनेंगे छह और ट्रंप टावर

नई दिल्ली, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोनों बेचे ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप ए वर्ष की शुरुआत में ही भारत आएंगे। भारत में छह और ट्रंप-टावर का निर्माण प्रस्तावित है। चार ट्रंप-टावर पहले से हैं।

मुंबई, पुणे, गुड़गांव और कोलकाता में बने हैं ट्रंप टावर

ट्राइबेका डेवलपर्स के संस्थापक कल्पेश मेहता ने यह जानकारी देते हुए कहा कि ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप प्रतिष्ठित ट्रंप टावर परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए अगले साल की शुरुआत में भारत आएंगे। भारत में ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के रियल एस्टेट पार्टनर कल्पेश मेहता ने कहा कि परियोजना का शुभारंभ मार्च से जून के बीच होने की उम्मीद है। ▶10पर

जम्मू कश्मीर की लोकतांत्रिक सरकार की असलियत यही है

नेशनल कॉन्फ्रेंस का विधायक आतंकवादी बनना चाहता था

श्रीनगर, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के दबाव में जम्मू कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव के बाद चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार की लोकतांत्रिक असलियत यह है कि सत्तारूढ़ दल नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक कैसर जमशेद लोन ने खुद ही यह सार्वजनिक स्वीकारोक्ति की है कि वह आतंकवादी बनना चाहता था। नेकां विधायक के इस कबूलनामे पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत सारे नेता चुप्पी साधे हुए हैं। दूसरी तरफ, पिछले कुछ दिनों से विधानसभा में अनुच्छेद 370 की पुनरबहाली की मांग को लेकर बवाल जारी है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस से पहली बार विधायक बने कैसर जमशेद लोन ने सार्वजनिक स्वीकारोक्ति में कहा कि वे आंतकी बनना चाहते थे लेकिन एक सीनियर अफसर के कारण वे ऐसा नहीं कर पाए। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किए जाने के दौरान लोन ने जब यह बात कही तो पूरा सदन भौंचक्का रह गया। लोन ने सदन में अपने भाषण में कहा, जब मैं युवा था, तब मेरे क्षेत्र में कार्रवाई हुई थी। मुझे 32 युवकों के साथ पूछताछ के लिए ले जाया गया था। एक आर्मी अफसर ने मुझसे एक ऐसे युवक के बारे में पूछा जो आतंकियों में शामिल हो गया था। मैं उस

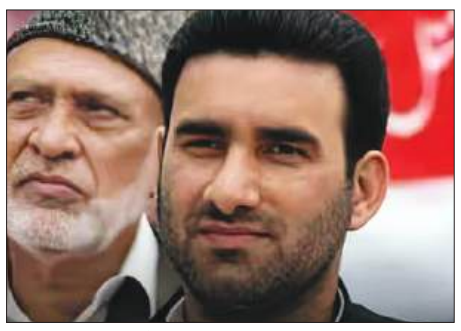

विधायक कैसर जमशेद लोन ने की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति

जम्मू कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 पर बवाल जारी

युवक को जानता था। इसके लिए मेरी पिटाई की गई। फिर उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या कार्रवाई के दौरान आतंकी मौजूद था। मैंने न में जवाब दिया और मेरी फिर से पिटाई की गई। अफसरों ने मुझसे पूछा कि जिंदगी में क्या बनना चाहते तो, तो मैंने उनसे कहा कि मैं आतंकवादी बनना चाहता हूं। इस कारण मुझे बहुत यातनाएं झेलनी पड़ीं। ▶10पर

लोन ने सदन में यह भी बताया कि उनके साथ जिन 32 युवकों से पूछताछ की गई थी उनमें से 27 युवक आतंकवादी संगठनों में शामिल हो गए थे। लोन ने सेना के अफसर का धन्यवाद किया कि उन्होंने मार्गदर्शन नहीं किया होता तो शायद मैं आतंकवादी बन गया होता।

दूसरी तरफ, पिछले कुछ दिनों से विधानसभा में अनुच्छेद 370 की पुनरबहाली की मांग को लेकर बवाल जारी है। विधानसभा में अनुच्छेद 370 की बहाली पर लाए गए प्रस्ताव पर मचे बवाल से जम्मू और कश्मीर में खाई गहरी होती नजर आ रही है। विधानसभा में उमर सरकार के विशेष दर्जे के प्रस्ताव के बाद सत्तापक्ष और विपक्ष में हंगामा जारी है। हालांकि अनुच्छेद 370 और 35 ए से बचते हुए नेकां ने विशेष दर्जे का प्रस्ताव लाकर कश्मीर केंद्रित वोटरों में अपनी जगह बनाने की कोशिश की है तो भाजपा इसे अनुच्छेद 370 और 35 ए से जोड़कर जम्मू संभाग में डंका बजा रही है। आगामी पंचायती और स्थानीय निकाय चुनाव में भी सभी प्रमुख दल अपने वोट बैंक को बनाकर रखना चाहते हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ इसे सिर्फ राजनीति मान रहे हैं। उनका कहना है कि विधानसभा में जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर दोनों ▶10पर

केवल भाजपा ही नहीं, केरल के सीएम ने भी उठाए सवाल

प्रियंका गांधी क्यों ले रही जमात-ए-इस्लामी का साथ?

वायनाड, 09 नवंबर (एजेंसियां)

केरल की वायनाड लोकसभा सीट से उपचुनाव लड़ रही प्रियंका गांधी पर राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने जमात-ए-इस्लामी का जिक्र कर निशाना साधा है।

जमात-ए-इस्लामी रैडिकल इस्लामिस्ट संगठन है: विजयन

मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा जमात-ए-इस्लामी के समर्थन से चुनाव लड़ रही हैं और जमात का नजरिया लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्ष में नहीं है। सीपीआई (एम) के उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा, प्रियंका गांधी जमात-ए-इस्लामी के समर्थन से चुनाव लड़ रही हैं। इसे लेकर कांग्रेस का क्या रुख है? हमारा देश जमात-ए-इस्लामी से अपरिचित नहीं है। जमात का नजरिया लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्ष में नहीं है, वह इस्लामी शासन के पक्ष में हैं। सीएम विजयन ने कहा, जमात-ए-इस्लामी लोकतांत्रिक दल नहीं, बल्कि कट्टरपंथी (रैडिकल) इस्लामिक संगठन है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि जमात-ए-इस्लामी हिंद की राजनीतिक पार्टी वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया (डब्लूपीआई) है। जिसे जमात एक एक ढाल की तरह इस्तेमाल कर रही है। वेलफेयर पार्टी ने इस सप्ताह की शुरुआत में राज्य में आगामी उपचुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को अपना समर्थन दिया था। सीएम विजयन ने जम्मू और कश्मीर की जमात-ए-इस्लामी का भी जिक्र किया,जो जमात-ए-इस्लामी हिंद (जमात देश के कई हिस्सों में काम करने वाला एक संगठन है) ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,870/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,515/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 23^0

बीदर के ऐतिहासिक किले के साथ-साथ 17 प्राचीन स्मारकों पर वक्फ बोर्ड का दावा

जल्दी ही सम्पूर्ण भारत को अपनी बपौती बताने वाला है वक्फ बोर्ड!

बेंगलुरु, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने बीदर के ऐतिहासिक किले के साथ-साथ किले की 17 प्राचीन स्मारक सम्पत्तियों पर अपना दावा ठोक दिया है। जबकि इन सभी स्मारकों का संरक्षक है आर्केयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) है। विडंबना यह है कि एएसआई की सम्पत्ति पर दावा ठोकने वाला वक्फ बोर्ड एएसआई को जानकारी देने की भी जरूरत नहीं समझा। एएसआई के एक आला अधिकारी ने कहा, वक्फ बोर्ड जल्दी ही सम्पूर्ण भारतवर्ष को अपनी सम्पत्ति बताने वाला है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 लाए जाने के बाद से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वक्फ बोर्ड बुरी तरह से हिल गया है। कर्नाटक में तो वह लगातार सम्पत्तियों पर मनमाने तरीके से दावे करता जा रहा है। इसी क्रम में उसने अब बीदर जिले में स्थित ऐतिहासिक बीदर किले पर भी अपना दावा ठोंक दिया है। वक्फ बोर्ड ने किले के अंदर 17 सम्पत्तियों को वक्फ सम्पत्ति घोषित किया है। वक्फ बोर्ड की इस हरकत के बाद जिला प्रशासन का कहना है कि किले के अंदर जिन सम्पत्तियों को

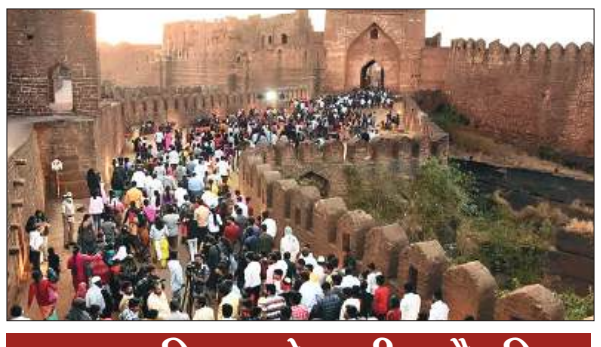

पुरातत्व विभाग के अधीन पौराणिक किले और स्मारक सब वक्फ के

वक्फ ने अपना बताया है वो सभी किले के सबसे प्रमुख स्थलों में से एक हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि सभी प्रमुख स्मारकों की ही तरह ये किला भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) के स्वामित्व के तहत आता है। लेकिन, वक्फ के इन दावों की जानकारी अभी तक एएसआई को है ही नहीं।

खास बात ये है कि बीदर किले के अंदर जिन 17 सम्पत्तियों पर वक्फ बोर्ड ने दावा किया है, उनमें प्रसिद्ध 16 खंभा (सोलह स्तंभ) मस्जिद, विभिन्न बहमनी शासकों और उनके परिवार के सदस्यों की 14 कब्रें शामिल हैं, जिनमें अहमद शाह-4, अहमद शाह की बीवी, अलाउद्दीन, हसन खान, मोहम्मद शाह-3, निजाम, सुल्तान अहमद शाह वली और सुल्तान महमूद शाह शामिल हैं। वक्फ बोर्ड के एक अधिकारी ने यह स्वीकार किया कि वक्फ बोर्ड इस मामले में एएसआई को नोटिस नहीं जारी करता है। जबकि दशकों से ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षक एएसआई ही रहा है। वक्फ के अधिकारी ने ही कहा कि वक्फ बोर्ड की हरकतों के कारण मुस्लिमों का नाम खराब हो रहा है। गौरतलब है कि हाल में एक आरटीआई के जरिए पता चला था कि केवल कर्नाटक में ही कम से कम 53 ऐतिहासिक स्मारकों पर वक्फ बोर्ड अपना दावा कर रहा है। इन स्मारकों में कर्नाटक के प्रसिद्ध कलबुर्गी का किला, गोल गुम्बज, विजयपुरा का बड़ा कमान, ▶10पर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 23^0

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गृहलक्ष्मी-घर की जान कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा सेंटर फॉर एक्सीलेंस के अंतर्गत गृहलक्ष्मी - घर की जान कार्यक्रम का आयोजन सुराणा कॉलेज में किया गया। जिसमें 200 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र एवं पौधे में जल अर्पित कर के किया गया।

जीतो महिला विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को घर- परिवार में अपने अस्तित्व को बनाए रखने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके अंतर्गत हम प्रत्येक क्षेत्र में अपना स्थान प्राप्त कर सकते हैं।

महामंत्री निधि पालरेचा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता नमिता दुगड़ ने महिलाओं को अपने परिवार में किस प्रकार से रहना तथा छोटे बड़े सभी सदस्यों की भावन-ाओं को समझते हुए, अपनी इच्छा शक्ति से सभी कार्यों को करने के लिए कहानियों एवं उदाहरणों के माध्यम से अनेक गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि औरत घर में लक्ष्मी से महालक्ष्मी तभी बन सकती हैं जब वह घर परिवार में हंसते खिलखिलाते हुए वातावरण का निर्माण करे। इसके लिए उसे सर्वप्रथम सभी सदस्यों को प्यार व सम्मान देकर तथा उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनकी प्रशंसा करनी चाहिए। अगर किसी कार्य को करने की रुचि ना हो परन्तु उसे कैसे करवाना, ये कला सीखना जरूरी है, जो सदस्य जिस कार्य में सक्षम है, उस कार्य को करने में उसकी मदद अवश्य लेनी चाहिए। ऐसा करके हम एक हंसते खेलते एवं मुस्कुराते परिवार में रहकर, महालक्ष्मी का रूप धारण कर सकते हैं। क्योंकि लक्ष्मी वहीं निवास करती हैं जहां सुख शांति का वास होता है। अपने बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु उन्हें कार्यों को स्वयं करने की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। मुख्य वक्ता नमिता दुगड़ का परिचय कार्यक्रम संयोजिका संगीता पारख ने दिया। सह- वक्ता बबीता रायसोनी का परिचय सह- संयोजिका अस्मिता चौहान ने दिया। पूर्व जीतो महिला विंग चेयरपर्सन अनीता पिरगल एवं सुनीता गांधी, एपेक्स से जीफ की कन्वीनर निशा सामर तथा जीतो गर्ल्स हॉस्टल कन्वीनर चित्रा मेहता ने सभी सदस्यों का मनोबल मजबूत किया। कार्यक्रम की सह -वक्ता बबीता रायसोनी ने ग्रुप एक्टिवी एवं शॉर्ट वीडियो के माध्यम से बताया कि महिलाओं को अपने व्यक्तित्व को सुंदर तरीके से निखारने के लिए स्वयं को समय देने की प्रेरणा देते हुए अपनी दिनचर्या को सही उपयोग में लाना तथा स्वयं के रूप, रंग, श्रृंगार, कपड़े एवं अनेक उपयोगी चीजों का ध्यान रखना होगा। परिवार में अपनी अहमियत को बनाए रखने में सभी की भावनाओं का ख्याल रखना अत्यंत आव्यश्यक होता है।

जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी और मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने शुभकामना संदेश प्रेषित किया। विंग कन्वीनर प्रवीण सोफाडिया ने महिला विंग के कार्यों की सराहना करते हुए, महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष लता बोहरा व नीलम शांड, कोषाध्यक्ष संगीता पारख एवं मैनेजिंग कमेटी सदस्य हेमा सोलंकी, राशि जैन, अस्मिता चौहान, अंगिका जैन, अर्पिता लड़ानी, रेखा जैन, निशा जैन, संगीता सियाल और प्रिया गांधी उपस्थित थी।

आरडब्ल्यूएफ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल पहिया कारखाने के सतर्कता विभाग द्वारा 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। 16 अगस्त 2024 से 15 नवंबर 2024 तक निवारक सतर्कता पर एक तीन महीने का अभियान भी आयोजित किया गया। इस दौरान नैतिकता और शासन, कारखाना अधिनियम और श्रम कानून, माल की खरीद, प्रसंस्करण मांगपत्र और स्क्रैप निपटान, रेलवे सेवा (आचरण) नियम, रेलवे कर्मचारी (डी एंड ए) नियम, साइबर अपराध और धोखाधड़ी जैसे विभिन्न सेमिनार आयोजित किए गए। सेमिनारों के अलावा, आरडब्ल्यूएफ अधिकारियों के साथ-साथ 4 स्कूलों और 2 कॉलेजों के छात्रों के लिए निबंध लेखन पेंटिंग और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। भ्रष्टाचार के खतरों के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए शनिवार को आरडब्ल्यूएफ कर्मचारियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक मैं हार नहीं मानूंगा का आयोजन भी किया गया। समारोह के दौरान महाप्रबंधक चंद्र वीर रमन ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया तथा आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। रेल पहिया कारखाने के सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित इस समारोह में मुख्य सतर्कता अधिकारी आशीष वर्मा, प्रमुख परिचालन प्रमुख तथा रेल पहिया कारखाने के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

अंडर-14 इंटर स्कूल गर्ल्स खो-खो प्रतियोगिता आयोजित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केशवपुर स्थित संस्कार अंग्रेजी मीडियम स्कूल में अंडर-14 इंटर स्कूल गर्ल्स खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि संस्कार स्कूल के कोषाध्यक्ष उज्ज्वल एम. सिंघी व एसआर बोम्मई रोटरी स्कूल, हुब्बल्ली की प्रिंसिपल रेखा तुप्पड़ थी। समारोह की अध्यक्षता संस्कार स्कूल की प्रिंसिपल नैना पीसी ने किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में वाइस प्रिंसिपल अनु मस्करा, सीएओ विनोद एस और स्कूलों के शिक्षक थे। प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिथियों ने ध्वजा फहराकर और गुब्बारे छोड़कर किया। इसके बाद भाग लेने वाले सभी स्कूलों ने अपने झंडों के साथ मार्च पास्ट किया। छात्र स्वयं महाजन (कक्षा दस) ने सभी को शपथ दिलाई। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, उज्ज्वल एम. सिंघी ने खेल के क्षेत्र में अपना व्यक्तिगत अनुभव बताया। उन्होंने सभी छात्रों के माता-पिता से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों को ऐसे खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें जिससे उनके करियर को बढ़ावा मिले। अतिथि रेखा तुप्पद ने खेलों में भागीदारी, टीम वर्क, दृढ़ता आदि से जुड़े कौशलों की ओर इशारा किया। उनके अनुसार, जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। यह प्रत्येक से शुरू होता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को टूर्नामेंट में सफलता की कामना की। इस प्रतियोगिता में कुल 11 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। फाइनल मैच लोयला केंद्रीय विद्यालय, सालागांव, मुंडगोड और एसआर बोम्मई रोटरी पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। विजेता टीम एस आर बोम्मई रोटरी पब्लिक स्कूल, हुब्बल्ली और उपविजेता लोयला केंद्रीय विद्यालय, सालागांव गांव मुंडगोड रही। समापन समारोह में संस्कार इंग्लिश मीडियम स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री अमरावसिंघ बैद और मुकेश जैन थे। अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। छात्र निरंजन बोयापति ने अतिथियों का स्वागत किया। उसके बाद अतिथियों का अभिनंदन और पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। मुख्य अतिथि महेंद्र सिंघी ने ऐसे युग में लड़कियों की खो-खो खेल में भागीदारी की सराहना की। सिंघी ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए काम करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। पूरे कार्यक्रम का संचालन छात्रा अनुश्री कापसे और पूर्वी केंचनगौदर ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जीतो केकेजी जोन के बल्लारी चैप्टर पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो के केकेजी जोन के बल्लारी चैप्टर के नव नियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन बल्लारी में हुआ। जिसमें मुख्य विंग, महिला विंग व युवा विंग के पदाधिकारियों ने समाज के भीतर एकता, सशक्तिकरण व विकास के उद्देश्य को आगे बढ़ाने की शपथ ली। समारोह में उपस्थित जीतो एपेक्स के निदेशक व सचिव श्रीपाल बच्छावत, निदेशक भेरुमल भंडारी, निदेशक व केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने बल्लारी पदाधिकारियों को शपथ दिलायी। बाफना ने इस अवसर पर कहा कि शपथ ग्रहण में पदाधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं की समितियों के सदस्यों का भी शपथ लेना एक मजबूत शुरुआत का संकेत है। उन्होंने कहा कि कार्य के प्रति समर्पण भाव से दीर्घकालिक एवं सकारात्मक परिणाम मिलते है।

बल्लारी चैप्टर के नव नियुक्त अध्यक्ष निलेश जैन ने सभी उप-स्थितों का स्वागत करते हुए कहा कि वो अपने सभी कार्यकारिणी समिति सदस्यों के सहयोग से जीतो के प्राथमिक उद्देश्यों को पूरा करने में प्रतिबद्ध रहेंगे। केकेजी जोन के मीडिया संयोजक सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि राकेश जैन ने महामंत्री, अर्चना छाजेड ने महिला विंग अध्यक्ष, इंदु विनायकिया ने महामंत्री, जिनेश पोमानी ने युवा विंग अध्यक्ष तथा प्रतिष्ठा जैन ने महामंत्री के रूप में शपथ ली। साथ ही अन्य पदाधिकारियों ने भी शपथ ग्रहण की। बल्लारी चैप्टर के महामंत्री राकेश जैन ने कहा कि आज के इस प्रेरक कार्यक्रम से जीतो बल्लारी को एक नई शुरुआत करने, आपसी संबंधों को मजबूत करने तथा पेशेवर-सामाजिक क्षेत्र में प्रगति करने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर एपेक्स महिला विंग उपाध्यक्ष यश्मा जैन, केकेजी जोन सचिव विनोद बागरेचा, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश जैन, जोन पदाधिकारी पिंकी जैन, भावेश नेतानी, चंद्रगुप्त कटारिया, इंद्र जैन, भरत पटवारी, कविता जैन, महावीर भूरट एवं राजेश मेहता के साथ बल्लारी चैप्टर के मुख्य, महिला व युवा विंग पदाधिकारी तथा समाज के गणमान्य भी मौजूद थे।

अस्तेय से मन संकुचित और मलिन होता है: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि साधना के मार्ग में मोक्ष की ओर ले जाने वाले जैन धर्म के पाँच मूलभूत सिद्धान्तों में एक है अस्तेय।

अस्तेय का यानि चोरी न करना, जैन धर्म का प्रमुख सिद्धांत कहे जाने वाले इस शब्द में जीवन का सार छुपा है। जो वस्तु अपनी नही हैं उसे पाने की इच्छा न करना अथवा जब तक कोई वस्तु आपको न दी जाए तब तक ग्रहण न करना। साथ ही मन, वचन और कर्म में भी किसी दूसरे की संपत्ति को चुराने के भाव न रखना बताया गया है। एक तिनका भी बिना आज्ञा के नहीं लेना चाहिए। आम धारणा होती है कि जो व्यक्ति गरीब है वही चोरी करता है लेकिन व्यक्ति लोभ के कारण चोरी करता है चाहे गरीब हो या अमीर।

जिस व्यक्ति के अंदर लोभ जाग जाता है वह चोरी करने से बाज नहीं आता। चोरी का कार्य कूलक्षण है और यह अनार्य का काम है। श्रेष्ठ और सज्जन पुरुष कभी यह कार्य नहीं करते। मन को हम सत्य द्वारा पवित्र बना सकते हैं। अस्तेय व्रत साधने के लिए संतोष का सद्गुण अपनाना होगा। सद्पुरुष सदैव चोरी जैसे कृत्य की निंदा करते है। इसीलिए इससे बचने का प्रयास करे। अस्तेय का पालन करने वाले किसी भी रूप में अपने मन के मुताबिक वस्तु ग्रहण नहीं करते हैं। ऐसे लोग जीवन में हमेशा संयम से रहते हैं और सिर्फ वही वस्तु लेते हैं जो उन्हें दी जाती है। यह प्रवृत्ति सामाजिक अपराध एवं बुराई है। इससे मन संकुचित और मलिन होता है। चोर सदा डरता रहता है, उसके मन में सदा भय बना रहता है। इसलिए चोरी के बोझ को अपने ऊपर मत लादिए। हृदय रूपी पुष्प को खिलने दीजिए। मन को आशंका रहित कीजिए। इस अवसर पर पुणे से अशोक बोरा एवं चेन्नई से नितिन कोठारी और सरिता कोठारी उपस्थित रहे। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

भारत की 51वीं एटीडीसी-श्रीरामपुरम का 5वां वर्षगांठ आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर-श्रीरामपुरम की पंचम वर्षगांठ समारोह अभातेयुप अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में जैन संस्कार विधि से आयोजित किया गया।

जैन संस्कार विधि की शुरुआत पंच परमेष्ठी नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई। संस्कारक सतीश पोरवाड़, रनीत कोठारी एवं राजेश देरासरिया ने विभिन्न मंगल मंत्रोचार का उच्चारण करते हुए मंगलपाठ से सम्पन किया। कार्यक्रम के दुसरे सत्र में एटीडीसी प्रायोजक परिवार का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अभातेयुप अभूतपूर्व अध्यक्ष मुख्य अतिथि युवा गौरव विमल कटारिया एवं अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा राजाजीनगर टीम हर एक कार्यक्रम को उत्साह पूर्वक संपादित करने के लिए तत्पर रहती है।

उन्होंने परिषद परिवार की सराहना की। जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश सियाल, सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, अभूतपूर्व अध्यक्ष सुखलाल पितलिया, महिला मण्डल अध्यक्षा उषा चौधरी, एटीडीसी राष्ट्रीय सह-प्रभारी आलोक छाजेड़, ललित मेहर, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी ने तेयुप के प्रति एटीडीसी की पंचम वर्षगांठ की शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। राजेश देरासरिया ने एटीडीसी के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। एटीडीसी प्रायोजक परिवार का उपहार एवं जैनपट द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार, जैनम लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट परिवार, तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल, तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, तेयुप यशवंतपुर अध्यक्ष महावीर गान्ना, तेरापंथ राजाजीनगर सभा परिवार, महिला मंडल परिवार, तेयुप राजाजीनगर परामर्शक, प्रबंध मंडल सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एमईएस महाविद्यालय राजाजीनगर में कर्नाटका राज्योत्सव के उपलक्ष में अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें 25 से भी ज्यादा महाविद्यालय के 140 छात्रों ने हिस्सा लिया। अभिनेता विजय राघवेंद्र ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विजेता प्रतिभागियों को महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं शिक्षिकाओं ने मुणोत को सम्मानित किया।

स्वस्थ भोजन की आदत पर कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कारशाला के अंतर्गत स्वस्थ भोजन की आदत विषय पर कार्यशाला का आयोजन मालगाला स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। मंत्री दीपिका गोखरू ने सभी का स्वागत करते हुए बच्चों को मेडिटेशन एवं यौगिक क्रियाएं करवायी। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं ट्रेनर रक्षा मांडोत ने अपनी प्रस्तुति देते हुए कहा कि भोजन हमारे जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है। हमेशा पौष्टिक भोजन करना चाहिए। जंक फूड से बचना चाहिए। खाने को 32 बार चबा-चबाकर खाना चाहिए। खाना खाते समय टीवी और मोबाइल के इस्तेमाल से बचना चाहिए। खाना खाने के आधे घंटे के बाद पानी पीना चाहिए। जिससे हमारी पाचन क्रिया अच्छी रहती है। कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया। मंडल के प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ एवं स्कूल के शिक्षकों की भी उपस्थिति रही। मंडल की सदस्य पिंकी पोकरणा ने सभी के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

सभी 3 निर्वाचन क्षेत्रों में एनडीए की जीत तय: बीएस येदियुरप्पा

माहौल दिन-ब-दिन बदलता जा रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय समिति के सदस्य बीएस येदियुरप्पा ने विश्वास जताया कि राज्य में जिन 3 सीटों पर उपचुनाव होंगे, वहां भाजपा-एनडीए उम्मीदवारों की जीत निश्चित है। संदूर निर्वाचन क्षेत्र में शनिवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने विभिन्न सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा मैं पहले ही 3 निर्वाचन क्षेत्रों में जा चुका हूं। भाजपा के पक्ष में माहौल दिन-ब-दिन बदलता जा रहा है। यह देख कर कि मुख्यमंत्री दो दिन और यहां रुकेंगे, उन्हें हार की चिंता सताने लगी है। उन्होंने कहा कि 3 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा-एनडीए उम्मीदवार जीतेंगे। उन्होंने कहा कि वह रविवार को शिग्गांव जाएंगे।

उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों की कैबिनेट ने यहां डेरा डाला है, क्योंकि उन्हें यकीन है कि संदूर में प्रतिक्रिया होगी। उन्होंने कहा कोविड के मामले में कानून के दायरे में रहकर काम किया गया है। कांग्रेस सरकार हर चीज को खंगालने की बदनीयती से काम कर रही है।

उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि इससे उन्हें कोई फायदा नहीं होगा। हमने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हमने अपना काम ईमानदारी से किया है। इससे पहले येदियुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के जेल जाने का समय दूर नहीं है।

येदियुरप्पा, जिन्होंने शुक्रवार को संदूर निर्वाचन क्षेत्र में एक रोड शो में भाग लिया, ने कहा कि सिद्धरामैया और उनकी पत्नी मुडा घोटाले में फंस गए हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें लोकायुक्त के जांच का सामना करना पड़ा है। हमने मांग की है कि मैसूरु मुडा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। उन्होंने कहा कि यह तय है कि सीबीआई जांच के 24 घंटे के अंदर मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर जेल भेजा जायेगा। पैसा, महिला, सत्ता और जाति पर आधारित राजनीति के दिन लद गए। सिद्धरामैया को पता होना चाहिए कि लोग आज जागरूक हैं। आपके धोखे का शिकार नहीं होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में होने वाले उपचुनाव में वह 3 की 3 सीटों पर जीत हासिल करेंगे। बंगारू हनुमंथु के प्रतीक कमल के फूल की पहचान के लिए वोट करें। उन्होंने उनसे गांवों में जाकर भाजपा के पक्ष में प्रचार करने का अनुरोध किया। येदियुरप्पा बंगारू हनुमंथु को जीतने के इरादे से यहां आए थे और अनुरोध किया था कि हमारे सभी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर प्रचार करना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी की पहचान, बंगारू हनुमंथु की पहचान, भाजपा की पहचान कमल है। संदूर निर्वाचन क्षेत्र में उन किसानों की जमीन को लेकर समस्या है जो अपने दादा-परदादाओं के समय से जुताई कर रहे हैं। उन्होंने इसे ठीक करने के लिए हर संभव प्रयास करने का वादा किया।

भाजपा पूरे भारत को सनातन हिंदू धर्म की प्रयोगशाला बनाएगी: यतनाल

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। वरिष्ठ भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा पूरे भारत को सनातन हिंदू धर्म की प्रयोगशाला बना देगी। शनिवार को शिग्गांव भाजपा उम्मीदवार भरत बोम्मई की ओर से दुंदशी में एक चुनाव प्रचार रैली में बोलते हुए उन्होंने लोगों से बसवराज बोम्मई द्वारा मुख्यमंत्री के रूप में किए गए विकास कार्यों को देखते हुए बिना किसी संदेह के भाजपा को वोट देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा अपने धर्म और देश की रक्षा के लिए हिंदुओं को एकजुट होना चाहिए। उन्हें भरत बोम्मई की जीत सुनिश्चित करके कांग्रेस को सबक सिखाना चाहिए। क्या मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अपनी गारंटी योजनाओं के अलावा कुछ नया कहा है? दुंदशी में 19 एकड़ जमीन वक्फ संपत्ति के रूप में दी गई है। आप कितने साल तक इंदिरा गांधी के बारे में बात करते रहेंगे? क्या आप राहुल गांधी के बेतुके बयानों को सुनते रहेंगे जैसे कि मैं जलेबी की फैक्ट्री लगाऊंगा या मैं आलू से सोना निकालूंगा? भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दस वर्षों में काफी सुधार किए हैं और कश्मीर में शांति स्थापित हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सोनिया गांधी के सामने सिर झुकाया, जबकि हमारे प्रधानमंत्री ने खुद को एक प्रधान सेवक घोषित किया, जो किसी से भी अपने सामने झुकने की उम्मीद नहीं करता। जब बसवराज बोम्मई सीएम बने, तो उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री नहीं बल्कि एक आम आदमी हैं। वक्फ भूमि मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा देखें कि वक्फ अधिनियम कितना खतरनाक है। 30 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद वे यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे लोग विधायक न बनें। यतनाल ने बताया कि भाजपा के कार्यकाल के दौरान, वह मंत्री पद नहीं चाहते थे, लेकिन पंचमसाली समुदाय के लिए 2ए आरक्षण के लिए अपनी ही सरकार के खिलाफ लड़े थे। मुख्यमंत्री के रूप में बसवराज बोम्मई ने श्रेणी 2डी के तहत आरक्षण प्रदान किया, लेकिन इस सरकार ने इसे लागू नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और पूर्व मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र मौजूद थे।

डिजिटल अरेस्ट में कर्नाटक में एक व्यक्ति ने 30.65 लाख रुपए गंवाए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बार्के पुलिस स्टेशन में ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है, जहां एक व्यक्ति ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के लिए अपने मोबाइल फोन नंबर का दुरुपयोग करने की आड़ में 30.65 लाख रुपए गंवा दिए। शिकायतकर्ता ने बताया कि 19 अक्टूबर को उसे एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। अंग्रेजी में बात करने वाले कॉलर ने मुंबई के सहार पुलिस स्टेशन से होने का दावा किया और बताया कि उसके नाम से पंजीकृत मोबाइल का उपयोग करके ऑनलाइन धोखाधड़ी के संबंध में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। उस दिन बाद में, एक अन्य व्यक्ति ने एक अलग मोबाइल नंबर से वीडियो कॉल किया। पुलिस की वर्दी पहने व्यक्ति ने अपना नाम मोहन कुमार बताया। पीड़ित ने आगे बताया कि कॉल करने वाले ने उसे बताया था कि किसी ने मुंबई में एसबीआई शाखा में उसके नाम से खाता खोला है और मानव तस्करी के जरिए लगभग 3.9 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। गिरफ्तारी के बाद, व्यक्ति ने पीड़ित को धोखाधड़ी के पैसे से कमीशन के रूप में 38 लाख रुपए दिए। पीड़ित ने जब आरोपों से इनकार किया तो फोन करने वाले ने दावा किया कि उसके सभी बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं और उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। फोन करने वाले की बात पर विश्वास करते हुए शिकायतकर्ता ने 21 अक्टूबर को 2.65 लाख रुपये, 22 अक्टूबर को 14 लाख रुपये और फोन करने वालों के निर्देशानुसार 14 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। ठगी का अहसास होने पर उसने साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। एक अलग मामले में, एक अज्ञात व्यक्ति ने शेखर नामक व्यक्ति की केवाईसी जानकारी अपडेट करने के बहाने उसके खाते से धोखाधड़ी से 51,908 रुपये निकाल लिए। अपनी शिकायत में शेखर (77) ने बताया कि 7 नवंबर को उसे केवाईसी अपडेट करने के लिए एक एसएमएस मिला। निर्देशों का पालन करते हुए उसने एसएमएस में दिए गए नंबर पर कॉल किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने केनरा बैंक से होने का दावा किया और शेखर को बताया कि अधूरे केवाईसी अपडेट के कारण उसका खाता ब्लॉक कर दिया गया है। इसके बाद फोन करने वाले ने उसका खाता नंबर, एटीएम कार्ड के अंतिम चार अंक और एक ओटीपी सहित विवरण मांगा। शेखर ने इसे वैध मानते हुए मांगी गई जानकारी साझा कर दी। पंद्रह मिनट बाद, शेखर को केनरा बैंक से एक कॉल आया, जहाँ एक कर्मचारी ने उन्हें बताया कि उनके खाते से 51,908 रुपये कट गए हैं और उन्हें सहायता के लिए 1930 डायल करने की सलाह दी।

कोविड घोटाला मामला : रिपोर्ट में येदियुरप्पा, श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश: स्वास्थ्य मंत्री

स्थिति का दुरुपयोग करते हुए शवों पर पैसा कमाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शनिवार को कहा कि न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा जांच आयोग ने कोविड-19 के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच की है और तत्कालीन भाजपा मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि कोविड-19 के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में लूट हुई थी। मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट कांग्रेस के इस आरोप को साबित करती है कि तत्कालीन सरकार ने स्थिति का दुरुपयोग करते हुए शवों पर पैसा कमाया। राव ने कहा कुछ खामियां थीं। महामारी के दौरान कोई भी उनसे सवाल नहीं कर सकता था। उस स्थिति का फायदा उठाते हुए, तत्कालीन सरकार ने नियमों का उल्लंघन करते हुए लूटपाट की और अपने लिए सुविधाजनक फैसले लिए। तब विपक्षी दल के रूप में, हमने (कांग्रेस) इस मुद्दे को उजागर करने की कोशिश की। राज्य में सत्ता में आने के बाद हमने जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आयोग ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है और दूसरी रिपोर्ट छह-सात महीनों में सौंपी जा सकती है, क्योंकि जांच के लिए बहुत सारे दस्तावेज हैं। राव ने कहा गठित कैबिनेट उप-समिति ने रिपोर्ट पर चर्चा की है और यह सच है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री येदियुरप्पा और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्रीरामुलु का सीधे तौर पर नाम लिया गया है। पीपीई किट की खरीद में लगभग 14 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसे नियमों का उल्लंघन करके अधिक कीमत पर खरीदा गया था। देश में इनकी उपलब्धता के बावजूद, इन्हें चीन-हांगकांग से खरीदा गया। उन्होंने रिपोर्ट में येदियुरप्पा और श्रीरामुलु के खिलाफ गंभीर आरोपों का हवाला देते हुए उन्हें 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के प्रचार से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के दौरान श्रीरामुलु के बाद स्वास्थ्य मंत्री का पद संभालने वाले व्यक्ति के खिलाफ भी आरोप सामने आ सकते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि मौजूदा सांसद के सुधाकर भी स्वास्थ्य मंत्री थे। प्रारंभिक रिपोर्ट 31 अगस्त को न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा ने पेश की थी। सरकार ने रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करने के लिए पिछले महीने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) और एक कैबिनेट उप-समिति गठित करने का फैसला किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व में सात सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति गठित की। गृह मंत्री जी परमेश्वर, कानून मंत्री एच के पाटिल, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे, श्रम मंत्री संतोष लाड और चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल समिति के सदस्य हैं। रिपोर्ट का हवाला देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने आगे आरोप लगाते हुए कहा कि जिस दर पर पीपीई किट की खरीद पर बातचीत की गई और इसकी शर्तें नियमों का उल्लंघन करते हुए कंपनियों के पक्ष में थीं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 14 करोड़ रुपये अधिक का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा इसने येदियुरप्पा और श्रीरामुलु के खिलाफ कार्रवाई करने और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि सरकार का किसी भी राजनीतिक प्रतिशोध का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि सिफारिश के बाद, कैबिनेट उप-समिति की पहली बैठक हुई और उपचुनाव खत्म होने के बाद बैठक का दूसरा दौर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा ऑक्सीजन सिलेंडर, पीपीई किट, मास्क और दवाओं की खरीद से संबंधित कई अन्य विसंगतियां हैं। रिपोर्ट आ गई है। कुछ मामलों में आगे की जांच की जरूरत है और कुछ मामलों में सीधे कार्रवाई शुरू की जा सकती है। इस पर कैसे आगे बढ़ना है, पर अगली कैबिनेट उप-समिति की बैठक में चर्चा की जाएगी। अधिकारियों सहित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

हमें हर कदम कानूनी रूप से उठाने की जरूरत

राव ने कहा कि अधिकारियों को नोटिस भेजा जाना चाहिए और उनसे जवाब मांगा जाना चाहिए। जहां भी संभव हो, लोगों के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज किया जाएगा। चाहे अधिकारी हों या मंत्री (पूर्व मंत्री), कार्रवाई की जाएगी। चूंकि यह (घोटाला) बड़े पैमाने का है, इसलिए हमें हर कदम कानूनी रूप से उठाने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं होता है, तो तकनीकी आधार पर अदालतों से स्थगन प्राप्त किया जा सकता है और मामले आसानी से बंद किए जा सकते हैं। इसलिए हमें प्राकृतिक न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों का पालन करते हुए सावधानी से कदम उठाने की जरूरत है। आयोग द्वारा 500 करोड़ रुपए की वसूली की सिफारिश के बारे में पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि उपचुनाव के बाद एक अलग टीम बनाने का फैसला किया गया है और इसमें अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा आयोग ने विभिन्न कंपनियों से वसूली की सिफारिश की है, क्योंकि खरीद अधिक लागत पर की गई, कुछ मामलों में डिलीवरी में देरी हुई, गुणवत्ता को लेकर भी समस्याएं हैं, कुछ मामलों में ऐसी चीजें हैं। हम आने वाले दिनों में इस पर काम करेंगे।

केरल के सीएम को वायनाड लोकसभा उपचुनाव में हार का डर: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन वायनाड लोकसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव में भारी हार का सामना करने से डर रहे हैं। केरल के सीएम पिनराई विजयन द्वारा प्रियंका गांधी पर जमात-ए-इस्लामी का समर्थन मांगने के लिए सवाल उठाने और यह धर्मनिरपेक्षता के लिए कांग्रेस का रुख है कहने पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा हम ऐसी चीजों पर टिप्पणी नहीं कर सकते। वह एक राष्ट्रीय नेता हैं। मतदाता

अलग-अलग हैं और कोई भी व्यक्ति जो वोट देने का फैसला करता है, वह किसी को भी अपना वोट दे सकता है। कांग्रेस पार्टी समाज के हर वर्ग तक पहुंचने में विश्वास करती है। मुझे केरल में क्या बोला गया, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। शिवकुमार ने कहा केरल के सीएम पिनराई विजयन वायनाड उपचुनाव में बड़े पैमाने पर हारने से डरे हुए हैं और इसी पृष्ठभूमि में वह इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूरा केरल और वायनाड के लोग वायनाड सीट से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की सराहना कर रहे हैं और यही वजह है कि विपक्षी नेता उनसे ईर्ष्या कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहले वायनाड सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। गुरुवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में सीएम विजयन ने दावा किया कि वायनाड में हुए उपचुनाव ने कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष मुखौटे को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। प्रियंका गांधी जमात-ए-इस्लामी के समर्थन से वहां उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। तो, कांग्रेस का रुख क्या है? हमारा देश जमात-ए-इस्लामी से अपरिचित नहीं है। क्या उस संगठन की विचारधारा लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है? जमात-ए-इस्लामी राष्ट्र या उसके लोकतंत्र को महत्व नहीं देता है और राष्ट्र के शासन ढांचे की अवहेलना करता है। यह संगठन राजनीतिक भागीदारी की आड़ में काम कर रहा था और यह दिखावा जम्मू-कश्मीर में स्पष्ट था।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस दावे पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया कि राज्य में उन्हें खत्म करना कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी को खत्म करने जैसा ही है, शिवकुमार ने कहा सीएम सिद्धरामैया एक जन नेता हैं और भाजपा उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की कोशिश कर रही है। भाजपा पूरे देश में विपक्ष के सभी नेताओं को खत्म करना चाहती है।

कर्नाटक कोविड घोटाला

भाजपा सरकार ने महामारी के दौरान मुनाफा कमाया जबकि लोगों की जान चली गई: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कोविड घोटाले पर जस्टिस जॉन माइकल डी कुन्हा की रिपोर्ट के अंशों पर छपी एक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इससे केवल वही पुष्टि होती है जिसका कई लोगों को संदेह था और इसे केवल हिमशैल का सिरा कहा। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा अब यह पुष्टि हो गई है जिसका कई लोगों को संदेह था। कर्नाटक में भाजपा सरकार ने कोविड के दौरान मुनाफा कमाया जबकि सरकार की उदासीनता के कारण लोगों की जान चली गई। जस्टिस डी कुन्हा

की रिपोर्ट ने अप्रैल, 2020 में बिना किसी टेंडर के दो चीनी फर्मों से 3 लाख पीपीई किट के आयात में कथित अनियमितताओं को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा और तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की सिफारिश की। खड़गे ने यह भी सवाल उठाया कि स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं की अनदेखी क्यों की गई और चीन से पीपीई किट क्यों आयात की गईं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि केंद्र सरकार की सहमति के बिना एक राज्य के सीएम को आयात के लिए मंजूरी कैसे मिल गई? उन्होंने कहा यह एक स्पष्ट लेन-देन का मामला है। क्या राज्य भाजपा अध्यक्ष अपनी पार्टी के कार्यों की जिम्मेदारी लेंगे? उन्होंने इस विशेष मामले को हिमशैल का केवल एक सिरा बताया। उन्होंने भाजपा की पूरी कोरोना भ्रष्टाचार गाथा को उजागर करने की भी कसम खाई।

कोविड लूट पर जस्टिस डी कुन्हा द्वारा अभियोग लगाने का मामला

सीएम ने भाजपा नेता श्रीरामुलु, पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा की आलोचना की

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा नेताओं बी श्रीरामुलु और बीएस येदियुरप्पा को भाजपा शासन के दौरान स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में उनकी भूमिका के लिए आड़े हाथों लिया और कहा कि कोविड महामारी के दौरान शवों पर धन लूटने और पैसा बनाने के लिए भगवान भी उन्हें नहीं बख्शेंगे।

कोविड महामारी से निपटने में अनियमितताओं की जांच कर रहे जस्टिस माइकल डी. कुन्हा आयोग के निष्कर्षों का हवाला देते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि न तो लोग और न ही कोई भगवान भाजपा को कोविड पीड़ितों की लाशों पर भी धन लूटने के लिए माफ करेंगे। बल्लारी के कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम की पत्नी, कांग्रेस उम्मीदवार अन्नपूर्णा के प्रचार के लिए संदूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने शनिवार को खनन कारोबारी जनार्दन रेड्डी पर भी उन्हें एकवचन शब्दों में गाली देने के स्तर तक गिरने के लिए आड़े हाथों लिया और उन्हें सबसे बेशर्म राजनेता करार दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा माइकल डी'कुन्हा न्यायिक आयोग ने श्रीरामुलु और येदियुरप्पा दोनों को चीन से नियमों का पालन किए बिना अत्यधिक दरों पर पीपीई किट प्राप्त करने में कथित भ्रष्टाचार के लिए दोषी ठहराया है।

उन्होंने मांग की कि दोनों भाजपा नेत-ाओं को भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों के तहत दंडित किया जाना चाहिए। सिद्धरामैया ने कहा कि जनार्दन रेड्डी एक छोटे समय के राजनेता हैं और उन्हें खनन घोटाले में जेल भेजा गया था और खनन घोटाले में पैसे लूटने के अलावा बल्लारी जिले या राज्य में उनके योगदान के बारे में जानना चाहा। उन्होंने कहा यह मत भूलिए कि आपने कितने साल जेल में बिताए हैं और बल्लारी जिले में प्रवेश करने से वंचित रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेड्डी 2023 के विधानसभा चुनावों में गंगावती से नहीं जीत पाते क्योंकि वे तब प्रचार करने में असमर्थ थे।

लेकिन उन्होंने कहा कि संदूर में कांग्रेस उम्मीदवार अन्नपूर्णा तुकाराम 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीतेंगी। श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि सिद्धरामैया ने यह सुनिश्चित किया है कि तुंगभद्रा बांध से संदूर के 36 गांवों को पीने का पानी उपलब्ध कराया जाए।

सीएम को भी पता है कि वह उपचुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया भी जानते हैं कि वह उपचुनाव के बाद सीएम पद से इस्तीफा देंगे। संदूर उपचुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से बात की और कहा कि संदूर में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस 500 रुपये में लोगों को बुला रही है। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया कि इसे टीवी पर प्रसारित किया गया था। सीएम का संदूर दौरा 2 दिन का तय था। फिर 3 दिन के लिए बढ़ा दिया गया। उन्होंने विश्लेषण किया कि लोगों को अपराधियों की बात सुनने में दिलचस्पी कम हो गई है। उन्होंने कहा कि सीएम हताशा में ऐसी हरकत कर रहे हैं। इससे पहले, जब सिद्धरामैया मुख्यमंत्री थे, तब लोकायुक्त को बंद कर दिया गया था और उच्च न्यायालय द्वारा एसीबी का गठन किया गया था। यह सब प्रदेश की जनता जानती है। उन्होंने कहा कि उनकी बड़ी धमकी से डरने का सवाल ही नहीं है। वाल्मीकि निगम घोटाला, मैसूरु मुडा घोटाला सिद्धरामैया के सामने आ गया है। सिद्धरामैया की मुख्यमंत्री कुर्सी हिल रही है। केंद्रीय कांग्रेस नेताओं को पता है कि सिद्धरामैया 5 साल तक मुख्यमंत्री रहने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकारों के दौरान बने आयोगों और उनकी रिपोर्टों के बारे में जानती है।

क्या इन्हीं सिद्धरामैया ने, जब राज्य के मुख्यमंत्री थे, लोकायुक्त का दरवाजा बंद नहीं किया था और एसीबी बनाकर खुद को नहीं बचाया था? उन्होंने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की सुरक्षा नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि न तो सिद्धरामैया और न ही कांग्रेस सरकार किसी भी मामले में अपनी सरकार, अपने मंत्रियों और विधायकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक आयोग बनाने पर अड़ी है।

उन्होंने विरोधियों को राजनीतिक तौर पर खत्म करने की रणनीति बनाने, इसके लिए आयोग बनाने और रिपोर्ट देने के तरीके को लेकर अस्पष्ट रुख अपनाने के लिए भी कांग्रेसियों की आलोचना की। उन्होंने चुनौती दी कि भाजपा और येदियुरप्पा के पास ऐसी जांच रिपोर्टों से भागने का सवाल ही नहीं है। येदियुरप्पा के खिलाफ पहले भी कई साजिशें हो चुकी हैं। शायद कर्नाटक राज्य में किसी अन्य राजनेता को येदियुरप्पा के खिलाफ इतने षड्यंत्रों और साजिशों का शिकार नहीं होना पड़ा। उन्होंने बताया कि येदियुरप्पा ने इन सबको भूलभुलैया की तरह तोड़कर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में अच्छा काम किया है। सिद्धरामैया हताश हैं। 3 सीटों पर हुए उपचुनाव में सिद्धरामैया सरकार हार के कगार पर है। सच तो यह है कि अगर वह तीनों विधानसभा क्षेत्रों में हार गए तो स्थिति बेकार हो जाएगी। इसके लिए उन्होंने कुन्हा पर जल्दबाजी में रिपोर्ट लाने का दबाव बनाया।

गुजरात के प्रति निरंतर पक्षपात

सिद्धरामैया ने मोदी पर अपने गृह राज्य में निवेश को लुभाने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा, जहां उन्होंने उन पर गुजरात के प्रति निरंतर पक्षपात दिखाने का आरोप लगाया, जो उनका गृह राज्य भी है। सिद्धरामैया ने अपने पोस्ट में कहा, सेमीकंडक्टर प्लांट से लेकर प्रमुख विनिर्माण केंद्रों तक के बड़े निवेश को कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे संपन्न राज्यों से दूर ले जाया जा रहा है और विशेष सब्सिडी और प्रोत्साहन के साथ गुजरात को सौंप दिया जा रहा है। उन्होंने कर्नाटक के भाजपा सांसदों की चुप्पी की भी आल-ोचना की, जिन पर उन्होंने आर-ोप लगाया है कि वे कर्नाटक के संपन्न प्रौद्योगिकी और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति इस घोर उपेक्षा पर सवाल उठाने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा, इसके बजाय, वे मोदी की हेलीकॉप्टर कूटनीति को केवल गुजरात की सेवा करने देते हैं, जिससे हमारा राज्य अलग-थलग पड़ जाता है। हेलीकॉप्टर कूटनीति का आरोप 2022 के एक आर-ोप से आया है, जब एक अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनी के प्रतिनिधियों ने तमिलनाडु में एक कारखाना स्थापित करने के इरादे से तत्कालीन केंद्रीय वाणिज्य मंत्री से मुलाकात की थी। हालांकि बैठक के तुरंत बाद, उन्हें कथित तौर पर मोदी के गृह राज्य गुजरात में एक स्थान पर ले जाया गया ताकि उन्हें पश्चिमी राज्य में अपनी परियोजना स्थापित करने के लिए राजी किया जा सके। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने राज्य के भाजपा सांसदों को सलाह दी कि उनकी चुप्पी कर्नाटक के हितों के साथ विश्वासघात है। अब समय आ गया है कि वे अपनी चुप्पी तोड़ें, हमारे राज्य के लिए बोलें और कर्नाटक और पूरे दक्षिण भारत के लिए निष्पक्षता और समान अवसर की मांग करें। इससे पहले, एनसीपी (एसपी) सुप्रीमो शरद पवार ने भी मोदी पर अपने गृह राज्य को लाभ पहुंचाने के लिए परियोजनाओं को स्थानांतरित करने का आरोप लगाया था। बारामती में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पवार ने कहा था कि रतन टाटा चाहते थे कि एफएएल और एयरबस परियोजना महाराष्ट्र में आए और उनके परामर्श से नागपुर एमआईडीसी क्षेत्र में इसके लिए 500 एकड़ का भूखंड चिह्नित किया गया। पवार ने कहा यह मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान हुआ था, जिसका मैं हिस्सा था। पवार ने दावा किया था कि हमारी सरकार बदल गई और जब मोदी पीएम बने, तो उन्होंने टाटा को फोन किया और उन्हें गुजरात में कारखाना लगाने के लिए कहा।

पिछले कई सालों से फरार आरोपी गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुल्की पुलिस ने चोरी के एक मामले में पिछले तीन साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। करकला के अट्टूर निवासी आरोपी सुरेश पुजारी (52) को दावणगेरे जिले के सावलंगा में पकड़ा गया। मूडबिद्री अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सुरेश पुजारी पर धर्मस्थल, बेल्टांगडी, उडुपी सिटी, हेब्री, शिरवा, हिरियाडका, पदुबिद्री, करकला सिटी, दावणगेरे ग्रामीण और महाराष्ट्र के पुलिस स्टेशनों में चोरी के कई आरोप दर्ज हैं। ऑपरेशन का नेतृत्व पुलिस इंस्पेक्टर विद्याधर डी बायकेरीकर, एसआई अनीता और हेड कांस्टेबल उदय और जयराम जे के साथ किया गया।

मालपे बीच पर तैरता पुल आम जनता के लिए फिर से खुला

लोगों की उमड़ी भीड़

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में मालपे बीच पर बना फ्लोटिंग ब्रिज हाल ही में जनता के लिए फिर से खुल गया और जल्द ही एक लोकप्रिय आकर्षण बन गया। मूल रूप से 2021 में लॉन्च किया गया, यह पुल आगंतुकों को एक अनूठा अनुभव और आश्चर्यजनक दृश्य प्रदान करता है, जो इसे मालपे बीच पर मुख्य आकर्षणों में से एक बनाता है। पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, शाम की ठंडी हवा और सुंदर परिवेश का आनंद लेने के लिए प्रतिदिन 4,000 से 5,000 से अधिक लोग समुद्र तट पर आते हैं। सप्ताहांत पर, भीड़ बढ़कर

10,000 तक पहुँच जाती है। 130 मीटर लंबा, 3 मीटर चौड़ा फ्लोटिंग ब्रिज एक बार में 200 लोगों को समायोजित कर सकता है, जिससे वे अरब सागर और जीवंत सूर्यास्त के लुभावने दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुल के दोनों ओर सुरक्षा रेलिंग लगाई गई है। पुल के समुद्र के किनारे एक मंच है जो 15 फीट लंबा और 8 फीट चौड़ा है, जो दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एक अतिरिक्त सुविधाजनक स्थान प्रदान करता है। सभी आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पुल के किनारे 13 लाइफगार्ड तैनात हैं, और प्रत्येक पर्यटक को अपनी यात्रा के दौरान लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य है। आपातकालीन स्थिति में लाइफबॉय भी उपलब्ध हैं। फ्ल-ोटिंग ब्रिज 15 मिनट के ठहरने के लिए 150 रुपये के शुल्क पर संचालित होता है, जो इसे सभी के लिए एक किफायती और यादगार अनुभव बनाता है। पुल के खुलने के साथ, मालपे बीच एक जरूरी जगह के रूप में और भी अधिक आकर्षक हो गया है, जो न केवल प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करता है, बल्कि स्थानीय निवासियों और पर्यटकों दोनों के लिए अतिरिक्त आकर्षण भी प्रदान करता है।

कार-वैन की टक्कर में घायल युवक को बचाया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

करकला-बजागोली एनएच पर करियाकल्लू-दानसाले रोड जंक्शन पर एक कार से टक्कर के बाद ओमनी वैन के अंदर फंसे एक युवक को अग्निशमन सेवा कर्मियों ने बचाया। बजागोली से करियाकल्लू होते हुए करकला शहर की ओर जा रही ओमनी की टक्कर करकला से बाजगोली जा रही एक कार से हो गई। टक्कर के कारण ओमनी के अंदर मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया और वह वाहन से बाहर नहीं निकल पाया, क्योंकि उसका दरवाजा जाम हो गया था। सूचना मिलने पर अग्निशमन सेवा कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को बाहर निकाला और उसे अस्पताल पहुंचाया। घायल की पहचान ओंटिकट्टे निवासी संदेश (35) के रूप में हुई है। करकला शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

छठ पर्व का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अतुल्य भारत एसोसिएशन बेंगलूरु द्वारा होरमाऊ अगरा में लगातार तीसरी बार छठ पर्व का आयोजन किया गया।

महापर्व पर संध्या का अर्घ्य देने के लिए बड़ी संख्या में घाट पर भक्तों का समूह एकत्रित हुआ। एसोसिएशन द्वारा बहुत ही सुंदर व्यवस्था की गई, ताकि व्रतियों को कोई असुविधा न हो। मुख्य अतिथि डीकेमोहन ने आयोजन की भूरी भूरी प्रशंसा की और भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। 2500 श्रद्धालुओं ने छठी मैया की पूजा की।

अध्यक्ष संजीव रंजन, उपाध्यक्ष दुर्गा सिंह, सचिव अनुराग मिश्रा, अभिषेक त्यागी, प्रवीण चौधरी, डॉ. देवेन्द्र तिवारी, मनोज कुमार, प्रभात सिंह, अमित सिंह, प्रदीप कुमार, संजय यादव, राधाकृष्णन शर्मा, नवीन दूवे, उमाकांत सिंह, नवनीत प्रकाश, अमरेन्द्र और विकास ने छठ पूजा को सफल बनाने में बेहतरीन प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनय कुमार यादव ने किया।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के कमलापुरा तालुक के मरगुट्टी क्रॉस पर शनिवार सुबह एक कार और महिंद्रा पिकअप ट्रक के बीच हुई टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान हैदराबाद निवासी भार्गव कृष्ण (55), उनकी पत्नी संगीता (45) और उनके बेटे उत्तम राघवन (28) के रूप में हुई है। कार चालक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। कथित तौर पर परिवार गणगपुर दत्ता दर्शन की ओर जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार टक्कर खराब दृश्यता या ड्राइवर के गाड़ी चलाते समय सो जाने के कारण हुई होगी। सीप-ीआई शिवशंकर साहू, पीएसआई आशा राठौड़ और कांस्टेबल किशन और कुपेंद्र ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए कमलापुरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

गुरु गणेश जन्मोत्सव समारोह हेतु साध्वी चैतन्याश्रीजी को आमंत्रण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक गजकेसरी गणेशला-लजी ने दक्षिण भारत में जीवदया एवं गौरक्षा की प्रबल प्रेरणा का संचार किया। उनके आह्वान से जिनशासन प्रभावना के अनेक कार्य हुए। उपरोक्त विचार साध्वी चैतन्याश्रीजी ने प्रवचन सभा में व्यक्त किये। श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा 17 नवंबर को महावीर धर्मशाला में निर्धारित कर्नाटक गज केसरी गणेशलालजी के 145वें जन्मोत्सव समारोह में सानिध्य प्राप्त करने के लिए समिति के पदाधिकारी चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना,

मार्गदर्शक प्रकाशचंद ओस्तवाल, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, अशोक नागोरी, प्रकाशचंद बाफना, अनिल पोखरना ने महावीर धर्मशाला में विराजित साध्वी चैतन्याश्री की सेवा में पहुंचकर सानिध्य प्रदान करने की विनती की। साथ ही विशेष सहयोगी बेंगलूरु सेन्ट्रल संघ के साथ युवा एवं महिला मंडल की उपस्थिति हेतु निवेदन किया। कार्यक्रम में आचार्य जयमलजी के 293वें दीक्षा दिवस एवं दक्षिण केसरी मिश्रीमलजी की 31वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष में गुणगान भी किए जाएंगे। सेन्ट्रल संघ के मंत्री महेंद्रकुमार मुणोत आदि पदाधिकारियों ने आमंत्रण हेतु प्रसन्नता प्रकट करते हुए समिति का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व मानव डॉक्टर बी आर अंबेडकर वेदीके द्वारा सर एम विश्वेश्वरैया ऑटो निल्दाना विजयनगर में फिल्म अभिनेता ऑटो राजा शंकर नाग के जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी एवं दिवंगत अभिनेता शंकर नाग के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। साथ ही कन्नड़ा सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर ऑटो चालकों में गणवेश वितरित किए गए। आयोजकों ने अतिथि को सम्मानित किया।

बढ़ते आतंकी हमलों से रुके नहीं, पर डगमगाने लगे हैं पर्यटकों के कदम

टूरिज्म से जुड़े लोगों को फिर से सताने लगी रोजी रोटी की चिंता

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 09 नवंबर।

कश्मीर में बढ़ते आतंकी हमले पर्यटकों के कदमों पूरी तरह से रोक तो नहीं पाए हैं, पर इतना जरूर हुआ है कि टूरिस्टों के कदम डगमगाने जरूर लगे हैं। कश्मीर की ओर रुख करने से पहले पर्यटक दो बार जरूर सोच रहे हैं। यही कारण है कि टूरिज्म से जुड़े लोगों को एक बार फिर अपनी रोजी रोटी की चिंता सता रही है।

कश्मीर वादी में हाल ही में हुए कई बड़े आतंकी हमले भी पर्यटकों को यहां आने से रोक नहीं पाए। गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के निकट हुए हमलों के बावजूद हर दिन हजारों पर्यटक शरद ऋतु का आनंद लेने के लिए कश्मीर पहुंच रहे हैं। लेकिन डल झील शिकारा एसोसिएशन के अध्यक्ष वली मोहम्मद कहते है कि अक्टूबर-नवंबर के दौरान कई लोग पूजा की छुट्टियों के दौरान कश्मीर आते थे, क्योंकि उन्हें घूमने का मौका मिलता था। लेकिन, पर्यटन स्थलों के आसपास आतंकवादी हिंसा की कई घटनाओं ने लोगों में दहशत पैदा कर दी है। वहीं जेएंडके होटलियर एसोसिएशन के सचिव तारिक गनी ने कहा, ऐसी जगह कौन आना चाहेगा, जहां हिंसा का खतरा हो। लोग मौज-मस्ती करने आएंगे और अगर स्थिति खराब हो, तो लोग क्यों आएंगे। तारिक अकेले ऐसी चिंता जताने वाले नहीं हैं, बल्कि व्यापार से जुड़े लोगों को अभी भी उम्मीद है कि सरकार की मदद से वे कश्मीर को सुरक्षित जगह के रूप में पेश कर पाएंगे, ताकि शरद ऋतु और सर्दियों के पर्यटन को बचाया जा सके।

इस सच्चाई से कोई मुख नहीं मोड़ता कि हाल के आतंकी हमलों में सुरक्षाकर्मियों समेत कई लोगों की जान गई है, लेकिन इसका कश्मीर में आने वाले पर्यटकों की संख्या पर फिलहाल खास असर नहीं पड़ा है। सरकारी दावा यह है कि इन हमलों के बावजूद लोग कश्मीर में रंग बदलते चिनार के पेड़ों का अद्भुत नजारा देखने पहुंच रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हर दिन लगभग 7-8 हजार लोग कश्मीर आते हैं, जिनमें से 3-4 हजार पर्यटक होते हैं। गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे स्थानों पर पर्यटकों का उत्साह कम नहीं हुआ है। हमले के तुरंत बाद कश्मीर आए उत्तर प्रदेश, राजस्थान, और बंगाल से आए पर्यटकों ने बताया था कि उन्हें कश्मीर में घूमते हुए कोई असुरक्षा महसूस नहीं हुई। एक पर्यटक शफा खान के शब्दों में हमें यहां बहुत अच्छा लग रहा है और यह जगह वास्तव में स्वर्ग जैसी है। हमें सुरक्षा को लेकर कोई डर महसूस नहीं हुआ। शोएब खान और अन्य पर्यटकों ने भी इस बात को दोहराया था कि वे हर साल यहां आते हैं।

कश्मीर में पर्यटन से जुड़े लोगों ने कश्मीर में आतंकी घटनाओं की निंदा की है और उन्हें अस्वीकार्य बताया है। उन्होंने कहा कि उद्योग शांति बहाल करने में सरकार का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्षेत्र से जुड़े कई कारोबारी नेताओं की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए पर्यटन से जुड़े लोगों ने कहा कि वे कश्मीर घाटी में शांति चाहते हैं। जम्मू कश्मीर होटलियर्स क्लब के चेयरमैन मुश्ताक छाया के बकौल, यह कश्मीरियों को स्वीकार्य नहीं है। हम उन लोगों से अनुरोध करते हैं जो इसके पीछे हैं, वे ऐसा न करें। यह स्वीकार्य नहीं होगा कि यहां लोग मारे जाएं और अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाए।

उन्होंने कहा कि लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं और ऐसी घटनाओं का उद्देश्य शांति को पटरी से उतारना और पर्यटन को प्रभावित करना है। छाया ने कहा कि यह कश्मीरियों को अस्वीकार्य है। हम केवल शांति चाहते हैं।

जानकारी के लिए अभी तक 2023 में ही 2.11 करोड़ पर्यटकों के आने का रिकार्ड है। जबकि 2024 में जून तक ही 1.2 करोड़ पर्यटक यहां जा चुके हैं। इसमें बड़े पैमाने पर विदेशी भी शामिल हैं। कोरोना काल में जरूर यह थोड़ा घटे थे। 2020 में 34 लाख पर्यटक आए थे। 2021 में 1.13 करोड़ तो 2022 में 1.8 करोड़ पर्यटक आए जो लगातार बढ़ रहे हैं। प्रदेश में पर्यटन लोगों के जीवन का आधार बन गया है। पांच लाख लोगों को इससे सालाना लाभ मिल रहा है।

जम्मू में करोड़ों रुपए के जमीन घोटाले का पर्दाफाश

राजस्व अधिकारियों और भूमाफियाओं के खिलाफ मामला दर्ज

जम्मू, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जम्मू जिले में करोड़ों रुपए के भूमि घोटाले का पर्दाफाश किया है जिसमें कई राजस्व अधिकारियों, भूमि हड़पने वालों और उनके सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के प्रवक्ता ने कहा कि यह हालिया सफलता राजस्व अधिकारियों और एक भू-माफिया से जुड़े नेटवर्क को उजागर करती है जो असरवान क्षेत्र में लगभग 40 कनाल कस्टोडियन भूमि के घोटाले में शामिल है और जिसे भू-माफिया ने अवैध रूप से जब्त कर लिया था।

इससे पहले एसीबी ने 62 एकड़ से अधिक कस्टोडियन भूमि से जुड़े एक और घोटाले का पर्दाफाश किया था और जिसकी जांच के लिए 15 एफआईआर पहले ही दर्ज की जा चुकी हैं। प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू के असरवान, मिश्रीवाला और भलवाल में सैकड़ों कनाल कस्टोडियन भूमि को कुछ राजस्व और पुलिस अधिकारियों के

सहयोग से भूमि हड़पने वालों और अपराधियों ने धोखाधड़ी से हड़प लिया था। उन्होंने कहा कि कई मामलों में अभिलेखों के साथ छेड़छाड़ की गई और जमीन अलग-अलग लोगों को बेच दी गई। सत्यापन के दौरान एसीबी ने पाया कि आपराधिक साजिश के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से आए शरणार्थियों से फॉर्म 3-ए (फॉर्म अल्फ) और पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) दस्तावेज हासिल किए गए। उन्होंने कहा कि उन्हें अतिरिक्त जमीन देने का झूठा वादा किया गया या जमीन हड़पने वालों से जुड़े बिचौलियों ने तुरंत पैसे देने की पेशकश की। इसके बाद राजस्व अधिकारियों ने इन व्यक्तियों के नाम पर कस्टोडियन भूमि के अतिरिक्त भूखंड दिखाने के लिए अभिलेखों में फेरबदल किया।

उन्होंने कहा कि बाद में इन जमीनों को गिरोह के नेताओं सहित विभिन्न खरीदारों को बेच दिया गया जिससे सरकार को काफी नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से कस्टोडियन भूमि को हस्तांतरित करने में भूमि हड़पने वालों और राजस्व अधिकारियों के बीच संबंध के स्पष्ट सबूतों के कारण एसीबी ने प्रणव देव सिंह (पटवारी), राहुल काई (पटवारी), अकील अहमद (नायब तहसीलदार), पलोडा नागबनी मढ़ के राजिंदर शर्मा, वरिंदर गुप्ता, जगदीश चंद्र और मकबूल चौधरी के साथ-साथ राजस्व और कस्टोडियन विभागों के अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान, एसीबी अधिकारियों, स्वतंत्र गवाहों और मजिस्ट्रेटों सहित तलाशी टीमों ने जम्मू में विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निरोधक से तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद जम्मू और आसपास के क्षेत्रों में छह स्थानों पर छापे मारे।

उन्होंने कहा कि अब तक चल रही जांच के हिस्से के रूप में लगभग 16 एफआईआर दर्ज की गई हैं जबकि सत्यापन राजस्व, पुलिस और कस्टोडियन विभागों के अधिकारियों की भागीदारी के साथ धोखाधड़ी से ली गई अतिरिक्त कस्टोडियन भूमि का पता लगाने के लिए सत्यापन अभी भी जारी है।

कांग्रेस प्रत्याशी ने आतंकी याकूब मेमन के लिए मांगी थी दया

मुंबई, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार का एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें कहा गया है कि मुंबई की मीरा भयंदर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सैयद मुजफ्फर हुसैन ने आतंकी याकूब मेमन की फांसी रुकवाने के लिए दया याचिका दाखिल की थी। पत्र में 28 जुलाई 2015 की तारीख है।

राष्ट्रपति को लिखे इस पत्र में कहा गया है, हम महामहिम से याकूब मेमन की सजा के लिए क्षमादान की अपील करते हैं। याकूब मेमन की फांसी टालने के प्रयास में फिल्म निर्माता महेश भट्ट, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, कार्यकर्ता तुषार गांधी, सीपीआई नेता सीताराम येचुरी, सांसद शत्रुघ्न सिन्हा, वकील वृंदा ग्रोवर और 290 अन्य लोगों ने दया याचिका पर दस्तखत किए थे। इस पत्र में मुजफ्फर हुसैन के अलावा पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान, अमीन पटेल, असलम शेख, शेख आसिफ, शेख राशिद, हुस्नबानो खलिफ, यूसुफ अब्राहनी और जावेद जुनेजा के भी दस्तखत हैं। वायरल हो रहे इस पत्र में संविधान का हवाला देते हुए आतंकी याकूब मेमन को मिले मृत्युदंड की सजा को उम्रकैद में बदलने की अपील की गई थी।

उल्लेखनीय है कि साल 1993 के मुंबई बम धमाकों में याकूब मेमन का हाथ था। इस मामले में उसे फांसी की सजा हुई थी। यह पत्र कांग्रेस प्रत्याशी मुजफ्फर हुसैन की तस्वीरों के साथ शेयर हो रहा है। चिट्ठी के साथ कांग्रेस को वोट देना मतलब लव जेहाद को वोट देना और कांग्रेस को वोट देना मतलब मुस्लिम समर्थक मुख्यमंत्री बनाना जैसे स्लोगन भी लिखे हुए हैं। मुजफ्फर हुसैन ने अपने हस्ताक्षर वाले पत्र को फर्जी कहा है। जबकि आतंकी याकूब की दया याचिका पर कांग्रेस पार्टी के 6 विधायकों, 1 पूर्व विधायक और 1 एमएलसी ने हस्ताक्षर किए थे। एमएलसी मुजफ्फर हुसैन के दस्तखत उस पत्र पर थे।

कश्मीर के लाल आलू पर अस्तित्व का संकट

जम्मू, 09 नवंबर (ब्यूरो)।

दक्षिण कश्मीर के हिरपोरा इलाके के स्थानीय लोगों ने बताया कश्मीर का स्वदेशी हिरपोरा लाल आलू, जो अपने अनोखे स्वाद और बनावट के लिए प्रसिद्ध है, विलुप्त होने के कगार पर है। ऐतिहासिक मुगल रोड के किनारे स्थित और हिरपोरा वन्यजीव अभयारण्य से घिरा हिरपोरा पारंपरिक रूप से आलू की खेती के लिए जाना जाता है। कभी इस क्षेत्र में कई लोगों द्वारा उगाई जाने वाली मुख्य फसल, इस बेशकीमती किस्म, जिसे कट्ट-ए-माज आलू (मटन आलू) के रूप में भी जाना जाता है, का उत्पादन तेजी से कम हो गया है, और अब केवल मुट्ठी भर किसान ही इसकी खेती करना जारी रखे हुए हैं।

हिरपोरा के निवासियों ने कहा कि पूरे भारत में अपने विशिष्ट स्वाद और कुरकुरेपन के लिए जाने जाने वाले आलू की खेती में रासायनिक उर्वरकों के अत्याधिक उपयोग, बीमारियों के प्रकोप और खराब उपज जैसे कारकों के कारण नाटकीय रूप से कमी देखी

गई है। स्थानीय किसान अब्दुल रहमान का कहना था कि एक दशक पहले, हिरपोरा के लगभग हर घर में यह लाल आलू उगाया जाता था। अब, गांव के 800 परिवारों में से केवल 10 से 20 परिवार ही इसे उगाते हैं, और वह भी बहुत छोटे पैमाने पर। हिरपोरा लाल आलू को उगाने में सामान्य आलू की तुलना में अधिक मेहनत लगती है क्योंकि इसके लिए अधिक प्रयास, उर्वरक और समय की आवश्यकता होती है। नतीजतन, इसका बाजार मूल्य सामान्य आलू की तुलना में लगभग तीन से चार गुना अधिक है, जो इसकी खेती को और हतोत्साहित करता है। गिरावट के बावजूद, स्थानीय लोग आशान्वित हैं, कुछ लोग अभी भी कम मात्रा में इस बेशकीमती फसल को उगाना जारी रखे हुए हैं। उनका मानना है कि सरकार इन किसानों से बीज खरीदकर और यह सुनिश्चित करने के बाद कि बीज रोग मुक्त हैं और ठीक से जांचे गए हैं, उन्हें अन्य उत्पादकों को वितरित करके इसके पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विशेषज्ञों का मत है कि खेती के तरीकों में बदलाव, विशेष रूप से क्षेत्र में सेब के बागों की बढ़ती संख्या ने आलू की गुणवत्ता और मात्रा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

उन्होंने कहा कि सेब की खेती के अतिक्रमण से मिट्टी की संरचना और सूक्ष्म जलवायु में बदलाव आया है, जिसने बदले में आलू की खेती को प्रभावित किया है। एक उत्पादक का कहना था कि कश्मीर भर से लोग हमारे आलू खरीदने के लिए यहां आते थे। वे कहते थे कि हमने आलू की अन्य किस्मों को भी आजमाया, लेकिन हिरपोरा रेड जैसी कोई भी किस्म इस क्षेत्र में नहीं बची। इस आलू में अद्वितीय गुण हैं, और यह 1,600 मीटर से अधिक ऊंचाई पर सबसे अच्छा पनपता है। हिरपोरा और पास का सेडो क्षेत्र इसे उगाने के लिए आदर्श है। उत्पादन में गिरावट को स्वीकार करते हुए, कृषि विभाग के एक अधिकारी का कहना था कि सरकार स्थिति से अवगत है और उसने हिरपोरा रेड आलू के पुनरुद्धार के लिए दो परियोजनाएं उच्च अधिकारियों को सौंपी हैं, जिनमें शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय शामिल है। अधिकारी के बकौल, विभाग इस स्वदेशी किस्म को पुनर्जीवित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, एक किसान ने परीक्षण के लिए अपनी ज़मीन देने पर सहमति जताई है, और हम उन लोगों से बीज लेंगे जो अभी भी लाल आलू उगा रहे हैं। इन बीजों का रोगों के लिए परीक्षण किया जाएगा, और हम स्कास्ट के विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह पता लगाएंगे कि आलू का उत्पादन कम क्यों है और इसका आकार छोटा क्यों है। विभाग खेती के लिए सर्वोत्तम परिस्थितियों का पता लगाने के लिए मिट्टी की जांच भी कर रहा है।

सोपोर मुठभेड़: एक आतंकवादी मारा गया, तलाशी अभियान जारी

जम्मू, 09 नवंबर (ब्यूरो)।

उत्तरी कश्मीर के सोपोर कस्बे के रामपोरा इलाके में शनिवार देर शाम को एक तलाशी अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया।

मिलने वाले समाचारों के अनुसार पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने रामपोरा में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

जैसे ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने भी आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी की पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार दो से तीन आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका है। गौरतलब है कि कल सागीपोरा सोपोर में गोलीबारी में दो विदेशी आतंकवादी मारे गए थे। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक की शुरुआती गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया है। अधिकारी ने कहा कि अभियान समाप्त होने के बाद मारे गए आतंकवादी की पहचान की जाएगी। हालांकि अंदेशा यह जताया जा रहा है कि मारा गया आतंकी विदेशी नागरिक था।

इससे पहले क्षेत्र में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी मिलने के बाद रामपोरा इलाके में एक अभियान शुरू किया गया था।

मुंबई में 2051 तक 54% कम हो जाएगी हिंदू आबादी: किरीट सोमैया

भाजपा नेता ने कहा- शहर में रोहिंग्या- बांग्लादेशी घुसपैठिए बढ़ रहे, रिपोर्ट का दिया हवाला

मुंबई, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने दावा किया है कि मुंबई में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ती जा री है। अगर यही हाल रहा तो 2051 तक शहर में हिंदू आबादी घटकर सिर्फ 54% रह जाएगी। किरीट सोमैया ने कहा, मेरे पास टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की एक रिपोर्ट है। इस रिपोर्ट के अनुसार शहर में हिंदू आबादी घट जाएगी। इसलिए हम (भाजपा) कहते हैं एक हैं तो सुरक्षित हैं।

किरीट ने यह भी दावा किया कि अगले 27 साल में गोवंडी, मानखुर्द, धारावी और कुर्ला की झुग्गियों में रोहिंग्याओं की संख्या बढ़ जाएगी। सोमैया ने पीएम मोदी की एक हैं तो सुरक्षित हैं टिप्पणी का समर्थन किया और

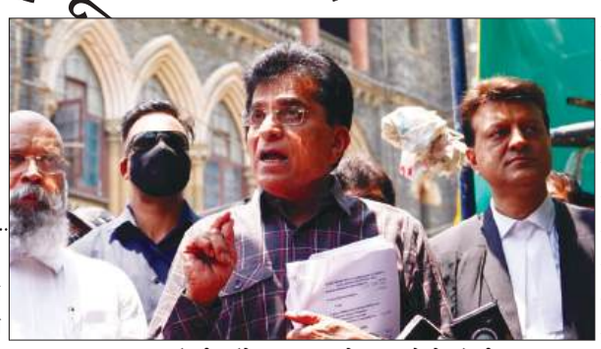

कहा- मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है वे मुंबई में सभी अवैध मस्जिदों को मान्यता देंगे। लव जेहाद को रोकने और लव जेहाद के सभी मामलों को वापस लेने के लिए कानून नहीं बनने देंगे। इसलिए मतदाताओं ने फैसला किया है कि एक हैं तो सुरक्षित हैं।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर प्रो. शंकर दास और को-प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर सौविक मंडल ने इस विषय पर स्टडी रिपोर्ट तैयार की है। जिसमें यह आरोप भी लगाया गया है कि अवैध अप्रवासी कम-कुशल नौकरियां लेकर शहर की सामाजिक-अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में वेतन में कमी और असंतोष बढ़ रहा है। यह रिपोर्ट 05 नवंबर को एक संस्थान के सेमिनार में पेश की गई। इसमें कहा गया कि कुछ राजनीतिक संस्थाओं पर वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अप्रवासियों का इस्तेमाल कर रही हैं। जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित कर सकता है। वोटर रजिस्ट्रेशन में हेराफेरी करके अवैध अप्रवासी नकली वोटर कार्ड बनवा लेते हैं। यह भी दावा किया गया कि मुस्लिम प्रवासियों की बड़ी तादाद ने धार्मिक जनसांख्यिकी को बदल दिया है, जिससे असुरक्षा और सांप्रदायिक तनाव की भावनाएं बढ़ रही हैं। खासकर मुंबई के हिंदू समुदायों के भीतर।

टीआईएसएस के रिसर्चर्स ने लगभग 3000 अप्रवासियों के आधार पर पर यह जांच की। लेकिन रिपोर्ट 20 नवंबर को होने वाले चुनावों से पहले 300 लोगों के डेटा से बनाई गई। ये अप्रवासी वर्तमान में धारावी, गोवंडी, मानखुर्द, माहिम पश्चिम और अंबेडकर नगर में रहते हैं।

अभिजात वर्ग को राष्ट्रवाद की भावना से प्रेरित होना चाहिए: धनखड़

नई दिल्ली, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शोध और नवाचार को विकसित राष्ट्र के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए शनिवार को कहा कि भारत सबसे पुराना, सबसे बड़ा तथा सक्रिय लोकतंत्र है, इसे दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र भी बनना चाहिए। श्री धनखड़ ने यहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, शोध और नवाचार के क्षेत्र की ऊंचाई वैश्विक समुदाय के लिए हमारी क्षमता को परिभाषित करेगी। यह हमारी सॉफ्ट डिप्लोमेसी को नई धार देगी।

उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से नवाचार और अनुसंधान के लिए अपनी क्षमता का उपयोग करने का आग्रह किया और कॉर्पोरेट

संस्थाओं से पर्याप्त योगदान के माध्यम से इस मिशन का समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने देकर कहा, व्यापार, उद्योग, व्यवसाय और वाणिज्य के संघों को वित्तीय योगदान के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आगे आना चाहिए। उप राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित राष्ट्र के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनुसंधान और नवाचार महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा कोई वाणिज्य नहीं है। शिक्षा समाज की सेवा है। शिक्षा दायित्व है। सेवा करनी चाहिए। समाज को कुछ देना कर्तव्य है। समाज को कुछ देने का सबसे अच्छा तरीका शिक्षा में निवेश करना है। उन्होंने कहा, शिक्षा में निवेश मानव संसाधन में निवेश है, वर्तमान में निवेश है, हमारे भविष्य में निवेश है। शिक्षा के माध्यम से ही हम हजारों सदियों के अपने गौरवशाली अतीत को जान पाते हैं।

श्री धनखड़ ने कहा, हमारे अभिजात वर्ग के लिए अभिजात वर्ग बनने का समय आ गया है। मैं उनसे अपील करता हूं- एक योग्य अभिजात वर्ग बनने के लिए आपको राष्ट्रवाद के जोश से प्रेरित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत, सबसे पुराना, सबसे बड़ा और क्रियाशील लोकतंत्र है, जिसे दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र भी होना चाहिए।

एक शक्तिशाली भारत वैश्विक सद्भाव, शांति और खुशी का आश्वासन होगा। उप राष्ट्रपति ने राष्ट्रवाद के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए राष्ट्रवाद के प्रति पूरी तरह से अडिग प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय हित को पक्षपातपूर्ण या अन्य हितों से ऊपर रखा जाना चाहिए। उन्होंने आर्थिक राष्ट्रवाद की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला और जोर दिया कि व्यापार के लिए आर्थिक राष्ट्रवाद को प्रमुख चिंता का विषय होना चाहिए।

जिस जगह पर भगवान राम ने की महादेव की पूजा

पवित्र मंदिर के पास खड़ी कर दी मस्जिद और मजार

बांदा, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बांदा में जिस जगह पर भगवान राम ने भगवान शंकर को जलाभिषेक की थी, वहां अवैध रूप से एक मस्जिद बना दी गई है। इसको लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया है और उस अवैध मस्जिद को गिराने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। बाम्बेश्वर पर्वत पर स्थित उस शिवलिंग को बमदेव भोलेनाथ की मंदिर के नाम से जाना जाता है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का आरोप है कि कोरोना काल के जब हर तरफ लॉकडाउन था, उस दौरान इस पर्वत पर मुस्लिमों ने चुपके से एवं अवैध रूप से मस्जिद का निर्माण कर लिया था। वीएचपी के मंडल अध्यक्ष अशोक ने कहा कि वहाँ पर आधा दर्जन मजारें भी बना ली गई हैं। पहाड़ पर रोज फतिहा और हर शुक्रवार को जुमे की नमाज पढ़ी जाती है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि इस जगह पर कोई मुस्लिम बस्ती नहीं थी, लेकिन अब काफी तादाद में यहां मुस्लिम रहने लगे हैं। इससे सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा हो गया है। ऐसे में मस्जिद और अवैध ढांचों को गिराने के लिए विश्व हिंदू परिषद के अधिकारियों ने जिला कलक्टर और पुलिस कप्तान के साथ-साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है।

पत्र में कहा गया है कि इस्लाम धर्म के लोग भारत का इस्लामीकरण करा रहे हैं। हिंदू संगठनों का कहना है कि वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर सरकार ने इसे नहीं हटाया तो वे इस मस्जिद को गिरा देंगे। हिंदू संगठनों की मांग है कि अवैध मस्जिद एवं मकबरे का बनाने वालों को तत्काल जेल में डाला जाना चाहिए और अवैध ढांचों एवं उसे बनाने वालों के मकानों पर बुलडोजर चलना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के चंद्रमोहन बेदी ने कहा कि यह पर्वत बहुत पुराना है। यहां पर पीछे की तरफ कुछ लोगों ने अवैध रूप से मजार बनाई और फिर उसे धीरे-धीरे मस्जिद में बदल दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को अंधविश्वास में डाल दिया और जगह हथिया ली। उन्होंने पूछा कि जब सतह पर पत्थर ही पत्थर हैं तो मजार कैसे बन सकती है। मजार बनाने के लिए खुदाई होती है, लेकिन पत्थर पर खुदाई कैसे होगी।

वीएचपी के महामंत्री दीपू दीक्षित ने बताया कि शुरू में मुस्लिमों ने पर्वत के एक पत्थर को हरे रंग से पोता फिर धीरे-धीरे इस पर मजार बनाई। फिर इस पर एक बड़ी मस्जिद बना दी। इसके बाद काफी लोग यहाँ टोपी लगाकर आना शुरू हो गए। दीपू ने कहा कि यह एक कैंसर का रूप है। इसे तत्काल जड़ से काटकर फेंक देना चाहिए, वरना यह पूरे शरीर को खराब कर देगा। बाम्बेश्वर पर्वत पर बने प्राचीन मन्दिर के पुजारी पुत्तन महाराज ने और मंदिर कमिटी के अध्यक्ष ने भी मस्जिद का विरोध किया है। उनका कहना है यह यह स्थिति अयोध्या और काशी मथुरा जैसी बन सकती है। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि भगवान राम ने अपने वनवास के दौरान यहाँ के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। इस दौरान भगवान शंकर ने उन्हें दर्शन दिया था।

मैनपुरी में सीएम योगी ने साधा अखिलेश पर निशाना

नेता जी को हो रहा होगा कष्ट पुत्र ने गिरवी रख दी पार्टी

मैनपुरी, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ मुलायम के गढ़ मैनपुरी में पहुंचे। यहां घिरोर में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने बांके बिहारी का जयकारा लगाकर संबोधन की शुरूआत की। सीएम योगी ने कहा कि सपा के कृत्यों से नेताजी को कष्ट हो रहा होगा। कैसे उनके सुपुत्र ने पार्टी को कांग्रेस के पास गिरवी रख दिया है। बगुला अभी बालिग नहीं हुआ है। इसलिए ऐसा काम करता है कि मैनपुरी के सामने संकट आ जाता है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने मुलायम सिंह यादव को आपातकाल में जेल भेजा था। राममनोहर लोहिया ने कहा था परिवार और सम्पत्ति का मोह न करें, लेकिन आज सपा परिवार में सभी पद चाहती है।

भीमराव आंबेडकर की भावना के विरुद्ध कांग्रेस ने संविधान में जो धारा 370 जोड़ी थी, वो पीएम नरेंद्र ने समाप्त कर दी है। कांग्रेस की गोद मे अखिलेश की सपा खेल रही है। वह देश की अखंडता से खेल रही है। सपा नेताजी के आदर्श से दूर जा चुकी है। भाजपा ने कहा था रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। भाजपा ने अपना वह वादा पूरा कर दिया है। हम कहते हैं कृष्ण कन्हैया हम आएंगे आपका सम्मान कराएंगे, लेकिन सपा इस पर मौन है। हमारे कृष्ण कब तक इंतजार करेंगे। मैं द्वारिका गया तो तो वहां काम देखा। पीएम मोदी वहां कायाकल्प कर रहे हैं। कृष्ण ने द्वारिका जाकर द्वारिकाधीश बनकर काम किया। आज की सपा रामद्रोही है। अखिलेश यादव आज तक दर्शन करने नहीं गए। उन्हें लगा वोट खिसक जाएगा। अयोध्या, मथुरा और काशी जाने पर इनका वोट खिसकता है। सपा से कहिये कन्हैया का सम्मान नहीं करते तो हम भी बाय बाय करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि विकास एक नई कहानी कहता है। अगर एक परिवार को जिताते रहेंगे तो वह चुनाव में आएंगे। अनुजेश यादव से फ़ोन से कह देंगे उतना विकास कराएंगे। एक तरफ भजपा है, निषाद पार्टी है सभी का समर्थन अनुजेश के साथ है। लोकसभा चुनाव में जो खटाखट की बात कही थी वह आया क्या? इन्होंने झूठ क्यों बोला, पीएम मोदी आये तो संविधान बदला गया क्या? आरक्षण खत्म हुआ क्या? सीएम योगी ने कहा कि आज माफिया कब्जा नहीं कर सकता है। किसी बेटी के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता है। अगर करेगा तो यमराज उसको अगले चौराहे पर उठाकर ले जाएंगे। विकास और विरासत की भाजपा गारंटी है। घिरोर में सीएम योगी ने एक बार फिर कहा कि बटेंगे तो कटेंगे और बटे थे तो कटे थे। अब एक रहेंगे तो नेक रहेंगे। करहल आर या पार का निर्णय ले लीजिए। भाजपा की झोली भर दीजिए। विकास कार्य से अनुजेश झोली भर देंगे।

22 जिला जज और दो एडीजे का तबादला

प्रयागराज, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अधिसूचना जारी कर 22 जिला जजों एवं दो एडीजे रैंक के न्यायिक अधिकारियों का एक से दूसरे जिले में स्थानांतरण किया है। बबिता रानी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहारनपुर से इसी पद पर शाहजहांपुर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाहजहांपुर ब्रह्मदेव शर्मा को मुरादाबाद, रवींद्र नाथ दुबे को भूमि अधिग्रहण पुनर्वास एवं रिसेटेलमेंट प्रयागराज से कॉमर्शियल कोर्ट गौतमबुद्ध नगर, तरुण सक्सेना को रायबरेली से जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहारनपुर स्थानांतरित किया गया है। सुधीर कुमार पंचम को मैनपुर से बरेली, रणंजय कुमार वर्मा को फतेहपुर से अयोध्या, रामेश्वर को मऊ से कासगंज, पंकज कुमार अग्रवाल को बदायूं से मैनपुरी, मनोज कुमार तृतीय को सीतापुर से बदायूं, संजीव शुक्ला को आजमगढ़ से हरदोई, जयप्रकाश पांडेय को सुल्तानपुर से आजमगढ़, सैय्यद एसएमबी असीम कासगंज से लखीमपुर खीरी, डॉ.अजय कुमार द्वितीय को मुरादाबाद से मुजफ्फरनगर, विनय कुमार द्विवेदी को मुजफ्फरनगर से बस्ती, अनमोल पाल को मिर्जापुर से फतेहपुर, सुनील कुमार चतुर्थ को चंदौली से मऊ, राजकुमार सिंह को हरदोई से रायबरेली स्थानांतरित किया गया है।

लक्ष्मीकांत शुक्ला को लखीमपुर खीरी से सुल्तानपुर, कुलदीप सक्सेना को बस्ती से सीतापुर, कुनाल वेपा को मोटर दुर्घटना दावा ट्रिब्यूनल गौतमबुद्ध नगर से कॉमर्शियल कोर्ट गौतमबुद्ध नगर, अरविंद कुमार मिश्रा द्वितीय को चेयरमैन स्टेट अपीलेट ट्रिब्यूनल लखनऊ से जिला एवं सत्र न्यायाधीश मिर्जापुर, रवींद्र सिंह को भूमि अधिग्रहण पुनर्वास एवं रिसेटेलमेंट मुरादाबाद से जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंदौली स्थानांतरित किया गया है।

तकनीक के दास न बनें, पुस्तकों की ओर लौटें : योगी

सीएम योगी ने किया गोमती पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ

लखनऊ, 09 नवम्बर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोमती रिवर फ्रंट पार्क में आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव का उद्घाटन किया। यह महोत्सव नेशनल बुक ट्रस्ट और लखनऊ विकास प्राधिकरण के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है, जो 9 से 17 नवंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर बच्चों से पाठ्यक्रम के साथ-साथ रचनात्मक और ज्ञानवर्धक पुस्तकों को पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सिर्फ पाठ्यक्रम की किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि अच्छी किताबें पढ़ें और उनसे अच्छी बातें सीखें। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों से मेले में एक-एक पुस्तक खरीदने का अनुरोध किया, ताकि उनमें पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल युग के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के युवा अपने 24 घंटों में से लगभग 6 घंटे स्मार्टफोन या अन्य डिजिटल डिवाइस पर व्यतीत कर रहे हैं। अगर इस समय का उपयोग किसी सार्थक कार्य में किया जाए तो यह समाज और युवा दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमें तकनीक का उपयोग करना चाहिए, न कि उसके गुलाम बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि भारत की श्रुति परंपरा का महत्व बहुत गहरा है।

नैमिषारण्य जैसे पवित्र स्थानों पर ऋषियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध किया, जिससे यह एक तीर्थस्थल बन गया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सुनना, मनन करना और उसे आचरण में उतारना एक परंपरा रही है। आज हमें फिर से इस परंपरा को जीवंत करना होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सौभाग्यशाली है कि यहां महर्षि वाल्मीकि और तुलसीदास जैसे महान कवि हुए। उन्होंने महाकाव्य 'रामचरित मानस' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे घर-घर में गाया जाता है। उन्होंने श्रीमद्भागवत गीता का उदाहरण देते हुए कहा कि युद्धभूमि में भी ज्ञान की सर्वश्रेष्ठ कृति रची गई थी। हमें अपनी इस महान परंपरा पर गर्व करना चाहिए और इसे संजोए रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नेशनल बुक ट्रस्ट की इस पहल की सराहना की और सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश के सभी 18 मंडलों में ऐसे पुस्तक मेलों का आयोजन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के मेलों से समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचेगा और लोगों में पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमें डिजिटल डिवाइस पर बिताए जाने वाले समय को कम करके पुस्तकों के अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारी सोच को विस्तार देती हैं और हमें समाज के प्रति जागरूक बनाती हैं। हमें अपनी नई पीढ़ी को इस दिशा में प्रेरित करना होगा।

बबुआ अभी बालिग नहीं हुआ है... सीएम योगी

सीएम योगी ने खैर, सीसामऊ और करहल में की चुनावी रैली

अलीगढ़/कानपुर/मैनपुरी, 09 नवम्बर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव प्रचार के दूसरे दिन तीन रैली की। उन्होंने खैर से सुरेंद्र दिलेर, सीसामऊ से सुरेश अवस्थी व करहल से अनुजेश यादव के पक्ष में कमल खिलाने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के नेतृत्व, नीति व नेताओं को निशाने पर रखा। कहा कि सपा की टोपी लाल, लेकिन कारनामे काले हैं। करहल में उन्होंने अखिलेश यादव की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि बबुआ अभी बालिग नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप मढ़ा कि कश्मीर को फिर से आतंकवाद का गढ़ बनाने के लिए शरारत प्रारंभ हो चुकी है।

सीएम योगी ने करहल में अखिलेश यादव पर निशाना साधा। बोले कि उनका आचरण अपने पिता व सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव की भावनाओं के विरुद्ध है। अखिलेश यादव की सपा कांग्रेस की गोदी में खेल रही है। कांग्रेस ने इमरजेंसी में नेताजी को बंद किया था। नेताजी हमेशा कांग्रेस का विरोध करते थे। वे कहते थे कि धोखे से भी इसके साथ नहीं रहना है, लेकिन सपा अब नेताजी के मूल्यों-आदर्शों से खुद को दूर कर चुकी है। उन्होंने कहा कि सपा नेतृत्व के कृत्यों से मुलायम सिंह यादव को कष्ट हो रहा होगा कि उनका सपूत सपा को कांग्रेस के पास गिरवी रखकर पार्टी का सत्यानाश करने पर उतारू हो गया है। कुछ लोगों की प्रवृत्ति होती है, जो जिंदगी भर उनके साथ जुड़ जाती है। बबुआ अभी बालिग नहीं हुआ है, इसलिए कभी-कभी ऐसा काम कर देता है, जिससे मैनपुरीवालों के सामने भी संकट खड़ा हो जाता है। सीएम ने कहा कि मुलायम सिंह ने राममनोहर लोहिया को आदर्श बनाया था। डॉ. लोहिया ने कहा था कि सच्चा समाजवादी वह है, जो संपत्ति व संतति का मोह न करे, फिर भी सपा में सारा पद एक ही परिवार को चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी रामद्रोही है। वे राममंदिर का दर्शन करने नहीं गए, क्योंकि उन्हें लगता था कि वोटबैंक खिसक जाएगा। करहल-वासी उनसे कहें कि आप कृष्ण-कन्हैया का सम्मान नहीं कर सकते तो हमारा वोट लेने क्यों आते हैं। हम आपसे बॉय-बॉय करते हैं। भाजपा ने कहा था कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। हमने करके दिखा दिया। श्रीकृष्ण-कन्हैया हम आएंगे, मथुरा में भी जनभावना का सम्मान कराएंगे, क्या सपा इस पर सहमत है। क्या समाजवादी पार्टी मथुरा-वृंदावन को लेकर सरकार की सोच का समर्थन करेगी। उन्हें वोट चाहिए, लेकिन कृष्ण-कन्हैया का सम्मान नहीं। वे इस पर मौन हैं। सरकार मथुरा, गोकुल, बरसाना, बलदेव, वृंदावन तीर्थों का विकास कर रही है। लगता है मथुरा-वृंदावन पांच हजार पहले के कालखंड में जा चुका है, जब कन्हैया स्वयं वहां निवास करते थे।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मंडल अध्यक्ष अशोक ने कहा कि वहाँ पर आधा दर्जन मजारें भी बना ली गई हैं। पहाड़ पर रोज फतिहा और हर शुक्रवार को जुमे की नमाज पढ़ी जाती है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि इस जगह पर कोई मुस्लिम बस्ती नहीं थी, लेकिन अब काफी तादाद में यहां मुस्लिम रहने लगे हैं। इससे सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा हो गया है। ऐसे में मस्जिद और अवैध ढांचों को गिराने के लिए विश्व हिंदू परिषद के अधिकारियों ने जिला कलक्टर और पुलिस कप्तान के साथ-साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है।

पत्र में कहा गया है कि इस्लाम धर्म के लोग भारत का इस्लामीकरण करा रहे हैं। हिंदू संगठनों का कहना है कि वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर सरकार ने इसे नहीं हटाया तो वे इस मस्जिद को गिरा देंगे। हिंदू संगठनों की मांग है कि अवैध मस्जिद एवं मकबरे का बनाने वालों को तत्काल जेल में डाला जाना चाहिए और अवैध ढांचों एवं उसे बनाने वालों के मकानों पर बुलडोजर चलना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के चंद्रमोहन बेदी ने कहा कि यह पर्वत बहुत पुराना है। यहां पर पीछे की तरफ कुछ लोगों ने अवैध रूप से मजार बनाई और फिर उसे धीरे-धीरे मस्जिद में बदल दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को अंधविश्वास में डाल दिया और जगह हथिया ली। उन्होंने पूछा कि जब सतह पर पत्थर ही पत्थर हैं तो मजार कैसे बन सकती है। मजार बनाने के लिए खुदाई होती है, लेकिन पत्थर पर खुदाई कैसे होगी।

वीएचपी के महामंत्री दीपू दीक्षित ने बताया कि शुरू में मुस्लिमों ने पर्वत के एक पत्थर को हरे रंग से पोता फिर धीरे-धीरे इस पर मजार बनाई। फिर इस पर एक बड़ी मस्जिद बना दी। इसके बाद काफी लोग यहाँ टोपी लगाकर आना शुरू हो गए। दीपू ने कहा कि यह एक कैंसर का रूप है। इसे तत्काल जड़ से काटकर फेंक देना चाहिए, वरना यह पूरे शरीर को खराब कर देगा। बाम्बेश्वर पर्वत पर बने प्राचीन मन्दिर के पुजारी पुत्तन महाराज ने और मंदिर कमिटी के अध्यक्ष ने भी मस्जिद का विरोध किया है। उनका कहना है यह यह स्थिति अयोध्या और काशी मथुरा जैसी बन सकती है। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि भगवान राम ने अपने वनवास के दौरान यहाँ के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। इस दौरान भगवान शंकर ने उन्हें दर्शन दिया था।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में निषाद बेटी और कन्नौज में सपा नेता के कृत्य किसी से छिपे नहीं हैं। यह सभ्य समाज के कलंक हैं। लाल टोपी-काले कारनामे को पनपने मत दीजिए। यह लोग षडयंत्र कर रहे हैं, फिर से यूपी को अराजकता में ढकेल देंगे। लोकसभा चुनाव में इनका झूठ एक्सपोज हो गया। इनसे पूछिए कि खटाखट-खटाखट के एक-एक लाख रुपये कहां हैं। चुनाव में इनको सफाचट कर दीजिए। गलत व्यक्ति को प्रश्रय देने से भावी पीढ़ी के भविष्य से खिलवाड़ और वर्तमान पीढ़ी बर्बाद होती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खैर में कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम के जरिए जनता ने जवाब दे दिया कि वह डबल इंजन सरकार को चाहती है। अलीगढ़ के जिस राजा महेंद्र प्रताप सिंह को कांग्रेस ने भुला दिया था, हम लोगों ने उनके नाम पर राज्य विश्वविद्यालय बनाया है। यह विश्वविद्यालय आपकी कई पीढ़ियों को बनाएगा। इसे प्रतिस्पर्धा में लेकर आना है कि राजा महेंद्र सिंह विश्वविद्यालय आगे बढ़ता है या एएमयू। सीएम योगी ने कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्था के रूप में स्थापित करना चाहिए या सामान्य संस्था के रूप में रहना चाहिए। इस पर कल माननीय उच्चतम न्यायालय में बहस हो रही थी। भारत के संसाधनों से पलने और जनता के टैक्स से चलने वाला ऐसा संस्थान, जो पिछड़ी, अनुसूचित जाति या जनजाति के लोगों को आरक्षण नहीं देता है, लेकिन मुसलमानों के लिए स्वयं के माध्यम से 50 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था कर रहे हैं। भारत का संविधान अनुसूचित जाति-जनजाति व मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर पिछड़ी जाति के लोगों को आरक्षण की सुविधा देता है, लेकिन एएमयू में यह सुविधा क्यों नहीं मिल पाती है। जब भारत का पैसा लगा है तो वहां भी इन्हें आरक्षण की सुविधा का लाभ मिलना चाहिए। नौकरी और प्रवेश में भी यह सुविधा मिलनी चाहिए। इसे क्यों बंद किया गया, क्योंकि कांग्रेस-सपा, बसपा नहीं चाहती है। वोटबैंक बचाने के लिए यह लोग आपकी भावना व राष्ट्रीय एकता-अखंडता, अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार है। वहां विधानसभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि कश्मीर में फिर से 370 की बहाली होनी चाहिए। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर नहीं चाहते थे कि भारत के संविधान में धारा 370 जुड़े, लेकिन नेहरू की जिद ने जबर्दस्ती इसे जुड़वाया। कांग्रेस ने कभी भी धारा-370 को हटाने का प्रयास नहीं किया, लेकिन देशहित में पीएम मोदी ने 35 ए व 370 को हटा दिया। इस कारण पांच वर्ष से वहां विकास व सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है। अब कश्मीर में लाखों पर्यटक आते हैं। सीएम ने आरोप मढ़ा कि कश्मीर को फिर से आतंकवाद का गढ़ बनाने के लिए शरारत प्रारंभ हो चुकी है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस जब भी सफल होगी, तब आपको विभाजित करके सफल होगी। इसलिए बंटिए मत, जब बंटे थे तो कटे थे। एक रहेंगे तो नेक और सेफ रहेंगे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर, भगवान विश्वनाथ, मथुरा में कृष्ण कन्हैया की जन्मभूमि का अपमान सामने आया था। हमारी मां-बहन, बेटियों के साथ क्या कुछ नहीं हुआ था। इन सबके बावजूद गांधारी की तरह यदि आंख पर पट्टी बांधकर जाति और स्वार्थ में बंटे हैं तो कटने के सिवाय हमारी दूसरी नियति नहीं हो सकती है।

सीएम योगी ने 2017 के पहले और बाद के यूपी का अंतर बताया। बोले-पहले अलीगढ़ में हर 10 दिन में दंगा व कर्फ्यू लगता था, लेकिन साढ़े सात वर्ष में कोई उपद्रव व गुंडागर्दी की हिम्मत नहीं कर पाया। ऐसे लोगों को मालूम है कि एक तरफ यमराज इंतजार करेंगे तो दूसरी तरफ बाप-दादा की संपत्ति को कब्जे में लेकर गरीबों में बांट दिया जाएगा। अव्यवस्था का आलम यह था कि पीएम आवास के रूप में इंदिरा आवास के नाम पर 20 हजार रुपए आता था, वह भी गांव में किसी एक व्यक्ति को मिलता था। पेंशन भी केवल सपा के लोगों को मिलती थी, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने बिना भेदभाव हर योजनाओं का लाभ दिलाया। कल्याण सिंह ने अलीगढ़ के लिए सपना देखा था, वह साकार हो गया। अलीगढ़ में एयरपोर्ट चालू हो गया है। यह डिफेंस मैन्यूफेक्चरिंग कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हब बन रहा है। हार्डवेयर का सेंटर बना। यहां का ताला उद्योग पुनर्जीवित हो गया है। सीएम योगी ने पूछा कि राजू पाल-उमेश पाल की हत्या होती है तो सपा क्यों मौन रहती है। उमेश पाल की सुरक्षा में लगे निषाद जवान का क्या दोष था। यह लोग अपनी प्रवृत्ति से बाज नहीं आने वाले हैं। यह माफिया व अपराधी प्रवृत्ति के तत्वों और दंगाइयों को गले लगाकर प्रदेश को दंगे की आग में झोंकने का प्रयास करते हैं। कानपुर का दंगाई जेल की सीखचों में है। दलितों व वाल्मीकि समुदाय की जमीन पर कब्जा करने वाला सपा सरकार का पूर्व मंत्री रामपुर जेल में है। सपा उसे निर्दोष मानती है।

जिज्ञासा

रात को क्यों निकलता है चमगादड़

बच्चो, शाम ढलते ही चमगादड़ दिखने लगता है। उन्हें देखकर आपके मन में यह बात जरूर उठती होगी कि आखिर क्या कारण है कि चमगादड़ रात में ही निकलता है, दिन में नहीं?

दरअसल, चमगादड़ के रात में निकलने के दो कारण हैं। रात के समय भोजन के लिए उसे अन्य पक्षियों की अपेक्षा कम मेहनत करनी पड़ती है और आसानी से वह भोजन की व्यवस्था कर लेता है। दूसरी बात कि सांप, उल्लू, बाज और बैट हॉक (एशियन बर्ड) जैसे चमगादड़ को खाने वाले पक्षी दिन के समय सक्रिय रहते हैं। अगर चमगादड़ दिन में निकला, तो उसकी जान की खैर नहीं। ये सारे पक्षी उसका शिकार करने का एक भी मौका नहीं चूकेंगे, और बेचारे चमगादड़ को अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा। दिन में चमगादड़ पेड़ के गुच्छों में या गुफाओं में झूलता रहता है।

मक्खी का दिमाग

एक मधुमक्खी का दिमाग बहुत तेज और चमत्कारी होता है। वह पराग कण इकट्ठे करने में खर्च होने वाली ऊर्जा का सटीक अनुमान लगा सकती है। वह देखकर ही दूरी का अनुमान भी लगा लेती हैं।

तबाही का दूसरा नाम सुनामी

सुनामी जापानी शब्द है, जो सू और नामी से मिल कर बना है सू का अर्थ है- समुद्र तट और नामी का अर्थ है- लहरें। सुनामी लहरें समुद्री तट पर खतरनाक ढंग से हमला करती हैं और जान-माल का बुरी तरह नुकसान कर सकती हैं। अक्सर समुद्री भूकम्पों की वजह से ये तूफान पैदा होते हैं...

समुद्र के भीतर अचानक जब बड़ी तेज हलचल होने लगती है, तो उसमें उफान उठता है, जिससे ऐसी लंबी और बहुत ऊंची लहरों का रेला उठना शुरू हो जाता है, जो जबरदस्त आवेग के साथ आगे बढ़ता है। इन्हीं लहरों के रेले को सुनामी कहते हैं। प्राकृतिक आपदाओं में सुनामी तबाही का दूसरा सबसे बड़ा नाम है।

क्या है सुनामी

दरअसल, सुनामी बहुत बड़ी-बड़ी लहरें होती हैं, जिनकी चौड़ाई सैंकड़ो किलोमीटर तक हो सकती है, यानी इन लहरों के निचले हिस्सों के बीच का फासला सैंकड़ों किलोमीटर का होता है। पर जब ये तट के पास आती हैं, तो लहरों का निचला हिस्सा जमीन को छूने लगता है, इनकी गति कम हो जाती है और ऊंचाई बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब ये तट से टकराती हैं, तो तबाही होती है। इन लहरों की गति 400 किलोमीटर प्रति घंटा तक और ऊंचाई 10 से 17 मीटर तक होती है, यानी पानी की चलती दीवार जैसी दिखती हैं और वह भी खारा पानी।

पहले सुनामी को समुद्र में उठने वाले ज्वार के रूप में भी लिया जाता रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल, समुद्र में लहरें चांद, सूरज और ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से उठती हैं, लेकिन सुनामी लहरें इन आम लहरों से अलग होती हैं। अक्सर समुद्री भूकम्पों की वजह से ये तूफान पैदा होते हैं। प्रशांत महासागर में सुनामी की घटनाएं बहुत आम हैं, पर बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर व अरब सागर में सुनामी आमतौर पर कम ही आती हैं। शायद यही कारण है कि भारतीय भाषाओं में सुनामी के लिए विशिष्ट नाम नहीं है।

इसलिए आती है सुनामी

सुनामी लहरों के पीछे वैसे तो कई कारण होते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा असरदार कारण है भूकंप। इसके अलावा जमीन धंसने, ज्वालामुखी फटने, किसी तरह का विस्फोट होने और कभी- कभी उल्कापात के असर से भी सुनामी लहरें उठती हैं।

भूकंप का प्रभाव

जब कभी भीषण भूकंप की वजह से समुद्र की ऊपरी परत अचानक खिसक कर आगे बढ़ जाती है, तो समुद्र अपनी समांतर स्थिति में ऊपर की तरफ बढ़ने लगता है। जो लहरें उस वक्त बनती हैं, वो सुनामी लहरें होती हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं कि हर भूकंप से सुनामी लहरें बनें। इसके लिए भूकंप का केंद्र समुद्र के अंदर या उसके आसपास ही होना जरूरी है।

तट आगमन पर प्रभाव

जब ये सुनामी लहरें किसी भी महाद्वीप की उस परत के उथले पानी तक पहुंचती हैं, जहां से वो दूसरे महाद्वीप से जुड़ा है और जो कि एक दरार के रूप में देखा जा सकता है। वहां सुनामी लहर की तेजी कम हो जाती है। वो इसलिए, क्योंकि उस जगह दूसरा महाद्वीप भी जुड़ रहा है और वहां धरती की जुड़ी हुई परत की वजह से दरार जैसी जो जगह होती है, वो पानी को अपने अंदर रास्ता देती है। लेकिन उसके बाद भीतर के पानी के साथ मिल कर जब सुनामी किनारे की तरफ बढ़ती है, तो उसमें इतनी तेजी होती है कि वो 30 मीटर तक ऊपर उठ सकती है और उसके रास्ते में चाहे पेड़, जंगल या इमारतें कुछ भी आएं, सभी का सफाया कर देती है।

सुनामी की भविष्यवाणी

सुनामी के बारे में भी अंदाजा नहीं लगा जा सकता था, लेकिन महाकाल रूपी सुनामी का डर अब समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों को ज्यादा नहीं सताएगा। बिना बताए चुपके से अपनी आगोश में समेट लेने वाली इस जानलेवा लहर के बारे में अब पहले से भविष्यवाणी की जा सकेगी। वैज्ञानिकों ने सुनामी की भविष्यवाणी करने और इसकी विनाशता के बारे में पहले से चेताने का एक गणितीय फार्मूला निकाला है। न्यूकासल यूनिवर्सिटी के मैथ्स के प्रोफैसर रॉबिन जॉन्सन की अगुआई में वैज्ञानिकों ने इस फार्मूले को खोजा है। सुनामी के अब तक के रिकॉर्ड और महाद्वीपों की स्थिति को देखकर वैज्ञानिक कुछ अंदाजा भी लगा सकते हैं।

सुनामी का कहर

26 दिसंबर, 2004 को हिंद महासागर के गर्त में 9.15 की तीव्रता वाले भूकंप के कारण आई सुनामी ने भारत सहित दुनिया के कई देशों में भारी तबाही मचाई। सबसे ज्यादा इंडोनेशिया प्रभावित हुआ, सबसे ज्यादा लोग सुमात्रा द्वीप पर मारे गए। समुद्र से आती सुनामी लहरों से अपनी जान बचाने के लिए लाखों मछुआरों ने दूर भागने की कोशिश की, लेकिन पलक झपकते ही तेज लहरों ने उन्हें मौत की आगोश में ले लिया। इस आपदा में ढ़ाई लाख से भी ज्यादा लोगों की जान गई। भारत में सुनामी की वजह से 730,000 लोग विस्थापित हुए। सुनामी की एक 65 फुट ऊंची लहर श्रीलंका में ट्रैक पर चल रही एक ट्रेन को ही बहा ले गई और उसमें सवार 1000 लोग बेमौत मारे गए।

इन्हें है खतरा

धरती की जो प्लेट्स या परतें जहां-जहां मिलती हैं, वहां के आसपास के समुद्र में सुनामी का खतरा ज्यादा होता है। जैसे आस्ट्रेलियाई परत और यूरेशियाई परत जहां मिलती हैं, वहां स्थित है सुमात्रा, जोकि दूसरी तरफ फिलीपीनी परत से जुड़ा हुआ है। सुनामी लहरों का कहर वहां भयंकर रूप में देखा जा रहा है।

ये भी जानें

सूरज के साथ सफर

- कमल का फूल सूर्योदय के साथ खिलता है और शाम होते-होते मुरझा-सा जाता है मानो वह पुन: बंद हो गया हो।
- सूरजमुखी के फूल का मुंह सुबह सूर्य की ओर होता है, दोपहर में ऊपर (सूर्य की ओर) तथा शाम को पश्चिम की ओर होता है।
- अफ्रीका के 'आइवरी कोस्ट' के जंगलों में एक ऐसा वृक्ष होता है, जिसके पत्ते दिन में फैलते हैं और रात को सिकुड़ जाते हैं। रात को बंद पत्तों वाला यह वृक्ष एक फुटबॉल की तरह दिखाई देता है।
- अमेरिका में एक ऐसा वृक्ष भी पाया जाता है, जो हिलने पर मनुष्य के हंसने के समान आवाज करता है।
- भारत में छुई-मुइ का पौधा भी मिलता है। इसे छूते ही इसकी पत्तियां सिमट जाती हैं। हाथ दूर करते ही इसकी पत्तियां पुन: धीरेधीरे खुलने लगती हैं। ये पत्तियां इमली की पत्तियों जैसी होती हैं।
- एक ऐसा वृक्ष भी है, जो अलग-अलग जाति व प्रकार के 14 फूल देता है। इन फूलों के रंग, आकार और प्रकार भी अलग-अलग होते हैं।
- बाज पक्षी अपने पंखों को लगभग नौ फुट तक फैला सकता है।
- उल्लू अपनी गर्दन को लगभग 270 डिग्री तक घुमा सकता है।
- न्यूजीलैंड में पाए जाने वाले पक्षी किवी की नज़र कमजोर होती है, वह केवल 6 फुट की दूरी तक ही देख पाता है।
- आस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला पक्षी ऐमू पत्थर लकड़ी सब हज्म कर जाता है।
- मादा बुलबुल गाती नहीं है, केवल नर ही गाता है।

नॉलेज बाइट

बच्चो, पिछले दिनों क्रिकेट का बुखार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा था। पर यहां हम आपको प्राचीन ओलंपिक खेलों के बारे में बताने लगे हैं। आपको बता दें कि सबसे पहले ओलंपिक खेल ग्रीस के ओलंपिया शहर में खेले गए थे, लेकिन आधुनिक ओलम्पिक खेलों का इतिहास शुरू होता है 1896 से जब एक बार फिर ग्रीस में इन खेलों की शुरुआत हुई। तब से लगातार हर चार साल में इन खेलों का आयोजन होता रहा है, बस 1940 और 1944 को छोड़कर जब ये खेल विश्वयुद्ध के कारण नहीं हो पाए। यह विश्व का सबसे बड़ा खेलों का आयोजन होता है, जिसमें दुनिया के कई देश शामिल होते हैं।

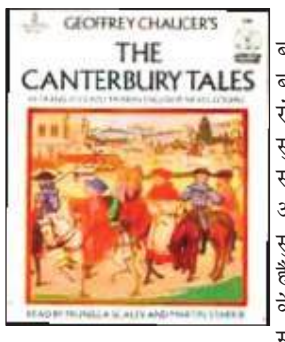

अब किताबों की बात। आपने किताबों के बारे में कई तरह के रोचक तथ्यों के बारे में सुना होगा। सबसे बड़ी, सबसे छोटी किताब आदि के बारे में तो आप सुन चुके होंगे। हो सकता है सबसे महंगी किताब के बारे में भी आपने सुना हो, मगर यहां हम आपको अंग्रेजी के लेखक जैफरी चौसर की लिखी 'कैंटबरी टेल्स' के बारे में बताने लगे हैं। इसे अब तक की सबसे मंहगी पुस्तक माना जा सकता है। सन 1998 में हुई नीलामी में पहले संस्करण की एक प्रति 46 लाख पाउंड में बिकी और इसे खरीदा लंदन के एक पुस्तक विक्रेता मैग्स ब्रदर्स ने। यह पहला संस्करण 1477 में छपा था। प्रतियां थीं सिर्फ एक दर्जन।

अंत में बात शहीद मंगल पांडे की। मंगल पांडेय उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के नागवा गांव के रहने वाले थे। वह ईस्ट इंडिया कंपनी की 34 वीं बंगाल नेटिव इंफैन्ट्री रैजिमैंट की पांचवी कंपनी के सिपाही थे। भारतीय सिपाही एक नई तरह की कारतूस के इस्तेमाल का विरोध कर रहे थे, जिस पर कथित रूप से गाय और सुअर की चर्बी चढ़ी थी। चलाने से पहले इसे मुंह से काटना पड़ता था। इसके विरोध में मंगल पांडेय ने कलकत्ता के निकट, बैरकपुर में एक अंग्रेज अधिकारी पर हमला किया, जिसके बाद उनका कोर्ट मार्शल हुआ और उन्हे फांसी पर लटका दिया गया। इस घटना के बाद अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष की आग ऐसी फैली कि उसने गदर का रूप ले लिया।

दोस्ती हो तो ऐसी

नदन वन में रामू हिरण, मिक्की चूहे और कालू बाज की दोस्ती हो गई। जंगल में जिसे भी पता लगा, उसीने उनका मजाक उड़ाया। भीमू भालू ने तो यहां तक कह दिया, 'यह दोस्ती दो दिन से ज्यादा नहीं चलने वाली। देखना, कालू मिक्की को दोस्ती की आड़ में खा जाएगा।'

रामू हिरण के झुंड के एक सदस्य ने उनका मजाक बनाते हुए कहा, 'कहां तू इतना बड़ा और कहां तेरे छोटे-छोटे दोस्त। बाज तो हमेशा से लालची रहे हैं, वो तुम से क्या दोस्ती निभाएगा। और चूहे जैसे छोटे से जानवर से दोस्ती करके तुम्हें क्या फायदा।'

तीनों की दोस्ती पर हर किसी ने ऐतराज जताया, परन्तु उन्होंने किसी की परवाह नहीं की। तीनों रोजाना सवेरे नदी के किनारे मिलते और मिलकर खेलते। कभी मिक्की रामू के कान में अपनी पूंछ से छेड़छाड़ करता, तो कभी रामू कालू को अपनी पीठ पर घूमाता। इस तरह दिन बीतते गए। एक दिन वन में एक शिकारी आया। उसने शेर को पकड़ने के लिए रात को जाल बिछाया। सवेरे नदी पर पानी पीने निकले रामू हिरण और हिरणों के झुंड का सरदार उसमें फंस गए। सुबह शिकारी अपने बिछाए जाल की ओर निकल पड़ा। उधर, नदी के दूसरे किनारे मिक्की और कालू रामू का इंतजार कर रहे थे। जब बहुत समय बीत जाने के बावजूद रामू नहीं आया, तो मिक्की ने कालू को कहा, 'भाई, तू जाकर देख, कहीं रामू बीमार तो नहीं हो गया। उसने तो आज बहुत देर कर दी, मुझे तो उसकी चिंता हो रही है।'

कालू उड़कर रामू को देखने के लिए निकला। उसने इधर-उधर देखा, पर उसे रामू नजर नहीं आया। तभी उसे रामू केझुंड़ का एक हिरण नजर आया। वह रो रहा था। कालू ने उससे रोने का कारण पूछा, तो उसने बताया, 'कालू, हमारे झुंड़ का सरदार और रामू दोनों शिकारी के जाल में फंस गए हैं।'

हिरण की बात सुनते ही कालू फटाफट उड़कर मिक्की के पास आया और उसे सारी स्थिति के बारे में बताया। मिक्की ने कहा, 'कालू, तुम घबराओ मत। तुम मुझे वह जगह बता दो, जहां रामू शिकारी के जाल में फंसा हुआ है। मैं अभी उसे जाकर बचाता हूं।' 'वह जगह नदी का दूसरा किनारा है, जहां जानवर पानी पीने आते हैं। तुम जब तक वहां पहुंचोगे, वह शिकारी हमारे दोस्त को मार चुका होगा। इस लिए अगर तुम्हें कोई ऐतराज ना हो, तो मैं तुम्हें अपने पंजों से पकड़ कर वहां ले जाता हूं। ऐसे हम जल्दी वहां पहुंच जाएंगे,' कालू ने कहा।

मिक्की को कालू का आईडिया पसंद आया। कालू ने मिक्की को अपने पंजे से पकड़ लिया और उसको लेकर उड़ चला। रास्ते में जितने भी जानवरों ने देखा उन्होंने यही सोचा कि शायद कालू मिक्की को मार कर खाने के लिए ले जा रहा है।

कालू मिक्की को उस जगह ले गया जहां रामू और उसके झुंड़ का सरदार जाल में फंसे हुए थे। मिक्की ने कालू को कहा, 'यार, तू उड़कर यह देख कि कहीं शिकारी तो नही आ रहा है। तुम उस पर नजर रखो, मैं अपने तीखे दांतों से जाल को काट देता हूं।'

मिक्की ने जाल काटना शुरू किया। जाल बहुत बड़ा था और मिक्की अकेला। फिर भी उसने हिम्मत नहीं हारी। उधर जाल में फंसे रामू को सरदार मिक्की के साथ दोस्ती करने के लिए धन्यवाद कर रहा था। उसने मिक्की से कहा, 'मुझे तुम लोगों की दोस्ती पर ऐतराज था, परन्तु तुम लोगों ने आज अपनी सच्ची दोस्ती साबित करके दिखाई है।'

तभी कालू ने वहां आकर कहा, 'मिक्की जल्दी कर, थोड़ी दूरी पर मुझे एक इंसान इधर आता हुआ दिखाई दिया है। लगता है कि वही शिकारी है। मिक्की ने जाल को काटने का काम और तेज कर दिया। मिक्की और कालू को रामू और उसके सरदार की मदद करते हुए देख कर दूसरे जानवर भी उनकी मदद के लिए वहां आ गए।

भीमू भालू ने शिकारी पर अचानक हमला कर दिया। अकस्मात हुए हमले से शिकारी डर गया और वहां से भाग गया। मिक्की ने अपने नुकीले दांतों से जाल को काट दिया और रामू व सरदार को आजाद करवाया। अब सभी उनकी दोस्ती की तारीफ कर रहे थे और कह रहे थे, 'दोस्ती हो तो ऐसी।'

हम बताएं, आप बनाएं

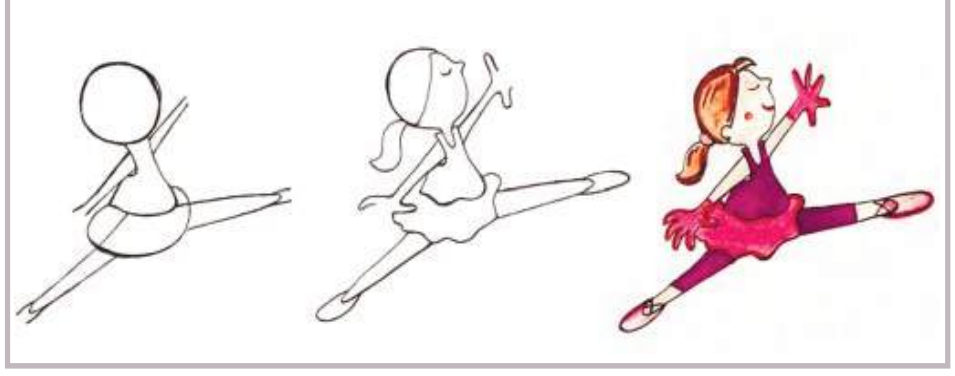

ये हमारा सौरमंडल

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें-

सूर्य- यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)- यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस- (शुक्र ग्रह)- दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी-हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आक्सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव-जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स- (मंगल ग्रह) - मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, क्योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का चक्कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर- (बृहस्पति) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) - सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमैट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस- सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द-गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून- यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

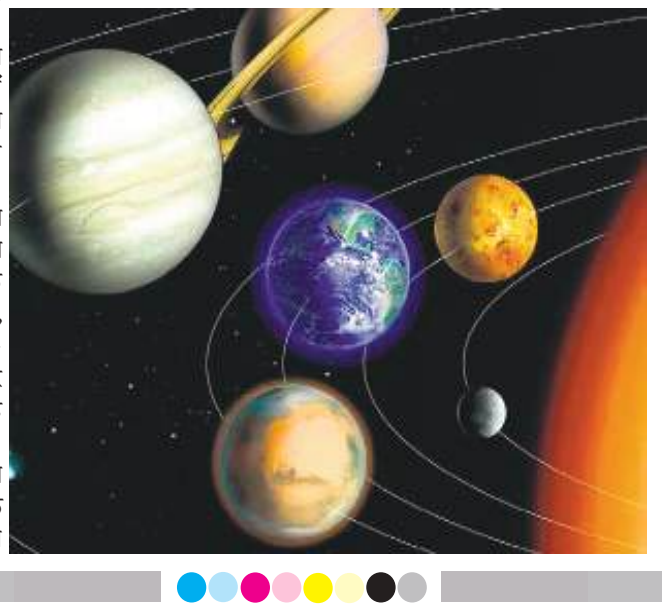

यूएन में भारत का पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब जम्मू-कश्मीर हमारा अभिन्न अंग था, है और रहेगा

वॉशिंगटन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में एक बार फिर पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया है। भारत ने यूएन में साफ कहा है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।

यूएन में भारत की तरफ से ये बात राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कही। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के झूठे प्रोपेगैंडा पर निशाना साधाते हुए कहा कि अपनी हरकतों से पड़ोसी मुल्क तथ्य नहीं बदल सकता। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने हाल ही में अपने लोकतांत्रिक और निर्वाचन के अधिकार का इस्तेमाल किया है और नई सरकार चुनी है। पाकिस्तान को अपनी झूठी बातों से बचना चाहिए क्योंकि इससे तथ्य नहीं बदल जाएंगे।

दरअसल, यूएन महासभा में पीसकीपिंग मिशन्स को लेकर जारी चर्चा के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान की तरफ से की गई टिप्पणियों के जवाब में भारत ने आरओआर (राइट ऑफ रिप्लाई) के विकल्प का इस्तेमाल किया करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने एजेंडे को अनावश्यक रूप से भटकाने की कोशिश की है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में यह लोकतांत्रिक बदलाव सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत विदेश नीति की वजह से संभव हुआ है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की सख्त और स्वीकार्य छवि दिखाता है।

सुधांशु त्रिवेदी उन 12 सांसदों की टीम का हिस्सा हैं, जो यूएन में अलग-अलग मुद्दों पर बैठकों में हिस्सा ले रही है।

बाद में सुधांशु त्रिवेदी ने एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि शांति रक्षा अभियानों पर संयुक्त राष्ट्र में चर्चा के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा विषय पर बोलते हुए विषय को भटकाने की कोशिश की और बेवजह इसका जिक्र किया।

न्यूज ब्रीफ

बीते चार साल में भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत किया : अमेरिकी रक्षा मंत्री

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने बीते चार वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंधों को और विस्तार दिया है। ऑस्टिन ने फ्लोरिडा में कहा, ''हमने नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) को मजबूत किया है। इतना ही नहीं हमारी सरकार ने यूक्रेन को सुरक्षा सहायता देने के लिए 50 देशों पर ध्यान केन्द्रित किया है। बाइडेन सरकार ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी जो काम किए हैं वे काफी लाभदायक हैं।'' ऑस्टिन ने कहा कि बाइडन प्रशासन के तहत भारत और अमेरिका के रिश्ते और बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा, ''हमने देखा कि जापान ने रक्षा क्षेत्र में निवेश दोगुना किया है और यह सूची काफी लंबी होती जा रही है। तब इस प्रकार यूक्रेन को मदद करने तथा इजराइल के अपने क्षेत्र की रक्षा के प्रयासों का समर्थन करने के साथ ही हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भी ध्यान दिया है।

ट्रंप-जेलेंस्की की फोन पर हुई बात, रुस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने के मिल रहे सकारात्मक संकेत

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से पहली बार फोन पर बात की। इस दौरान एलन मस्क भी मौजूद थे। ट्रंप के चुनाव प्रचार के दौरान यूक्रेन को दी जाने वाली आर्थिक मदद का विरोध करने के बाद यूक्रेन चिंतित था, लेकिन इस बातचीत के बाद सकारात्मक संकेत मिले हैं। अभी तक ट्रंप ने रुसी राष्ट्रपति पुतिन से संपर्क नहीं किया है। पुतिन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर ट्रंप कॉल करेंगे, तो वह बात जरुर करेंगे। ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का वादा किया था, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उनका जेलेंस्की से बातचीत इसी दिशा में उठाया गया कदम हो सकता है। इसमें एलन मस्क की मौजूदगी दर्शाती है कि ट्रंप प्रशासन में उनका कितन असर रहेगा। इससे पहले मस्क ने तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोआन से ट्रंप की कॉल में भी भाग लिया था, जिससे उनके बढ़ते प्रभाव का संकेत मिलता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीनों से ट्रंप और जेलेंस्की की टीमों के बीच संवाद चल रहा था। करीब 25 मिनट की कॉल में जेलेंस्की ने ट्रंप को चुनाव में जीत की बधाई दी। ट्रंप ने बातचीत में यूक्रेन के समर्थन का आश्वासन दिया और एलन मस्क ने भी स्टारलिंक उपग्रहों के जरिए से यूक्रेन का समर्थन जारी रखने की बात कही।

भारत-अमेरिका संबंधों के बीच धार्मिक मुद्दे बन सकते हैं टकराव की वजह, ट्रंप ने अपने चुनावी भाषण में ईसाइयत को बढ़ावा देने की कही है बात

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिकी राष्ट्रपति चुने जाने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन पद दी है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में सुधार हुआ था लेकिन इस बार संबंधों में एक नया पहलू सामने आ सकता है, जो दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है जिसमें धर्म का मुद्दा। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषण में ईसाइयत को बढ़ावा देने की बात कही है, जो भारत में संवेदनशील मुद्दा बन सकता है। भारत के लोगों को लगता है कि ईसाई धर्म के समूह जबरन धर्मांतरण कराने में शामिल हैं, जो भारतीय समाज के लिए खतरे के रूप में देखा जा सकता है। अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष बनने वाले जिम रिश ने भी भारत में धार्मिक स्वतंत्रता और चर्चों की फंडिंग पर प्रतिबंधों को लेकर अपनी चिंता जताई है। ट्रंप प्रशासन के दौरान व्हाइट हाउस में कुछ धार्मिक समूहों को बढ़ावा मिल सकता है, जो भारत में चर्च और ईसाई समुदाय के मुद्दों पर एक सशक्त दृष्टिकोण रख सकते हैं। मणिपुर जैसे हाल के संघर्षों में धर्म से जुड़े मुद्दे भी सामने आए हैं, जो अमेरिका को भारत की धार्मिक नीतियों पर विचार करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। भारत की नीति साफ कहती है कि विदेशी वित्तपोषित एनजीओ और धर्मांतरण गतिविधियां भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा है। सरकार का मानना है कि इस तरह की गतिविधियों पर नियंत्रण जरुरी है।

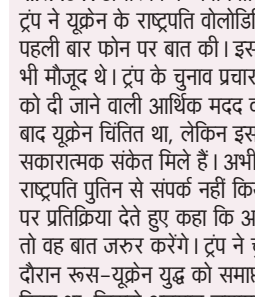

लाहौर में 1 हजार के पार हुआ एक्यूआई घर से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

लाहौर, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान का लाहौर शहर गैस चैंबर बन गया है। यहां एक्यूआई 1 हजार के पार है। लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। दम घुट रहा है और लोगों के फेंफड़े खराब हो रहे हैं। ऐसे में बीमारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदूषण के कारण लोग घर से बाहर निकलने से कतराने लगे हैं, और अस्पतालों में सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। प्रांतीय सरकार और डॉक्टरों ने लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी है। इसके अलावा, पंजाब सरकार ने स्मॉग आपातकाल घोषित कर दिया है और लाहौर तथा अन्य प्रभावित जिलों में 17 नवंबर तक सभी उच्च माध्यमिक शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। पंजाब प्रांत की सरकार ने प्रदूषण की बढ़ती समस्या के मद्देनजर सार्वजनिक और निजी पार्कों, चिड़ियाघरों, ऐतिहासिक स्थानों, संग्रहालयों और मनोरंजन/खेल के मैदानों में लोगों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह आदेश लाहौर में वायु गुणवत्ता के खतरनाक स्तर तक गिरने के बाद जारी किया गया, जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स कई क्षेत्रों में 1000 अंक को पार कर गया, जिससे यह शहर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। पंजाब पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने यह आदेश जारी किया, और इसके महानिदेशक इमरान हामिद शेख ने बताया कि यह प्रतिबंध न केवल लाहौर, बल्कि शेखूपुरा, कसूर, ननकाना साहिब, गुजरांवाला, फैसलाबाद, मुल्तान और अन्य कई जिलों में भी लागू होगा। शेख ने स्पष्ट किया कि जो लोग इस आदेश का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश एक दिन बाद आया, जब लाहौर में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंच गया, जो वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभाव को दर्शाता है। इससे पहले, लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) में एक तीन वर्षीय लड़की ने सरकार के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें धुंध और वायु प्रदूषण के प्रभावों को लेकर न्याय की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि वायु प्रदूषण विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए हानिकारक है और यह सरकार का कर्तव्य है कि वह नागरिकों को एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करे।

भारी दबाव के बाद जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में खालिस्तानियों की मौजूदगी को स्वीकारा

ओटावा। भारत लंबे समय से कहता रहा है कि कनाडा में जस्टिन ट्रूडो की सरकार खालिस्तानियों को संरक्षित कर रही है। अब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की मौजूदगी की बात को स्वीकार किया है। ट्रूडो ने हालांकि कहा कि ये लोग कनाडा में सिख समुदाय का सम्पूर्ण प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। उनका यह बयान भारत के उस रुख को सही ठहराता है जिसमें भारत ने आरोप लगाया था कि कनाडा सरकार खालिस्तानी समर्थक तत्वों को पनाह दे रही है। जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों के बारे में भी कहा। उन्होंने कहा कि कनाडा में खालिस्तान के समर्थक हैं, लेकिन वे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। इसी तरह कनाडा में मोदी सरकार के समर्थक भी हैं, लेकिन वे सभी हिन्दू कनाडाई लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। यह बयान उन्होंने ओटावा के पार्लियामेंट हिल में दिवाली समारोह के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दिया। ट्रूडो के इस बयान से भारत और कनाडा के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव के बीच स्थिति और जटिल हो गई है। तनाव की शुरुआत तब हुई थी जब जस्टिन ट्रूडो ने हर्दीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ होने का आरोप लगाया था। यह घटना 2023 के जून में हुई थी। निज्जर को ब्रिटिश कोलंबिया में एक गुरुद्वारे के बाहर गोलियों से मारा गया था। इससे पहले, सितंबर 2023 में कनाडा और भारत के बीच रिश्ते और भी खराब हो गए थे। कनाडा ने भारतीय उच्चायुक्त को निज्जर की हत्या की जांच में एक रुचि रखने वाला व्यक्ति बताया। इसके जवाब में भारत ने इस आरोप को सख्त तरीके से नकारा और कनाडा के साथ अपने रिश्तों को और अधिक ठंडा कर दिया।

नैन्सी ने डेमोक्रेट्स की चुनावी हार के लिए बाइडेन को दोषी ठहराया

न्यूयॉर्क, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की पूर्व अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने राष्ट्रपति चुनावों में डेमोक्रेटस पार्टी की उम्मीदवार एवं उप राष्ट्रपति कमला हैरिस की चुनाव में हार के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन को दोषी ठहराते हुए कहा कि यदि श्री बाइडेन पहले ही दौड़ से बाहर हो जाते तो डेमोक्रेट्स का प्रदर्शन पांच नवंबर के चुनाव में बेहतर होता। सुश्री पेलोसी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि यदि राष्ट्रपति पहले ही बाहर हो जाते तो दौड़ में अन्य उम्मीदवार भी हो सकते थे।बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार श्री पेलोसी को व्यापक रूप से श्री बाइडेन को बाहर करने के डेमोक्रेट्स के अभियान का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है। श्री बाइडेन डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ खराब बहस के बाद हफ्तों के दबाव के बाद जुलाई के अंत में चुनावी दौड़ से हट गए और उन्होंने तुरंत अपनी जगह लेने के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन किया। सुश्री हैरिस को राष्ट्रपति चुनाव में श्री ट्रम्प से करारी हार का सामना करना पड़ा। सुश्री पेलोसी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया उम्मीद थी कि अगर राष्ट्रपति पद छोड़ देते हैं तो ओपन प्राइमरी होगी। ओपन प्राइमरी में कई डेमोक्रेटिक उम्मीदवार शामिल होते जो श्री बाइडेन के उत्तराधिकारी के रूप में व्हाइट हाउस के उम्मीदवार के रूप में पार्टी के सदस्यों द्वारा चुने जाने के लिए प्रतिस्पर्धा करते।

उन्होंने तर्क दिया कि सुश्री हैरिस ने इस तरह की प्राथमिक प्रक्रिया में अच्छा प्रदर्शन किया होगा और इससे वह आगे बढ़ने के लिए और मजबूत होंगी। लेकिन हम यह नहीं जानते। ऐसा नहीं हुआ। हम जो हुआ उसके साथ जी रहे हैं। मंगलवार को सदन में अपने 20वें कार्यकाल के लिए फिर से चुनी गई कैलिफोर्निया की कांग्रेस की सदस्य कहा और क्योंकि राष्ट्रपति ने तुरंत कमला हैरिस का समर्थन किया इसलिए उस समय प्राइमरी होना लगभग असंभव हो गया।

अगर यह बहुत पहले होता, तो यह अलग होता।राजनीतिक समाचार आउटलेट पोलिटिको से बात करते हुए सुश्री हैरिस के सहयोगियों ने भी श्री बाइडेन को दोषी ठहराया और कहा कि उन्हें पहले ही चुनावी दौड़ से बाहर हो जाना चाहिए था। एक अनाम सहयोगी ने कहा, हमने जो बाइडेन राष्ट्रपति थे उसे देखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ अभियान चलाया। कमला हैरिस और डेमोक्रेट्स की हार का एकमात्र कारण जो बाइडेन हैं। हालांकि बाइडेन के एक पूर्व सहयोगी ने एक अन्य राजनीतिक समाचार आउटलेट एक्सियोस को बताया कि सुश्री हैरिस बहाने बना रही थीं। उन्होंने कहा आपने एक अरब डॉलर कैसे खर्च किए और जीत नहीं पाए। इसी तरह पेंसिल्वेनिया के सीनेटर जॉन फ़ेटरमैन एवं एक डेमोक्रेट ने चुनाव में हार के लिए उन लोगों को दोषी ठहराया जिन्होंने श्री बाइडेन को बाहर करने की साजिश रची।

मैक्सिको में बंदूकधारियों ने की नौसेना के रियर एडमिरल की गोली मारकर हत्या

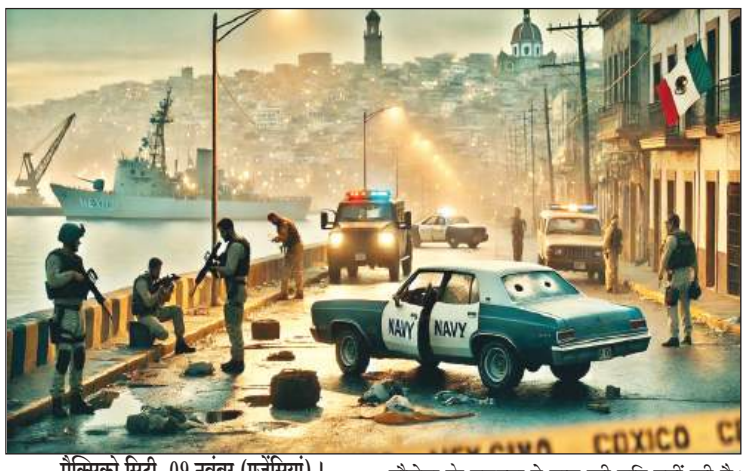

मैक्सिको सिटी, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

मैक्सिको में बंदूकधारियों ने नौसेना के एक 'रियर एडमिरल' की गोली मारकर हत्या की गई। मैक्सिको की नौसेना ने बताया कि बंदरगाह शहर मंजानिलो में हमलावरों ने एक रियर एडमिरल की गोली मारकर हत्या कर दी। रियर एडमिरल नौसेना के सर्वोच्च पद 'फुल एडमिरल' से नीचे का पद है।

रिपोर्ट के मुताबिक नौसेना के अधिकारी का नाम फर्नांडो गुएरेरो अल्कांतार बताया है लेकिन नौसेना के प्रवक्ता ने नाम की पुष्टि नहीं की है। नौसेना ने बताया कि जिस समय अधिकारी पर हमला किया गया तब वह अपने निजी वाहन से यात्रा कर रहे थे। हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। देश में मादक पदार्थों के तस्करों द्वारा उच्च पदस्थ अधिकारियों पर हमले के मामले काफी कम हैं। वर्ष 2013 में बंदूकधारियों ने पड़ोसी राज्य मीचोआकन में वाइस एडमिरल कार्लोस मिगुएल सालाजार की हत्या कर दी थी।

पाकिस्तान : क्वेटा रेलवे स्टेशन पर बम धमाका, 16 की मौत, 30 से अधिक घायल

इस्लामाबाद, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह जोरदार बम धमाके में 16 लोगों की मौत हो गई जबकि 30 से अधिक घायल हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया है। हादसे की जांच की जा रही है।

विस्फोट के समय एक ट्रेन प्लेटफॉर्म से पेशावर के लिए प्रस्थान करने के लिए तैयार थी। रिपोर्ट में क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहम्मद बलूच के हवाले से बताया गया है कि धमाके में 16 लोगों की मौत हुई है और 30 से अधिक घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शुरुआती तौर पर यह घटना आत्मघाती बम धमाके की लगती है लेकिन निश्चित तौर पर अभी कुछ कहना जल्दीबाजी होगी। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

फिलहाल हमले की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है। धमाके के समय स्टेशन पर यात्रियों की काफी भीड़ थी। जाफर एक्सप्रेस स्टेशन से जिस समय रवाना हो रही थी, उसी समय यह धमाका हुआ। धमाके के बाद रेलवे स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह एक हेवी बम ब्लास्ट था। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के इस हिस्से में अक्सर बम धमाके होते रहे हैं। कुछ दिनों पहले भी नॉर्थ वजीरिस्तान में हुए बम धमाके में चार सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी जबकि कई घायल हो गए थे। इसके अलावा खैबर पख्तूनख्वा में एक स्कूल के पास बम धमाका हुआ था जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई थी। इससे कुछ दिन पहले बलूचिस्तान में स्कूल के पास बम धमाका हुआ थास जिसमें पांच स्कूली बच्चों समेत सात की लोगों की मौत हो गई थी जबकि कम से कम 22 लोग घायल हो गए थे।

कतर सरकार ने दी चेतावनी, हमास नेता बिना देर किए छोड़ें देश

अमेरिका ने कतर से हमास को शरण देना बंद करने की अपील की थी

दोहा, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

कतर और अमेरिका के बीच बातचीत के बाद अब कतर ने हमास नेताओं को देश छोड़ने की चेतावनी दी है। हमास के कई प्रमुख नेता कतर की राजधानी दोहा में शरण लिए हुए थे, अब उन्हें वहां से जाने को कहा गया है। कतर सरकार का यह फैसला अमेरिका और कतर के हुई बातचीत का परिणाम है, जिसमें अमेरिका ने कतर से हमास नेताओं को शरण देना बंद करने की अपील की थी। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक हमास एक आतंकवादी समूह है जिसने न केवल अमेरिकी नागरिकों की हत्या की, बल्कि बंधक भी बनाया है और बार-बार बंधकों को रिहा करने के प्रस्तावों को नकारा है। इसके कारण अमेरिका ने कतर से कहा था कि हमास के नेताओं का किसी भी अमेरिकी साझेदार देश की राजधानी में रहना स्वीकार नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए इस समय हमास और इजराइल के बीच संघर्ष को रोकना और युद्धविराम लागू करना सबसे पहली प्राथमिकता है। इस संदर्भ में कतर पर दबाव बढ़ा है, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के बंधक की मौत और हमास द्वारा युद्धविराम प्रस्ताव को नकारे जाने के बाद। अमेरिका ने कतर से आग्रह किया कि वह हमास नेताओं को निष्कासन की धमकी दे, ताकि वे गाजा में युद्ध रोकने के लिए सहमत हों। अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी कतर से कहा था कि अगर हमास गाजा में युद्ध रोकने के लिए सहमत नहीं होता है, तो उसे दोहा से बाहर निकाल दिया जाएगा। हालांकि, कतर ने हमास के नेताओं को देश छोड़ने के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया है। यह कदम कतर और हमास के रिश्तों में दरार डाल बना सकता है। जानकारों का कहना है कि हमास के नेता तुर्की में शरण ले सकते हैं। कतर का यह कदम अमेरिका के रिश्तों में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, क्योंकि कतर ने हमेशा मध्य-पूर्व में तटस्थ रहने की कोशिश की है। अमेरिका से बातचीत के बाद उसे अब अपनी नीति बदलने पर मजबूर होना पड़ रहा है। कतर का यह कदम न केवल कतर और अमेरिका के रिश्तों पर असर डालेगा, बल्कि समग्र मध्य-पूर्वी राजनीति पर भी प्रभाव डाल सकता है, खासतौर से हमास के शरणदाता देशों के रुख और इजराइल-हमास संघर्ष के कूटनीतिक प्रयासों में।

ट्रंप के मामले में अदालत की समयसीमा रद्द

वाशिंगटन। अमेरिका के 2020 राष्ट्रपति चुनाव से जुड़े एक मामले में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने अदालत की शेष समयसीमा शुक्रवार को रद्द कर दी। अधिकारियों ने बताया कि अभियोजकों ने कहा कि उन्हें ट्रंप की इस सप्ताह हुई चुनावी जीत के बाद मामले में आगे बढ़ने के लिए उचित कदम का आकलन करने के लिए समय चाहिए, जिस पर न्यायाधीश ने समयसीमा को रद्द कर दिया। विशेष वकील जैक स्मिथ ने पिछले साल ट्रंप पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने की साजिश रचने और अपने 'मार-ए-लागो एस्टेट' में खुफिया दस्तावेजों को अवैध रूप से रखने का आरोप लगाया था। शुक्रवार को अदालत में दायर एक याचिका में स्मिथ की टीम ने कहा कि उसे ट्रंप की चुनावी जीत के बाद ''इस अभूतपूर्व परिस्थिति का आकलन करने'' और आगे की प्रक्रिया तय करने के लिए समय चाहिए। स्मिथ की टीम ने न्यायाधीश को 2 दिसंबर तक अपने विचारों के परिणाम के बारे में सूचित करने की बात की है।

रन फॉर इन्क्लूजन ने विशेष एथलीटों के समर्थन में हजारों लोगों को जोड़ा

नई दिल्ली, 9 नवंबर (एजेंसियां)।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत (एसओबी) ने एकता और उद्देश्य का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए शनिवार को केंद्रीय सिविल सेवा मैदान, चाणक्यपुरी में रन फॉर इन्क्लूजन का आयोजन किया, जिसमे दिल्ली एनसीआर के 150 शैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों से 7000 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

यह आयोजन आगामी स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बॉची और बोलिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ है, जो 18 नवम्बर 2024 को त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में शुरू होने वाली है।

इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक विशेष एथलीटों ने भाग लिया, जो खेल की एकता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक बने। कार्यक्रम का मुख्य संदेश ईच वन, रीच वन था, जो सभी प्रतिभागियों के बीच एकजुटता और समावेशिता की भावना को बढ़ावा देता है। इस दौड़ की शुरुआत मुख्य अतिथि हर्ष मल्होत्रा,राज्य मंत्री, कार्पोरेट अफेयर्स मंत्रालय और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, ने की, साथ ही सांसद मनोज तिवारी एवं बांसुरी स्वराज और डॉ. मल्लिका नड्डा, अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक्स (एसओ भारत) भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन, निखिल चोपड़ा और क्रिकेट कोच गुरशरण सिंह भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे थे। कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डालते हुए, हर्ष मल्होत्रा ने कहा, मैं स्पेशल ओलंपिक्स भारत और मल्लिका नड्डा का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने इस अद्भुत पहल को आयोजित किया, जहां हम सभी मिलकर समावेशन को बढ़ावा देने के लिए दौड़ते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे विशेष रूप से सक्षम बच्चे समाज में अपना उचित स्थान प्राप्त करें।

यह हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, जो हमारे समाज को स्वस्थ और मजबूत बनाने की दिशा में काम करेगा। मैं रन फॉर इन्क्लूजन के सभी आयोजकों को बधाई देता हूं।

न्यूज ब्रीफ

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग फाइनल में क्रेजिकोवा को हराया

रियाद। चीन की पेरिस ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने शुक्रवार को डब्ल्यूटीए फाइनल्स के

फाइनल में प्रवेश कर लिया हैं। झेंग ने यहां खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा को 6-3, 7-5 से हराया। झेंग ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में पदार्पण करते हुए फाइनल में जगह बनाई और एक अन्य चीनी खिलाड़ी, पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन ली ना के 2013 में सर्वश्रेष्ठ परिणाम की बराबरी की। 22 वर्षीय झेंग का अगला मुकाबला शनिवार को होने वाले फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। बता दें कि क्रेजीकोवा ने कोको गॉफ को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था, जिससे दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्विएतेक जीत दर्ज करने के बावजूद टूर्नामेंट से बाहर हो गईं थीं। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका, झेंग और गॉफ पहली ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थीं।

जान ज़ेलेज़नी के प्रशिक्षण समूह में शामिल होंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली। चेक एथलेटिक्स महासंघ (सीएएस) ने शुक्रवार को कहा कि भारत के भाला फेंक स्टार

नीरज चोपड़ा इस सर्दी में ट्रिपल ओलंपिक चैंपियन जान ज़ेलेज़नी के नेतृत्व में एक प्रशिक्षण समूह में शामिल होंगे। सीएएस ने कहा कि 2021 में टोक्यो में 26 वर्षीय ओलंपिक चैंपियन और इस साल पेरिस के रजत पदक विजेता चोपड़ा ने कई हफ्ते पहले चेक लीजेंड ज़ेलेज़नी से उन्हें कोचिंग देने के लिए कहा था। सीएएस वेबसाइट पर ज़ेलेज़नी ने कहा, इससे मुझे खुशी हुई क्योंकि मैंने कई साल पहले ही उनके करियर की शुरुआत में उन्हें एक महान प्रतिभा के रूप में देखा था। 58 वर्षीय ज़ेलेज़नी, जिन्होंने 1992 में बार्सिलोना में ओलंपिक स्वर्ण, 1996 में अटलांटा और 2000 में सिडनी तथा 1988 में सियोल में रजत पदक जीता था, ने कहा कि वे अगले दो वर्षों तक ही समूह का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा, मैं चोपड़ा के साथ सहयोग शुरू कर रहा हूँ। हम एक-दूसरे को दूर से ही जान रहे हैं, हम दक्षिण अफ्रीका में पारंपरिक शीतकालीन शिविर में ही व्यक्तिगत रूप से शुरुआत करेंगे। हालांकि चोपड़ा के आने से टोक्यो रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वडलेज खुश नहीं हैं। सीएएस ने कहा कि उन्होंने लगभग 14 वर्षों के बाद समूह छोड़ने का फैसला किया है।

तीन साल तक चैंपियनशिप से बाहर रहने के बाद अमर विर्दी को सरे ने किया रिलीज

सरे। ऑफ स्पिनर अमर विर्दी को सरे ने रिलीज कर दिया है, क्योंकि लगातार तीन काउंटी चैंपियनशिप खिताब जीतने के दौरान उन्हें नजरअंदाज किया गया था। 26 वर्षीय विर्दी ने 2018 में सरे के चैंपियनशिप जीतने वाले सीजन में 39 विकेट लिए थे और उस समय उन्हें भविष्य का टेस्ट खिलाड़ी माना जा रहा था, उन्होंने 2016 और 2017 में इंग्लैंड अंडर-19 टीम के लिए खेला था। वह 2020 के कोविड-19 सीजन के दौरान इंग्लैंड के ट्रेनिंग बबल का हिस्सा थे और 2021 की शुरुआत में श्रीलंका और भारत के खिलाफ सीरीज के लिए रिजर्व के तौर पर उपमहाद्वीप का दौरा किया था। मई 2017 में अपने प्रथम श्रेणी के पदार्पण पर, उन्होंने सैम करन, रयान पटेल और ओली पोप के साथ मिलकर इतिहास रच दिया था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से काउंटी के लिए खेलने वाले किशोरों की पहली चौकड़ी है, और इतिहास में केवल पाँचवीं। लेकिन अपने समकालीनों के विपरीत, जिनमें से सभी सरे की पहली इन्द्व में शामिल हो गए हैं, विर्दी के अवसर हाल के वर्षों में कम हो गए हैं, सरे ने अपने स्पिन के बोझ को उठाने के लिए विल जैक्स या डैन लॉरेंस जैसे बल्लेबाजी ऑलराउंडर को प्राथमिकता दी है। विर्दी ने 2024 काउंटी सीज़न के उत्तरार्ध को वॉर्सेस्टरशायर में ऋण पर बिताया, जहाँ उन्होंने चार मैचों में 14 विकेट लिए, जिसमें सितंबर में हैम्पशायर के खिलाफ़ पाँच विकेट शामिल थे। इससे पहले वह 2022 में समरसेट में ऋण पर थे, और सरे के लिए उनका सबसे हालिया चैम्पियनशिप आउटिंग सितंबर 2021 में हुआ था। विर्दी ने कहा, 11 साल की उम्र से ही मैं क्लब का हिस्सा रहा हूं, मैं सरे में बिताए अपने समय को बड़े प्यार से याद करूंगा और मेरे पास क्लब के लिए खेलने की कुछ अविश्वसनीय यादें हैं।

कूच बेहार ट्राफी : मप्र ने दर्ज की उप्र पर 297 रन से जीत

म.प्र. ने जीत के लिए दिया था 475 रन का लक्ष्य, उ.प्र. की टीम दूसरी इनिंग में 177 रन पर सिमटी

15 चौकों की मदद से 104 रन बनाने वाले म.प्र. के रुद्रांश सिंह चुने गए मैन आफ द मैच

बरेली, 9 नवंबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश की टीम ने उ.प्र. को 297 रन से हरा कर श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित कूच बेहार ट्राफी का मैच अपने नाम किया। खेल के चौथे और अंतिम दिन शनिवार को जीत के लिए दिए लक्ष्य 475 रन बनाने उतरे उ.प्र. के बल्लेबाज कल के स्कोर 139 रन को 177 रन तक पहुंचा पाए। नतीजा म.प्र. ने उ.प्र. पर 297 रन से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम किया। 15 चौकों की मदद से 145 गेंदों पर मैच का एकमात्र शतक लगाने वाले म.प्र. के रुद्रांश सिंह को मैन आफ द मैच चुना गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य और एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी दोनों टीमों को अच्छे खेल की बधाई और शुभकामनाएं देने के साथ रुद्रांश को मैन आफ द मैच की ट्राफी प्रदान की।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यू.पी.सी.ए.) के तत्वावधान में बरेली क्रिकेट एसोसिएशन (बी.सी.ए.) की ओर से दूसरी बार श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित कूच बेहार ट्राफी के मैच के चौथे व अंतिम दिन शनिवार को खेल की शुरूआत अक्षु बाजवा और किशन कुमार सिंह ने की। दोनों ने कमजोर गेंदों को तेज तर्रार शाट खेले। चौथे दिन के छठवें ओवर में अक्षु बाजवा को रोहित सिंह ने अपनी ही गेंद पर कैच लेकर आउट किया। आउट होने से पहले अक्षु ने नाजुक मौके पर शानदार पांच छक्के और दो चौकों के साथ 58 गेंदों पर आकर्षक 44 रन बनाए। नौ विकेट गिरने के बाद किशन कुमार ने अंकुर शर्मा के साथ मोर्चा संभाला। लेकिन 11वें और दूसरी इनिंग के 55वे मैच में आयाम सरदाना की गेंद पर मनोज चौहान ने किशन कुमार का कैच लेकर उ.प्र. की अंतिम उम्मीद भी खत्म कर दी। आकर्षक मैच में दूसरी पारी में 15 चौकों की मदद से 145 गेंदों पर शतक लगाने वाले रुद्रांश और 68 रन बनाने वाले यशोवर्धन और 88 रन बनाने वाले अंश की बदौलत म.प्र. ने उ.प्र. को पहाड़ सा लक्ष्य देने में कामयाबी हासिल की।

पिच, मैदान और स्टेडियम की सभी ने की तारीफ, जताया आभार

मैच के समापन समारोह में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य, मैच रैफरी सतीश राजगोपाल, आब्जर्वर गोपाल शर्मा, उत्तर प्रदेश के कप्तान मुहम्मद अमान, मध्य प्रदेश के कप्तान सोहम पटवर्धन और शतक बनाने वाले रुद्रांश सिंह ने पिच, मैदान और श्रीराम मूर्ति स्मारक स्टेडियम की तारीफ की। सभी ने यहां हुए खेल को बेहतरीन अनुभव बताया। एसएसपी अनुराग ने दोनों टीमों के साथ टीमों के स्टाफ और स्टेडियम के सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वास है कि यूपी वालों ने एमपी का पूरा ध्यान रखा होगा। यहां उपलब्ध सुविधाओं को देख कर लगता है कि आपने यहां पर अच्छी क्रिकेट खेली होगी। शानदार ग्राउंड तैयार करने के लिए एसएसपी ने क्रिकेट स्टेडियम के स्टाफ को भी बधाई दी। मैच रैफरी सतीश राजगोपाल दोनों टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब वह यहां आए, यूपी टीम उनकी पसंदीदा थी। लेकिन कुछ कमियों की वजह से यूपी की टीम अपना वास्तविक खेल नहीं दिखा सकी। एमपी ने मौकों का फायदा उठाया और अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के अगले मैचों में भी दोनों टीमें बेहतरीन प्रदर्शन करेंगी। क्योंकि एक मैच में हार-जीत से कोई फर्क नहीं पड़ता। सतीश ने मैदान की तारीफ की और इसे रणजी ट्राफी के आयोजन के लिए उपयुक्त बताया। उन्होंने कहा कि भरोसा है कि वे यहां जल्द ही रणजी ट्राफी मैच होता हुआ देखेंगे।

उत्तर प्रदेश के कप्तान मुहम्मद अमान ने म.प्र. टीम को अच्छे खेल की बधाई दी और कहा कि इस मैच में म.प्र. के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेला और जीत के हकदार बने। उन्होंने अगले मैचों में अच्छा खेलने का भी वादा किया। मध्य प्रदेश के कप्तान सोहम पटवर्धन ने उ.प्र. टीम की खेल भावना की तारीफ की और अगले मैचों में अपनी टीम के प्रदर्शन को बरकरार रखने का वादा किया।

इस मौके पर इंजीनियर सुभाष मेहरा, बीसीए के अध्यक्ष सरफराज वली खां, वाइस प्रेसिडेंट राजन मनोहर, सीनियर सेक्रेटरी ओपी कोहली, ज्वाइंट सेक्रेटरी राहुल कपूर, शहजाद अली, मैच कोआर्डिनेशन कमेटी के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सोवन मोहंती, डा.शोभित सक्सेना, मनीष सिंह, नितिन सक्सेना, अनुज शर्मा, यूसुफ अंसारी, शंकरपाल सहित मैच कोआर्डिनेशन कमेटी के अन्य सभी सदस्य और बीसीए के सदस्य मौजूद रहे।

डब्ल्यूटीटी चैंपियंस फ्रैंकफर्ट : लिन शिदोंग ने मात्सुशिमा को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

फ्रैंकफर्ट, 9 नवंबर (एजेंसियां)।

चीन के उभरते सितारे लिन शिदोंग ने शुक्रवार को डब्ल्यूटीटी चैंपियंस फ्रैंकफर्ट में जापान के सोरा मात्सुशिमा पर 3-1 से जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

लिन ने क्वार्टरफाइनल में शानदार शुरुआत की और पहले गेम में 11-2 से दबदबा बनाया। हालांकि, मैच ने अचानक मोड़ ले लिया क्योंकि मात्सुशिमा ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए लिन को 11-8 से हराकर चौंका दिया।

इस झटके के बावजूद, लिन ने जल्दी ही नियंत्रण हासिल कर लिया और अगले दो गेम में 11-7 और 11-9 से जीत हासिल करके मात्सुशिमा को आगे बढ़ने से रोक दिया।

मैच के बाद लिन ने कहा, उसने (मात्सुशिमा) बहुत अच्छी सर्विस की। मैच जीतना आसान नहीं था, मैं पहले गेम के दौरान पूरी तरह से खेल में नहीं था। इसलिए उसने इसे जल्दी जीत लिया। जब मैं दूसरे गेम में 5-1 से आगे था, तो मैं अच्छा प्रबंधन नहीं कर पाया। मैं अगले दो गेम में बहुत स्पष्ट रणनीति के साथ खेला।

फ्रैंकफर्ट की मौजूदा चैंपियन वांग यिदी ने सुवाग एनर्जी एरिना में अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखा और 11-8, 11-7, 11-8 के स्कोर के साथ महिला एकल क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की शिन यूबिन की उम्मीदों को खत्म करते हुए एक और शानदार जीत दर्ज की।

शीर्ष वरीयता प्राप्त वांग मन्यु ने 11-6, 11-8, 12-10 के सीधे गेम में जीत के साथ अपनी हमवतन कियान तियानयी को महिला एकल स्पर्धा से बाहर कर दिया।

इस बीच, जापान की 16 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिवा हरिमोटो ने चीन की ही झूओजिया से अपनी पिछली हार का बदला ले लिया। चाइना स्मैश 2024 में ही से 3-0 से हारने के बाद, हरिमोटो ने वापसी करते हुए 11-6, 11-9, 6-11 और 11-6 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता : अमेरिका के ऑस्टिन कॉक्स और पोलैंड की जोना कोकट बने विजेता

धर्मशाला,9 नवंबर (एजेंसियां)।

कांगड़ा जिला की विश्वविख्यात बीड़-बिलिंग घाटी में आयोजित पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप शनिवार को सम्पन्न हो गया। वर्ल्ड कप के ओवरऑल वर्ग में अमेरिकी पायलट ऑस्टिन कोक्स और महिला वर्ग में पोलैंड की जोना कोकेट विजेता बनी है। पुरुषों के वर्ग में भारत के स्थानीय पायलट रणजीत सिंह दूसरे जबकि पोलैंड के डामर कैपिटा तीसरे स्थान पर रहे हैं।

गौर हो कि इस बार वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता के विजेता बने ऑस्टिन पिछली बार आयोजित प्री पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप के भी विजेता रहे थे।

उधर महिला वर्ग में पोलैंड की जोना कोकोट पहले ही दिन से प्रथम स्थान और बनी हुई थी और उन्होंने अंतिम दिन तक उस स्थान को बरकरार रखते हुए यह प्रतियोगिता अपने नाम की। वहीं जर्मनी की डरिया अल्टीकवा दूसरे स्थान पर रही।

विजेताओं को मुख्यमंत्री का दौरा रद्द होने के चलते तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने पुरस्कृत किया।

गौरतलब है कि बीड़ बिलिंग में वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता का आयोजन 2 नवंबर से 9 नवंबर तक किया गया। इस बार सात दिनों के टास्क में दो दिन मौसम खराब रहने के चलते टास्क रद्द करने पड़े। बाबजूद इसके इज प्रतियोगिता सम्पन्न हो गई।

टेनिस : उप्र के अनिरुद्ध ने दिल्ली के दक्ष को दी मात

लखनऊ, 09 नवंबर (एजेंसियां)।

आइटा मेन्स एक लाख इनामी टेनिस टूर्नामेंट में क्वालिफाइंग का पहले राउंड के 15 मुकाबले हुए। उन्नाद टेनिस एकेडमी में हुए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने जमकर पसीने बहाये। उप्र के अनिरुद्ध कुमार ने दिल्ली के दक्ष गुप्ता को सीधे मुकाबले में मात दे दी। वहीं तेलंगाना के आठवें वरियता प्राप्त श्रीवांत मुम्मडी ने हरियाणा के आर्यन जाली को हराया।

टेनिस एकेडमी में दोपहर से शुरू हुए मुकाबले में उप्र के अनुरुद्ध कुमार ने दिल्ली के दक्ष गुप्ता को सीधे मुकाबले में 6-3, 6-1 से हरा दिया। वहीं दिल्ली के द्वितीय वरियता प्राप्त सार्थक सुडेन ने उप्र के अक्षत माल को 6-3, 6-2 से हरा दिया। वहीं बिहार के अभिषेक सिंह ने उप्र के शौर्य सिंह को 7-6, 6-2 से हरा दिया। उप्र के ध्रुव शर्मा ने मध्य प्रदेश के चौथे वरियता प्राप्त उत्कर्ष मिश्रा को सीधे मुकाबले में 6-1, 6-1 से मात दे दी। वहीं उप्र के पांचवें वरियता प्राप्त सौरभ कुमार सिंह ने उप्र के अभिषेक यादव को 6-1, 6-1 से हराया। कर्नाटक के निथिलान किनद्रविला ने उप्र के शोभित टंडन को सीधे मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर अगले राउंड के लिए जगह बना ली। उप्र के वंशराज जलोटा ने आंध्र प्रदेश के छठें वरियता प्राप्त राहुल कृष्णा को 7-5, 6-3 से हरा दिया। तेलंगाना के राजेश्वर पटोला ने उप्र के अनुज कुमार को सीधे मुकाबले में 6-3, 6-0 से मात दे दी। तेलंगाना के नियांत बद्रीनारायण ने उप्र के विवेक चंद्रा को 6-0, 6-0 से हरा दिया। उप्र के फैज अली किदवई ने मेहर खोसला को कड़े मुकाबले में 6-7, 7-5, 10-8 से मात दे दी। तेलंगाना के श्रीवांत ने हरियाणा के आर्यन को सीधे मुकाबले में 6-0, 7-5 से हराया।

हरमनप्रीत, श्रीजेश ने एफआईएच पुरस्कार जीतने पर किया आभार व्यक्त, कहा- यह स्वप्निल वर्ष

मस्कट, 9 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने शुक्रवार को मस्कट, ओमान में एक शानदार समारोह में भारतीय हॉकी प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें क्रमशः एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड और एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर अवार्ड जीतने के लिए वोट दिया।

दोनों ने कहा कि 2024 एक विशेष वर्ष है क्योंकि हॉकी इंडिया लीग को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जो उनका मानना है कि 2028 एलए ओलंपिक में पदक का रंग बदलने के उनके प्रयास में सही दिशा है।

हरमनप्रीत सिंह ने कहा, मुझे सच में लगता है कि यह भारतीय हॉकी के लिए आने वाली कई अच्छी चीजों की शुरुआत है। हम सभी हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत का इंतजार कर रहे थे और मेरा मानना है कि हमारे ओलंपिक प्रदर्शन ने पेरिस में इस बड़ी जीत के बाद कई हितधारकों की दिलचस्पी दिखाने के साथ पहल को आगे बढ़ाया। हम एफआईएच स्टार अवार्ड्स में हमारा समर्थन करने और हॉकी इंडिया लीग को पुनर्जीवित करने के उनके प्रयासों के लिए हॉकी इंडिया के आभारी हैं। आधुनिक हॉकी में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैगफ्लिकर माने जाने वाले हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक खेलों में अपनी टीम के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने टीम को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाया था, जिससे देश ने 52 वर्षों में पहली बार लगातार दो ओलंपिक पदक जीते थे। उन्होंने ओलंपिक खेलों में 10 गोल किए। उन्होंने कहा, ओलंपिक पदक और उसके बाद घर पर जश्न मनाने के साथ यह वास्तव में एक यादगार वर्ष रहा है। मैं अपनी पत्नी और बेटी के सामने यह पुरस्कार पाकर बहुत खुश हूं, जो एफआईएच स्टार अवार्ड्स में समारोह में शामिल होने के लिए मस्कट आई थीं। यह उन कट्टर भारतीय हॉकी प्रशंसकों के समर्थन के बिना संभव नहीं हो सकता था, जिन्होंने मैदान पर हमारे सबसे अच्छे और बुरे दिनों में हमारा साथ दिया है। हरमनप्रीत ने इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में दो मौकों पर एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है। उन्हें कुल 63.84 प्रतिशत वोट मिले, जिसमें प्रशंसकों से 13.57 प्रतिशत, मीडिया से 15 प्रतिशत, विशेषज्ञ पैनल से 40 प्रतिशत और राष्ट्रीय संघ से 15.27 प्रतिशत वोट शामिल थे। यह नीदरलैंड के जूप डी मोल को मिले 16.10 प्रतिशत से कहीं ज़्यादा था। इस बीच, पेरिस ओलंपिक खेलों में अपने संन्यास की घोषणा करने वाले पीआर श्रीजेश ने 2024-25 में एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर अवार्ड जीता, जिससे यह उनकी हैट्रिक बन गई। पेरिस में जीता गया ऐतिहासिक कांस्य पदक उनके साथियों द्वारा विधिवत उन्हें समर्पित किया गया। उन्होंने इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में यह पुरस्कार जीता था। श्रीजेश ने उच्चतम स्तर पर हॉकी को अलविदा कहा, एक अविश्वसनीय ओलंपिक अभियान को एक साथ रखा, जिसमें ग्रेट ब्रिटेन पर भारत की क्वार्टर फाइनल जीत में एक विशाल प्रदर्शन शामिल था, जहां उन्होंने अधिकांश मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेला था। श्रीजेश को प्रिमरिन ब्लाक के मुकाबले कुल 62.22 प्रतिशत वोट मिले, उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक सपने जैसा साल रहा है। मैं ओलंपिक के बाद प्राप्त प्रशंसाओं से बेहतर विदाई उपहार नहीं मांग सकता था और यह सबसे विशेष पुरस्कारों में से एक है, क्योंकि इसे विभिन्न शैलियों से वोट के आधार पर प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा, मैं हॉकी इंडिया को उन सभी समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ जो मैंने इतने सालों तक हॉकी खेलते हुए दिए हैं। मुझे उम्मीद है कि प्रशंसकों का यह प्यार और प्रशंसा जारी रहेगी क्योंकि मैं एसजी पाइपर्स के निदेशक और संरक्षक के रूप में अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू कर रहा हूँ। मैं वास्तव में इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ।

आरबीआई ने साउथ इंडियन बैंक पर 59.20 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली,09 नवंबर (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने साउथ इंडियन बैंक पर 59.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बैंक पर ये जुर्माना 'जमा पर ब्याज दर' और 'बैंकों में ग्राहक सेवा' पर कुछ निर्देशों के अनुपालन में खामी की वजह से लगाया है।

आरबीआई ने जारी एक बयान में बताया कि साउथ इंडियन बैंक पर जमा पर ब्याज दर और ग्राहक सेवा से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के लिए 59.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

बैंक नियामक ने जांच में पाया कि बैंक ने कुछ ग्राहकों को बिना उचित सूचना के अकाउंट में न्यूनतम शेष राशि न रखने और कुछ एनआरई बचत खातों पर गलत तरीके से ग्रहणाधिकार अंकित करने के लिए दंडित किया है।

रिजर्व बैंक ने बैंक की 31 मार्च, 2023 तक वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए एक वैधानिक निरीक्षण किया था। आरबीआई के निर्देशों और संबंधित पत्राचार के गैर-अनुपालन के आधार पर साउथ इंडियन बैंक को एक नोटिस भी जारी किया था। केंद्रीय बैंक के नोटिस पर बैंक के जवाब तथा व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान दिए गए मौखिक प्रस्तुतीकरणों पर विचार के बाद आरबीआई ने बैंक के विरुद्ध लगाए आरोप को सत्य पाने के बाद मौद्रिक जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने कहा कि बैंक पर यह जुर्माना वैधानिक और नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंक के द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई प्रभाव डालना नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ला का मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर के पार, एलन मस्क की कंपनियों को ट्रंप की जीत से फायदा मिलने की उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डॉनल्ड ट्रंप जीत के बाद उनके समर्थन में खुलकर उतरे एलन मस्क को बड़ा फायदा होता दिख रहा है। टेस्ला का बाजार मूल्य 1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पार कर गया, जो बहुत सालों बाद हुआ। एलन मस्क की कंपनियों को ट्रंप की जीत से फायदा मिलने की उम्मीद है। टेस्ला की शेयरों में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे कंपनी का मूल्यांकन 1 ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर गया। यह वृद्धि 230 बिलियन डॉलर से अधिक की है, जो कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीएफआरए रिसर्च के एक इक्विटी विश्लेषक के अनुसार टेस्ला और एलन मस्क शायद चुनाव परिणाम के बाद सबसे बड़े विजेता होंगे। उनका मानना है कि ट्रंप की जीत से टेस्ला की स्वचालित ड्राइविंग तकनीक के विनियमक अनुमोदन में मदद कर सकती है। अरबपति टेस्ला की योजना के अनुसार स्वचालित वाहनों के अनुकूल विनियमन के लिए दबाव डाल सकते हैं। मस्क ने स्व-चालित वाहन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया है, जो आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है। टेस्ला ने तिमाही लाभ मार्जिन में वृद्धि की और महत्वपूर्ण योजनाएं बताई। इस सबके चलते कंपनी की मूल्यांकन में उछाल आया और उम्मीद है कि एलन मस्क के नेतृत्व में टेस्ला नए ऊंचाइयों को छूएगा।

हर्षवर्धन अग्रवाल फिक्की के अध्यक्ष निर्वाचित, 21 नवंबर को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े उद्योग निकाय भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने हर्षवर्धन

अग्रवाल को नया अध्यक्ष चुना है। उद्योग निकाय फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक (एनईसीएम) में हर्षवर्धन अग्रवाल अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। वे 21 नवंबर को 97वीं वार्षिक आम बैठक के समापन पर अपना कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उद्योग संगठन ने बताया है कि इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन अग्रवाल को 2024-25 के लिए उद्योग मंडल फिक्की का अध्यक्ष चुना गया है। अग्रवाल 21 नवंबर को राजधानी नई दिल्ली में आयोजित होने वाली फिक्की की 97वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के समापन पर महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक और मौजूदा अध्यक्ष डॉ. अनीश शाह की जगह लेंगे। उल्लेखनीय है कि हर्षवर्धन अग्रवाल 3.1 अरब अमेरिकी डॉलर के विविध व्यवसाय समूह इमामी के दूसरी पीढ़ी के नेता हैं। उन्हें 2016 में द इकोनॉमिक टाइम्स और स्पेंसर स्टुअर्ट द्वारा प्रतिष्ठित अंडर 40 सूची में भारत के सबसे हॉट यंग बिजनेस लीडर के रूप में सम्मानित किया गया था। वे अपने व्यापक बहु-कार्यात्मक ज्ञान और अनुभव के साथ अग्रवाल समूह इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में एफएमसीजी व्यवसाय का नेतृत्व करते हैं। हर्षवर्धन अग्रवाल एक कुशल रणनीतिकार, विविध इमामी समूह के रणनीतिक थिंक-टैंक के एक प्रमुख सदस्य भी हैं, जो संगठन के विकास को आगे बढ़ाते हैं।

वेदांता का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही बढ़कर 4,352 करोड़ हुआ, पिछले साल की इसी अवधि में 1,783 करोड़ का घाटा दर्ज किया गया था

नई दिल्ली। माइनिंग सेक्टर की प्रमुख कंपनी वेदांता का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 4,352 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में 1,783 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया गया था। कंपनी के ऑपरेशन से प्राप्त रेवेन्यू (टॉपलाइन) में 3.4 फीसदी की गिरावट आई है और यह : 37,634 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 38,945 करोड़ रुपए । ऑपरेशनल मोर्चे पर एबिडिटा में सालाना आधार पर 14.4 फीसदी की गिरावट आई है। सितंबर तिमाही में यह 9,828 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 11,479 करोड़ रुपए था।

ट्रंप की जीत व फेडरल की कटौती से भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी

भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई तेजी सकारात्मक संकेत

मुंबई,09 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत और सत्ता में वापसी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती के चलते भारतीय शेयर बाजार में कंसोलिडेशन जारी रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव आया, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) और उच्च नेटवर्थ व्यक्ति (एचएनआई) ने बाजार को समर्थन दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक शेयर बाजार की वर्तमान स्थिति विशेष रूप से अत्यधिक मूल्यांकन वाले क्षेत्रों में कंसोलिडेशन (समेकन) की प्रक्रिया को दर्शाती है। एफआईआई की बिक्री के बावजूद भारतीय शेयर बाजार लचीला बना है क्योंकि घरेलू निवेशकों ने गिरावट को सहन किया और बाजार को मजबूत किया। अक्टूबर में डीआईआई ने भारतीय इक्विटी में 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया, जिससे भारतीय शेयर बाजार अपने वैश्विक समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। भारत की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई तेजी सकारात्मक संकेत है। विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी आम चुनावों के बाद सरकारी खर्चों में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में कॉर्पोरेट आय में सुधार हो सकता है। तीसरी तिमाही में त्योहारी सीजन के कारण खपत में तेजी आ सकती है, जो बाजार की धारणा को सकारात्मक दिशा में प्रभावित कर सकता है। वैश्विक स्तर पर ट्रंप की वापसी ने राजनीतिक अनिश्चितता को कम किया है, जिससे वैश्विक बाजारों को राहत मिली है। इसके साथ ही फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती से भी बाजार में स्थिरता आई। अक्टूबर में एफआईआई द्वारा 113,858 करोड़ रुपए की बिकवाली के बाद नवंबर में एफआईआई ने अब तक 19,849 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची है।

शुल्क कार्गो सेवा प्रदाताओं के लिए माल के लिए बीमा अवधि, लाइसेंस नियमों में छूट

नई दिल्ली। सरकार ने पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने के लिए कई मुख्य कदम उठाये हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने सीमा शुल्क कार्गो सेवा प्रदाताओं के लिए कई छूटों की घोषणा की है। इसके अलावा वित्त मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि सीमा शुल्क क्षेत्र के अंतर्गत भंडारण वस्तुओं के बीमा की अवधि को मामूली संख्या के दिनों के लिए कम किया जाए। इस निर्णय से सीसीएसपी को सीमा शुल्क क्षेत्रों में संग्रहित वस्तुओं का 5 दिनों के लिए बीमा करने की आवश्यकता होगी, जो न केवल व्यवसायिक सुविधाओं को बढ़ावा देगा बल्कि नकदी प्रवाह में वृद्धि भी सुनिश्चित करेगा। यह नए उद्यमों को प्रवाहित वित्त पहुंचाने में मदद मिलेगी और देश की अर्थव्यवस्था को नया ऊँचाई देगी। इस प्रकार, सरकार ने एक और कदम उठाकर व्यापारिक लोगों को वित्तीय तनाव से राहत देने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

मेडिकल डिवाइस आत्मनिर्भर बनाने को सरकार ने लांच की 500 करोड़ की योजना

नई दिल्ली,09 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने भारत के चिकित्सा उपकरण उद्योग को मजबूत प्रदान करने के लिए 500 करोड़ रुपये की योजना को प्रारंभ किया है। इस योजना का उददेश्य मुख्य घटकों और सहायक उपकरणों का निर्माण, कौशल विकास, क्लिनिकल स्टडीज का समर्थन, सामान्य इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास और उद्योग को बढ़ाने पर होगा। बताया जा रहा है कि इस योजना का शुरुआती बजट 500 करोड़ रुपये होगा, जो तीन साल तक के लिए है और वित्तीय वर्ष 2026-27 तक चलेगा।

इस योजना में पांच घटक शामिल हैं, जिनमें मेडिकल डिवाइस क्लस्टर्स के लिए सामान्य सुविधाएं, क्षमता निर्माण और कौशल विकास, आयात निर्भरता को कम करने के लिए एक सीमित निवेश योजना, क्लिनिकल स्टडीज का समर्थन और एक मेडिकल डिवाइस प्रमोशन योजना शामिल हैं।

इस योजना के तहत, भारत में लगभग 20 मेडिकल डिवाइस क्लस्टर्स के लिए शोध और विकास लैब्स, डिजाइन और टेस्टिंग सेंटर और पशुओं के लैब्स जैसी सामान्य सुविधाओं का निर्माण करके इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए 110 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें टेस्टिंग सेंटरों को बढ़ना भी शामिल होगा। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सामान्य सुविधाओं के लिए 20 करोड़ रुपये और टेस्टिंग सुविधाओं के लिए 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। इसी तरह मेडिकल डिवाइसों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख घटकों और कच्चे माल के उत्पादन को प्रोत्साहित करके वैल्यू चेन को बढ़ाने के लिए सीमांत निवेश योजना के लिए 180 करोड़ रुपये की रूपरेखा तैयार की गई है, जिससे आयात निर्भरता कम होगी। यह उप-योजना 10-20 प्रतिशत की एकमुश्त पूंजी सब्सिडी प्रदान करती है, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति परियोजना 10 करोड़ रुपये है।

बजट तीन साल तक है और वित्तीय वर्ष 2026-27 तक चलेगा

सरकार चिकित्सा उपकरणों की क्लिनिकल स्टडीज के लिए 100 करोड़ रुपये की सहायता योजना भी प्रदान करेगी, जिससे डेवलपर्स और निर्माताओं को पशु अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करने और सफल होने पर मेडटेक उत्पादों को मान्य करने के लिए मानव परीक्षणों के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाया जा सकेगा। जबकि इस सेक्टर में कौशल विकास के लिए 100 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, मेडिकल डिवाइस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त 10 करोड़ रुपये का उपयोग किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दलितों और...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुसूचित जाति समुदाय से एकजुट रहने का आह्वान किया और चेताया कि कांग्रेस उनके बीच मतभेद और विभाजन का फायदा उठाना चाहती है।

अगर आप एकजुट नहीं रहे और अपनी जातियों में विभाजित हो गए, तो कांग्रेस इसका फायदा उठाएगी और दलित समुदाय के अधिकार छीन लेगी। पीएम मोदी ने कांग्रेस समेत पूरे एमवीए पर हमलावर होते हुए कहा कि कांग्रेस और एमवीए एससी समुदाय को कमजोर करके अपनी सरकार बनाने की जुगत में है।

भाजपा के रहते ...

अमित शाह ने कहा कि हम यहां राज्य में भाजपा की सरकार लाने की अपील करने आए हैं , क्योंकि मौजूदा राज्य सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी की सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। उन्होंने कहा कि क्या किसी ने कभी 300 करोड़ रुपए एक साथ देखे हैं? कांग्रेस के एक सांसद के घर से 300 करोड़ रुपए से अधिक जब्त किए गए। उन्होंने पैसे गिनने के लिए करीब 27 मशीनें लाई गईं, लेकिन इतनी बड़ी रकम गिनने के बाद वे मशीनें थक गईं। आलमगीर आलम राज्य सरकार में मंत्री थे। यहां तक कि उनके पीए के घर से 30 करोड़ रुपए जब्त किए गए, लेकिन न तो हेमंत सोरेन और न ही कांग्रेस ने उनका कुछ किया।

अमित शाह ने कहा कि यह पैसा आपका है, यह झारखंड के युवाओं और गरीबों का है, जिसे ये कांग्रेसी खा गए। अगर आप राज्य में भाजपा की सरकार बनाते हैं, तो हम भ्रष्ट लोगों को सलाखों के पीछे डाल देंगे।

भारत में...

मेहता ने कहा कि वे भारत में छह और ट्रंप टावर विकसित करेंगे, जिनमें से एक मुंबई, पुणे, गुरुग्राम, बेंगलुरु, हैदराबाद और नोएडा में होगा।

वर्तमान में मुंबई, पुणे, गुड़गांव और कोलकाता में चार ऐसी ऊंची-ऊंची आलीशान ट्रंप सम्पत्तियां हैं। आने वाले महीनों में छह और ट्रंप टावर की लॉन्चिंग के साथ, भारत में ट्रंप की ऊंची-ऊंची इमारतों की संख्या सबसे अधिक होगी, जो संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल जाएगी। मेहता ने कहा, अमेरिका के बाहर भारत में ट्रंप टावरों की सबसे अधिक संख्या है। छह और लॉन्च के साथ, भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक हो जाएगी।

छह नई परियोजनाओं में ट्रिबेका सह-डेवलपर होगी और यह एक स्थानीय डेवलपर के साथ साझेदारी करेगी। मेहता ने कहा, भूमि साझेदार की होगी, डिजाइन और उत्पाद विनिर्देश, ग्राहक प्रबंधन ट्रिबेका द्वारा देखा जाएगा। गुरुग्राम में पहले से ही लॉन्च की गई परियोजना में, उन्होंने कहा कि प्रति यूनिट कीमत प्रतिस्पर्धियों की तुलना में लगभग दोगुनी है, और बाजार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम परियोजना की प्रति यूनिट कीमत पिछले तीन सालों में दोगुनी हो चुकी है। प्रति वर्ग फीट कीमत 15500-16000 रुपए थी, जो बढ़कर 33,000 रुपए हो गई है। पूरी यूनिट में, वे 6-11 करोड़ रुपए से बढ़कर अब 11-24 करोड़ रुपए हो गए हैं। उन्होंने कहा, भारत में लग्जरी रियल एस्टेट का बाजार तेजी से बढ़ रहा है और मांग भी जोरदार रही है। उन्होंने कहा कि भारत में लग्जरी रियल एस्टेट अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर है। ट्रंप परियोजना के लिए भारत से बाहर की योजनाओं पर, मेहता ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि उनकी कंपनी ट्रंप होटल के लिए एक पड़ोसी द्वीप देश की सरकार के साथ बातचीत कर रही है।

प्रियंका गांधी...

से अलग एक इकाई है। जम्मू और कश्मीर में जमात-ए-इस्लामी इकाई यूएपीए के तहत प्रतिबंधित है।

सीएम विजयन ने कहा, जम्मू-कश्मीर में जमात हमेशा से चुनावों के खिलाफ रही है, लेकिन हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में वे भाजपा के पक्ष में खड़े थे, उन्होंने उस सीट पर पूरा ध्यान लगाया जहां सीपीआई (एम) नेता युसुफ तारिगामी चुनाव लड़ रहे थे।

इसका क्या कारण है? तारिगामी को क्यों हराना चाहते थे? यही भाजपा और चरमपंथी भी चाहते थे। सीएम विजयन ने कहा, कभी-कभी यहां केरल में जमात-ए-इस्लामी के लोग कहते हैं कि वे जम्मू-कश्मीर के जमात-ए-इस्लामी से अलग हैं। लेकिन जमात की एक ही नीति है, जो इस्लामी दुनिया की स्थापना है। वे किसी भी तरह की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को स्वीकार नहीं करते।

यही उनकी विचारधारा है और अब वे यूडीएफ (केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन) की मदद करना चाहते हैं। जमात-ए-इस्लामी के जरिए से एक चरमपंथी समूह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग में प्रभाव हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

जल्दी ही सम्पूर्ण...

बीदर का किला, इब्राहिम रौजा आदि हैं। कुल 53 स्मारकों में से 43 को तो 2005 में ही वक्फ बोर्ड ने क्लेम कर दिया था। उसका कहना था कि ये वक्फ की सम्पत्ति है। खास बात ये है कि उक्त सभी स्मारकों को भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) के द्वारा संरक्षित किया गया है।

बावजूद इसके खुद को मिली असीमित शक्तियों का बेजा इस्तेमाल करते हुए वक्फ बोर्ड इन सभी को अपना बता रहा है। देश के विभिन्न राज्यों के वक्फ बोर्डों का मुँह सुरसा की फैलता जा रहा है। कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने अब राज्य के ऐतिहासिक बीदर किले के अंदर स्थित 17 स्मारकों को अपनी सम्पत्ति के रूप में चिन्हित किया है। ये सम्पत्तियाँ किले के प्रमुख स्थलों में से शामिल हैं। यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएलआई) के तहत है। जबकि एएसआई को इसकी जानकारी नहीं है। इससे पहले कर्नाटक वक्फ बोर्ड विजयपुर के किसानों की 1200 एकड़ (लगभग 2000 बीघा) जमीन पर अपना हक जता चुका है। इसको लेकर किसानों को नोटिस भी जारी किया गया है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस...

प्रमुख दलों को आपसी संवाद और सहमति से काम करना जरूरी है। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ पत्रकार राजू केरनी का कहना है कि केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार के इस पहले विधानसभा सत्र को ऐतिहासिक माना जा रहा था, लेकिन पूरे सत्र में जनता से जुड़े मुद्दों पर कोई गंभीर चर्चा होती नहीं दिखी है।

नेकां ने अपने चुनावी वादों को पूरे करने के लिए अनुच्छेद 370 और 35 ए को पीछे छोड़कर विशेष दर्जे का प्रस्ताव पारित करवाकर कश्मीर की अवाम के सामने अपना काम पूरा करने का दावा किया है, जबकि भाजपा ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपना एजेंडा बना लिया है जो नेकां के प्रस्ताव में शामिल ही नहीं है। उधर, पीडीपी ने भी स्मार्ट चाल खेलकर अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली का प्रस्ताव लाकर कश्मीर में अपनी खोई हुई जमीन को बचाने की कोशिश की है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अनुच्छेद 370 के मुद्दे ने दोनों संभागों में एक बार फिर खाई गहरी करने का काम किया है।

चूंकि दोनों संभागों के भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक परिदृश्य अलग हैं, ऐसे में दोनों संभागों में सोच और विचारधारा का भी अलग होना लाजमी है। विधानसभा का असली उद्देश्य जनता के हितों को सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

ऐसे में ऐसे संवेदनशील मुद्दों को परे रखते हुए वास्तविक मुद्दों पर सरकार और विपक्ष को गंभीरता से सोचना चाहिए। इसके लिए दोनों पक्षों में आपसी संवाद जरूरी है। जम्मू और कश्मीर के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य को देखते हुए केंद्र सरकार को असाधारण स्थिति के समाधान के लिए भी असाधारण होना पड़ेगा।

इसका एकमात्र समाधान है कि जम्मू को कश्मीर से अलग किया जाए और कश्मीर को चंडीगढ़ जैसा केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए।

श्रीकृष्ण की किस लीला से जुड़ा है गोपाष्टमी का पर्व

गोपाष्टमी का पर्व गायों को समर्पित पर्व है, जिसे कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। खासतौर पर वृंदावन, मथुरा और बृज जैसे क्षेत्रों के लिए यह प्रमुख त्योहार है। हिंदू धर्म और शास्त्रों में भी गाय को देवी-देवता समान पूजनीय माना जाता है। गायों की पूजा और सेवा से कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

श्रीकृष्ण की सभी लीलाओं में गोपाष्टमी को आनंदमय, अद्भुत और महत्वपूर्ण लीला माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार कार्तिक शुक्ल की अष्टमी तिथि के दिन ही सबसे पहली बार नंद महाराज ने अपने कान्हा और बलराम को पहली बार गाय चराने के लिए भेजा था। इसलिए हर साल इस तिथि पर गोपाष्टमी मनाई जाती है। इस साल गोपाष्टमी आज शनिवार, 9 नवंबर 2024 को है।

कृष्ण की किस लीला से जुड़ा है गोपाष्टमी पर्व

पौराणिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण जब छह वर्ष के हुए तो उसने मैया यशोदा से कहा- मैया अब में बड़ा हो गया हूं। मैं गाय-बछड़ों को चराना चाहता हूं। वे बार-बार गाय चराने की जिद्द करने लगे। अपने लड्डू गोपाल के हठ के आगे आखिरकार मैया को हार माननी पड़ी।

यशोदा मैया ने नंद बाबा को गाय चराने के मुहूर्त के लिए शांडिल्य ऋषि के पास भेजा। जिस दिन नंद बाबा शांडिल्य ऋषि के पास गए और आश्चर्य की बात यह रही कि इसी दिन गाय चराने की शुभ मुहूर्त भी था। इसके बाद कार्तिक शुक्ल की अष्टमी तिथि से कृष्ण ने गौ-चरण लीला शुरू की।

गोपाष्टमी पर क्या करते हैं

गोपाष्टमी के दिन लोग अपने गाय-बछड़ों का स्नान कर उन्हें वस्त्र-आभूषण पहनाकर सजाते हैं। रोली-चंदन का तिलक लगाकर फूल, माला अर्पित की जाती है।

साथ ही दीप भी जलाया जाता है। गायों को हरी खास खिलाकर उनकी परिक्रमा की जाती है। इस दिन ग्वालों को यथाशक्ति दान-दक्षिणा देना चाहिए। गोपाष्टमी के पूजन से घर पर सुख-शांति, समृद्धि और धन-संपदा का आगमन होता है।

गौमाता में सभी देवों और देवियों का निवास है

गोमय वसते लक्ष्मी
गोमूत्रे सर्व मंगला (पद्म पुराण 1.48.164)

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार गाय में सभी देवों और देवियों का निवास है। नंदी भगवान शिव के प्रियतम हैं। अपने कृष्ण अवतार में श्री हरि ने गोपाल के रूप में अपना जीवन गायों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। गोपाष्टमी वह दिन है जब उन्होंने गाय चराने वाले के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। यह अकारण नहीं है कि युगों-युगों तक भारतवर्ष में सभी महापुरुषों ने गौवंश का पालन-पोषण और संरक्षण किया है। पांडवों ने गौवंश की रक्षा के लिए विराटनगर का युद्ध लड़ा और 14 वर्ष का वनवास जोखिम में डाला। अर्जुन ने गौवंश की रक्षा के लिए वनवास चुना। सुरभि गाय के चोरी हो जाने पर परशुराम जी ने सहस्र अर्जुन से कई युद्ध किए। राजा कौशिक के ब्रह्मर्षि विश्वामित्र बनने का कारण कामधेनु गाय बनी।

गौ माता के अस्तित्व में कुछ ऐसा अद्भुत है जो इन्हें विशेष बनाता है। धेनु सदनं रयेनाम् - अथर्ववेद 11.1.34 में कहा गया है कि गाय सभी लाभों का भंडार है। च्यवन ऋषि ने अपने जीवन का मूल्य एक गाय के बराबर आंका। देशी गाय के दूध से निकला हुआ घी देवलोक के पोषण हेतु यज्ञ में आवश्यक सामग्री है। ऐसा कहा जाता है कि यदि आप नियमित रूप से गौमाता को चारा खिलाते हैं और वे यदि आपके सिर को चाटती हैं तो आपकी छिपी हुई मानसिक क्षमताएं फलीभूत होती हैं । यह महान संत कबीर के लिए सच था, उनकी काव्यात्मक क्षमताएं केवल तभी प्रकट हुईं जब गौमाता ने उनके सिर को चाटा। दुनिया भर में गौवंश के साथ बातचीत के लाभों को स्वीकार किया जा रहा है। पश्चिम में गौमाता को गले लगाना एक तेजी से लोकप्रिय उपचार बनता जा रहा है। इसने काव कडलिंग कहा जाता है।

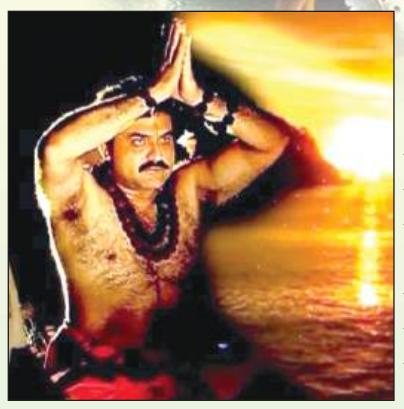

माना जाता है कि गोधूलि की बेला में जब शाम को चरने के बाद गायें घर लौटती हैं तो उनके खुरों से उड़ने वाली धूल गौवंश की सेवा करने वाले व्यक्ति को सभी बीमारियों से छुटकारा दिलाती है।

आज के आधुनिक युग और समय में भी ध्यान फाउंडेशन ने अपने 45 से अधिक गौशालाओं के माध्यम से देश भर में गौवंश का पोषण और सुरक्षा करके हमारे पूर्वजों की विरासत और ज्ञान को संरक्षित किया है। इन गौशाला में ज्यादातर बूढ़े, परित्यक्त, अनाथ, बीमार, घायल, अनुत्पादक गौवंश को पुर्नवासित किया गया है। इन्हें पुलिस और सीमा सुरक्षा बलों ने तस्करी से बचाया है। गौमाता जैसे अद्भुत जीव का आशीर्वाद पाने के लिए गोपाष्टमी के शुभ मुहूर्त में इन गौशालाओं में यज्ञ और गो पूजा आयोजित की जाएगी।

-अश्विनी गुरुजी

घर में सुख समृद्धि और वैभव के लिए लगाएं कामधेनु गाय की मूर्ति

घर को सुंदर बनाने के लिए लोग अपने घर में तरह तरह के शो-पीस और तस्वीरें आदि लगाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सजावट के रूप में इस्तेमाल होने वाली चीजों का संबंध व्यक्ति के जीवन से जुड़ा होता है। घर या फिर कार्यक्षेत्र में लगाई जाने वाली ये तस्वीरें यदि वास्तु के हिसाब से शुभ हों तो आपके जीवन में सकारात्मकता लाती हैं। वहीं घर में लगाई जाने वाली कुछ तस्वीरे आपके ऊपर नकारात्मक प्रभाव भी डाल सकती हैं। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि वास्तु में ऐसी कई शुभ अशुभ चीजों के बारे में विस्तार से बताया गया गया है। ऐसी ही एक चीज है कामधेनु गाय की मूर्ति। वास्तु के अनुसार, घर में कामधेनु गाय की मूर्ति लगाना शुभ माना गया है। ऐसी मान्यता है कि घर में सही दिशा में कामधेनु गाय की मूर्ति रखने से घर में सुख, समृद्धि और वैभव आता है। साथ ही परिवार के सदस्य हमेशा खुशहाल जीवन जीते हैं।

पूर्वोत्तर दिशा में लगाएं कामधेनु गाय की मूर्ति

यदि आप कामधेनु गाय की मूर्ति घर पर लगाना चाहते हैं, तो ईशान कोण यानी पूर्वोत्तर दिशा में लगाएं। हिंदू धर्म में मान्यता है कि इस दिशा में देवी देवताओं का वास होता है। साथ ही इसे सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। ऐसे में इस दिशा में कामधेनु गाय की मूर्ति लगाना आपके लिए शुभ होगा।

पूजा घर में रखें कामधेनु गाय की मूर्ति

कामधेनु गाय की मूर्ति को आप पूजा घर में स्थापित कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर के मुख्य दरवाजे पर भी इस मूर्ति को स्थापित कर सकते हैं।

धातु की मूर्ति घर में लगाएं

घर में कामधेनु गाय की प्रतिमा किसी भी धातु में लगाई जा सकती है। यदि आप धातु की मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो सामान्य कामधेनु की तस्वीर भी लगा सकते हैं।

कामधेनु गाय की मूर्ति से लाभ

मान्यता है कि कामधेनु गाय की कृपा जिस पर बनी रहती है, उस घर के सदस्य कभी भी आर्थिक संकट से नहीं जूझते हैं। वास्तु के अनुसार कामधेनु गाय में मां दुर्गा, मां लक्ष्मी और देवी सरस्वती के गुण मौजूद होते हैं। ऐसे में कामधेनु गाय की तस्वीर लगाने से भी कई लाभ मिलते हैं।

शनि देव 15 नंवबर से इन राशि वालों की उड़ा देंगे नींद

अभी से शुरु कर दें शनि के उपाय

शनि मार्गी 15 नवंबर 2024 को शाम 05 बजकर 9 मिनट पर कुंभ राशि में मार्गी होंगे। शनि के मार्गी होते ही इसका नकारात्मक असर कुछ राशियों पर देखने को मिलेगा, इन्हें आर्थिक के साथ मानसिक और शारीरिक कष्ट भी सेहने पड़ सकते हैं।

नवंबर में शनि के मार्गी होने के बाद कन्या, मीन, सिंह और कर्क राशि वालों को संभलकर रहना होगा। इन राशियों पर मार्गी शनि के अशुभ प्रभाव पड़ेंगे। शनि के दुष्प्रभाव से बचने के लिए रोजाना शनि के मंत्रों का जाप करें। ॐ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का 108 बार जप करें। शनि चालीसा का पाठ करने से शनि के प्रकोप से मुक्ति मिलती है। मार्गी शनि जिन राशियों को पर बुरा प्रभाव डालेंगे। वह शनिवार के दिन आर्थिक समस्याओं से बचने के लिए काली माता मन्दिर में लोहे का त्रिशूल दान कर सकते हैं। इसके अलावा यह त्रिशूल शिव मंदिर में भी दान किया जा सकता है।

गरीबों की सेवा करने से कौन सा ग्रह अशुभ होने के बाद भी देने लगता है शुभ फल

शनि गरीब एवं जरुरतमंद लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में जो लोग गरीब, विकलांग, वृद्ध और जरुरतमंद व्यक्तियों की सेवा और उनके साथ अच्छा व्यवहार करते हैं उन्हें शनि के शुभ परिणाम मिलता है। गरीब की मानसिक, आर्थिक रूप से मदद करने पर कुंडली में शनि ग्रह मजबूत होता है। तरक्की के रास्ते खुलते हैं और धन आगमन नहीं रुकता। शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से मुक्ति पाना है तो सप्ताह के किसी भी दिन खासकर शनिवार को मंदिर के बाहर बैठे, राह चलते जरुरतमंद, आपके घर में काम करने वाले लोगों की यथाशक्ति मदद करें। उन्हें अन्न, धन, वस्त्र दान दें। इस उपाय से शनि देव प्रसन्न होते हैं। मान्यता है इससे संतान प्राप्ति में आ रही अड़चने दूर होती है। व्यक्ति वैवाहिक जीवन में भी खुशहाली पाता है। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए गरीबों को काले तिल से बने मिष्ठान, सरसों का तेल दान करना चाहिए। शनि देव की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए शनिवार की शाम पीपल वृक्ष की तीन बार परिक्रमा करें। सरसों के तेल का दीपक लगाकर शनि चालीसा का पाठ करें और जरुरतमंदों को मीठा दान करें।

शनि मार्गी होने के बाद घर के नजदीक किसी शनि मन्दिर में सरसों का तेल जरूर अर्पित करे और इस दिन पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें व दीया जलाएं। ये उपाय आर्थिक संकट से बचाता है। शिव और हनुमान जी की पूजा रोजाना करें। इससे शनि प्रसन्न होते हैं और शनि के कष्टों से मुक्ति मिलती है। शिवलिंग पर रोजाना एक लौटा जल चढ़ाएं और हनुमान जी को मंगलवार के दिन चोला चढ़ाएं।

जानें कार्तिक पूर्णिमा पर शालिग्राम और तुलसी पूजा का क्या महत्व है

कार्तिक पूर्णिमा के दिन शालिग्राम के साथ ही तुलसी जी की पूजा की जाती है। इस दिन तुलसी पूजन का बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन तीर्थ पूजा, गंगा पूजा, विष्णु पूजा, लक्ष्मी पूजा और यज्ञ और हवन का भी बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन किए हुए स्नान, दान, होम, यज्ञ और उपासना का अनंत फल होता है। इस दिन तुलसी के सामने दीपक जरूर जलाएं। जिससे आपके मनोकामना पूरी हो और दरिद्रता दूर हो सके।

जरूरतमंदों को करें दान

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ। अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन दान करने से दस यज्ञों के समान फल प्राप्त होता है। इस दिन दान का बहुत अधिक महत्व होता है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन अपनी क्षमता अनुसार अन्न दान, वस्त्र दान और अन्य जो भी दान कर सकते हों वह जरूर करें। इससे घर परिवार में धन-समृद्धि और बरकत बनी रहती है।

भगवान शिव बने थे त्रिपुरारी

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक महाबलशाली असुर का वध इसी दिन किया था। इससे देवताओं को इस दानव के अत्यानचारों से मुक्ति मिली और देवताओं ने खुश होकर भगवान शिव को त्रिपुरारी नाम दिया।

विष्णु जी का प्रथम अवतार

भगवान विष्णुव का प्रथम अवतार भी इसी दिन हुआ था। प्रथम अवतार के रूप में भगवान विष्णुष मत्स्य यानी मछली के रूप में प्रकट हुए थे। इस दिन सत्यमनारायण भगवान की कथा करवाकर जातकों को शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

कार्तिक पूर्णिमा पर तिल स्नान से मिलेगी शनि दोषों से राहत

कार्तिक पूर्णिमा पर तिल जल में डालकर स्नान करने से शनि दोष समाप्त होंगे। खासकर शनि की साढ़ेसाती। वही कुंडली में पितृ दोष, चांडाल दोष, नदी दोष की स्थिति यदि है तो उसमें भी शीघ्र लाभ होगा।

राशि अनुसार आपको किन चीजों का दान करना चाहिए

मेष	गुड़	वृश्चिकृ	गुड़ और चना
वृष	गर्म कपड़े	धनु	गर्म खाने की
मिथुन	मूंग की दाल		चीजें, जैसे बाजरा
कर्क	चावल	मकर	कंबल
सिंह	गेहूं	कुंभ	काली उड़द की दाल
कन्या	हरे रंग का चारा	मीन	हल्दी और
तुला	भोजन		बेसन की मिठाई

भूल भुलैया 3 ने पार किया 150 करोड़ रुपए का आंकड़ा

कार्तिक आर्यन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 को ठीक एक सप्ताह पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।पहले दिन से ही फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से इसकी कमाई में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।कामकाजी दिनों में फिल्म का हर गुजरते दिन के साथ घटता जा रहा है। अब भूल भुलैया 3 की कमाई के छठे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल भुलैया 3 ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले गुरुवार को 9.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 158.25 करोड़ रुपये हो गया है।भूल भुलैया 3 में कार्तिक की जोड़ी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जा रहा है।

दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।भूल भुलैया 3 के निर्देशक अनीस बाज्मी हैं। छोटे पंडित के रूप में राजपाल यादव, पंडिताइन के रोल में अश्विनी कालसेकर और बड़े पंडित के किरदार में संजय मिश्रा की तिकड़ी दर्शकों का जमकर मनोरंजन कर रही है।भूल भुलैया 3 2007 में आई फिल्म भूल भुलैया का तीसरा भाग है। इस फिल्म का सीक्वल 2022 में आया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।निर्देशन बज्मी ने इस फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त पर मुहर लगा दी है।

अलाया एफ ने शॉर्ट आउटफिट में कराया हॉट फोटोशूट

एक्ट्रेस अलाया एफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे शॉर्ट आउटफिट में नजर आ रही हैं। इस फोटोशूट में अलाया ने सफेद काउच पर किलर पोज दिए हैं, जिससे उनके फैंस काफी प्रभावित हो रहे हैं। तस्वीरों में उनका लाइट मेकअप और खास अंदाज में बंधे हुए बाल उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। अलाया का यह बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, और फैंस इन तस्वीरों पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।अभिनेत्री अलाया एफ की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी बोल्ड और सेंसुअस अदाओं का जलवा इंटरनेट पर बिखेरती रहती हैं। हालांकि एक बार फिर अलाया एफ की लेटेस्ट हॉट फोटोज देख कर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस अलाया एफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान एक बार फिर बेबाकि से कैमरे के सामने अपने हुस्न का जादू चलाया है।उनका मुड़कर पोज देते हुए कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज से देखना फैंस के दिलों पर खंजर चला रहा है।अलाया एफ का यह स्टाइलिश अवतार उनके फैशन सेंस और आत्मविश्वास को दर्शाता है। फैंस ने उनकी तारीफ में लिखा कि उनकी हॉटनेस ने वाकई सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है।अलाया एफ के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो एक्ट्रेस ने सैफ अली खान की फिल्म जवानी जानेमन से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

पुष्पा 2 का ट्रेलर हो रहा लोड, फिल्म से आया अल्लू अर्जुन-फहाद फासिल का धांसू पोस्टर

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 एक महीने बाद 5 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है। फैंस को पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार है, इसी बीच मेकर्स भी इस फैस की एक्साइटमेंट को बरकरार रखना चाहते हैं। वे एक के बाद एक अपडेट फिल्म से शेयर कर रहे हैं हाल ही में मेकर्स ने एक धांसू पोस्टर शेयर किया है। जिसमें फिल्म के हीरो अल्लू अर्जुन और विलेन फहद फासिल नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा- पुष्पा द रूल के लिए एक महीना बाकी है। खुद को तैयार रखें - साल की सबसे बड़ी भारतीय फिल्म एक महीने में सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार है। ट्रेलर जल्द ही धमाका करेगा।पुष्पा 2 से नया पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने अनाउंस किया कि जल्द ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फिल्म की टीम नवंबर में शुरू होने वाले 6 शहरों के बड़े दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है। अल्लू अर्जुन 15 नवंबर से पटना, कोच्चि, चैन्नई, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद का दौरा करेंगे। इन 6 शहरों का दौरा 15 नवंबर के आसपास एक मेगा ट्रेलर लॉन्च इवेंट के साथ शुरू होगा। अगर सबकुछ प्लान के मुताबिक रहा तो ट्रेलर लॉन्च इवेंट पटना में होगा।देखा जाए तो बाहुबली 2 के बाद पुष्पा 2 भारतीय सिनेमा का सबसे चर्चित सीक्वल है, और उम्मीद है कि फिल्म कमाई में भी रिकॉर्ड तोड़ेगी। अगर आने वाले 30 दिनों में सब कुछ ठीक रहा, तो पुष्पा 2 अब तक की सबसे बड़ी ओपनर के साथ-साथ भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर हिंदी में नई ऊंचाइयां छू सकती है। फिलहाल दर्शक ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं। बता दें पहले पुष्पा 6 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह 5 दिसंबर को सिनेमा घरों में धमाका करने के लिए तैयार है।दिवाली के मौके पर सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने अपने नए पुष्पा 2: द रूल पोस्टर के साथ आतिशबाजी शुरू कर दी है, जिसे फैंस के साथ दिवाली मनाने के लिए शेयर किया गया है। पोस्टर में अल्लू अर्जुन अपने पुष्पा राज के किरदार में और रश्मिका अपने श्रीवल्ली अवतार में नजर आ रही हैं। बैकग्राउंड में लग रहा है कि दोनों किचन में हैं और एक-दूसरे की आंखों में देख रहे हैं। नए पोस्टर के आने के साथ ही फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गया है। नए पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा- हैप्पी दिवाली।

विक्की कौशल की छावा की रिलीज टली अब पुष्पा 2: द रूल से नहीं होगा सामना

पिछले लंबे समय से विक्की कौशल अपनी फिल्म छावा को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान लक्ष्मण उतेकर ने संभाली है।इस फिल्म में विक्की की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है।यह फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब खबर आ रही है कि निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज टाल दी है।आइए जानते हैं निर्माताओं ने यह फैसला क्यों लिया है।रिपोर्ट के मुताबिक, छावा अब अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान जल्द किया जाएगा।ऐसा कहा जा रहा है कि निर्माताओं ने अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 के साथ टकराव से बचने के लिए यह फैसला लिया है।यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में भी रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं।छावा में विक्की महान मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं।इस फिल्म में अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा और दिव्या दत्ता जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।फिल्म की टीजर पहले ही सामने आ चुका है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला।हाल ही में विक्की और रश्मिका ने मुंबई में 700 बैकग्राउंड डांसर्स के साथ फिल्म का एक खास गाना शूट किया है।

द राजा साहब संग तेलुगू फिल्मों में डेब्यू करेंगी मालविका मोहनन

बोलीं- प्रभास से बेहतर कुछ नहीं

तमिल सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्री मालविका मोहनन अब तेलुगू फिल्म में डेब्यू को तैयार हैं। मालविका बाहुबली स्टार प्रभास संग नजर आएंगी।मालविका मोहनन द राजा साहब के साथ तेलुगू फिल्मों में डेब्यू के लिए तैयार हैं। द राजा साहब के बारे में मालविका ने कहा सुपरस्टार प्रभास से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। मालविका ने कहा यह मेरी तेलुगू डेब्यू है और मैंने इसके लिए लंबे समय तक इंतजार किया है। अभिनेत्री ने कहा कि मैं चाहती थी कि तेलुगू इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए मेरे पास सही फिल्म आए। उन्होंने आगे कहा मुझे लगता है कि प्रभास सर से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है।रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म द राजा साहबळ के बारे में अभिनेत्री ने कहा बहुत मजेदार फिल्म है, जो दर्शकों को काफी पसंद आने वाला है। मोहनन ने कहा यह हल्की-फुल्की फिल्म है और दर्शकों को आकर्षित करेगी, हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभिनेत्री ने कहा द राजा साहब अगले साल अप्रैल में रिलीज हो सकती है, दर्शकों के साथ मैं भी फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हूं।मालविका मोहनन इन दिनों सरदार 2ळ की शूटिंग में व्यस्त हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभिनेत्री ने फिल्म की एक झलक साझा की। उन्होंने दो तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह एक्शन सीन्स के लिए तैयार होती देखी जा सकती हैं।पोस्ट में मालविका एक स्टंट के लिए तैयार नजर आईं। अभिनेत्री ने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा और बताया कि चुनौतीपूर्ण सीन्स की शूटिंग कैसे होती है। मालविका ने लिखा सरदार 2ळ के लिए कुछ चुनौतीपूर्ण स्टंट सीक्वेंस शूट किए और सोचा कि मैं आप लोगों को दिखाऊं कि हम अपने कॉस्ट्यूम के अंदर जो बचाव के लिए हार्नेस पहनते हैं वह कैसा दिखता है।थंगालान के कुछ सीन्स के लिए मुझे पहले रस्सी पर काम करना बहुत मुश्किल और कठिन लगता था, लेकिन अब ट्रेनिंग के साथ यह आसान हो गया है।अभिनेत्री ने बताया मुझे हाल ही में 100 मीटर की ऊंचाई से कूदना पड़ा, जो मजेदार नहीं था। उन्होंने आगे बताया मुझे अब इसमें महारत हासिल है और जब आप तकनीकी और शॉट सही तरीके से करते हैं तो यह बहुत ही रोमांचक हो जाता है। लास्ट में उन्होंने मजेदार अंदाज में कहा लड़कों को ही सारा मजा क्यों मिलना चाहिए!

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिलाजुला रहेगा कही काम बनेंगे कही दिक्कतें आंएगी मिश्रित परिणाम रहेगे. आमदनी ठीक रहेगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर विराम लगाने में आप सफल नहीं हो पाएंगे. दिन-प्रतिदिन के कार्य सुचारू रूप से चलते रहेंगे. कुछ भी काम करने से पहले पर्याप्त पूछताछ करें. काम के लिए लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. गृहस्थी मे हल्का सा तनाव बनेगा लेकिन दिन बदलते ही शान्ति का अनुभव होगा स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन खुशहाल और बहतर रहेगा । छात्रों का पढाई के प्रति मन आकृष्ट होगा। जीवनसाथी के करियर में बदलाव आने से घर में खुशी का माहौल बने-गा.नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा.आप अपने काम में सफल भी हों-गे.माता-पिता का सहयोग भी बना रहेगा.शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे.किसी अपने से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है.आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं.गाय को गेहूँ गुड खिलाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज काम का ओवरलोड रहेगा थकावट ज्यादा रहेगी परन्तु काम करने की ताकत और बातचीत बेहतर रहेगी. नए विचार दिमाग में आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए समय पहले से अच्छा हो सकता है. यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं. घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें. दाम्पत्य जीवन सुखमय रहे-गा.बच्चों के साथ कहीं यात्रा होगी मौसमी बिमारी से सावधानी जरुरी हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज नयी योजना को मूर्तरुप देना उचित होगा भविष्य मे लाभदायक होगी।
अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इए आज का दिन शुभ है, भाग्य आपका पक्ष लेगा और आपके रुके हुए कार्य प्रगति करेंगे. आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ अतिरिक्त प्रयासों के साथ एक पुराना दिया गया ऋण भी वापिस प्राप्त कर सकते हैं. कोई भी निवेश करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें. विरोधियों को आप परास्त करेंगे आप की ईच्छा शक्ति बलवान रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज छात्रों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे .आपको अपने काम पर पूरा फोकस रखना चाहिए. ऑफिस के किसी काम में आपको अधिक समय लग सकता है. कारोबार में आपको धन लाभ हो सकते हैं.किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा को बदल सकती है.आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं.किसी भी जरुरी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए, शिवमंत्र का जप करें चमेली का दीप प्रज्वलित करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ पुराने मामले सुलझ सकते है परन्तु पहल आप को ही करनी पडेगी . जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है. सरकारी क्षेत्र के अटके कार्य फिर से चल पड़ेंगे. खर्च थोड़ा संभल कर करें. आज आप काम में अधिक व्यस्त रहें. इससे आपको शारीरिक थकान रहेगी. शाम के वक्त पार्क मे ठहलने के लिए निकले बॉडी को रिलैक्स फील होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जांएगे अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए आज अच्छा दिन है. पारिवारिक आय में सुधार होगा और बच्चे प्रत्येक दिशा मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे. परिवार में कुछ सुखद घटनाएं घट सकती हैं. माता की संपत्ति के पक्ष में कानूनी मुद्दे कुछ गति प्राप्त कर सकते हैं. व्यापार में हालात सामान्य रहेंगे. आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है किसी नए व्यक्ति के साथ यात्रा का योग नही हैं भोजन करते समय मौन रहें आप के स्वास्थ्य के लिए जरुरी हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कार्यालय मे माहौल खुशनुमा रहेगा आज के कुछ जरूरी काम पूरे हो सकते हैं.आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा.जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है. आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी.आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं.आपका सामाजिक दायरा अचानक बहुत बढ़ जायेगा.आसपास के लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी. आपको व्यवसाय में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है.दैनिक कार्यों से कुछ समय मिलेगा असहाय लोगों को जरुरत की वस्तु की सेवा करें आत्मीय शान्ति होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन और बुद्धि को स्वच्छ रखें इष्ट मंत्र का जप करें गजब का उत्साह देखने को मिलेगा. अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना सबसे अच्छा हो-गा.अगर आप कलाकार हैं तो अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे. घर और काम पर दबाव रहेगा क्रोध और बेचैन बना सकता है. अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव न डालें. यह इसके लिए सही समय नहीं है. आज सुबह पौधों को जल सींचे तुलसी के पास दीप जलाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सुबह माता-पिता का आशीर्वाद लेकर निकले सफलता निकट होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. आप भौतिक सुखों पर व्यय कर सकते हैं. आपकी भाषा शैली काफ़ी प्रभावशाली रहेगी. आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे. परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा. इस अवधि में आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे. आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढ़ेगी. व्यापार का विस्तार भी हो सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. जी-वनसाथी के साथ आनंददायी समय बीतेगा, बच्चों पर अधिक दबाव मत बनाए कुछ छूट देना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप पीपल वृक्ष का रोपण करें वंशवृद्धि होगी । आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा.जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं.आपको किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा.अधि-कारियों से आपको मदद मिलेगी.आप व्यापार में किसी से साझेदारी कर सकते हैं. परिवार वालों का हंसी-मजाक घर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा.गौशाला मे बच्चों के साथ जाए अपने हाथों से सेवा करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को बहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक तला हुआ अधिक मीठा भोजन का त्याग करना होगा । कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का साथ मिलेगा. शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी. आप को मित्रों के रुके हुए काम अपनी क्षमता पर पूरे करने पड़ेंगे रिश्ता और मजबूर होगा।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 10 नवंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक, शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 09:03 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 11:00 तक
योग : ध्रुव रात्रि 01:41 तक
करण : बालव प्रातः 09:59 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आंवला नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विपक्ष के बहकावे में न आएं किसान : सीएम सैनी

चंडीगढ़, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

कथित रूप से डीएपी न मिलने से परेशान एक किसान की आत्महत्या की घटना के कारण कांग्रेस के हमलों के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को किसानों से अनुरोध किया कि वह विपक्ष के बहकावे में न आएं और अफवाहों पर ध्यान न दें और दावा किया कि उनकी सरकार प्रदेश में डीएपी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

श्री सैनी ने यहां जारी बयान में कहा कि आज के दिन डीएपी का स्टॉक 23,118 टन विभिन्न जिलों में उपलब्ध है। अगले दो से तीन दिनों के भीतर राज्य के विभिन्न जिलों में 9,172 टन और डीएपी प्राप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने खाद की उपलब्धता के लिए पुख्ता इंतजाम किये हैं और आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता किसानों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और उसका वितरण भी सही तरीके से सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में डीएपी स्टॉक पिछले वर्ष की मांग के बराबर ही है। पिछले वर्ष एक अक्तूबर से नौ नवंबर तक डीएपी की खपत 1,46,152 टन थी। इस बार नौ नवंबर, 2024 तक 1,54,540 टन की खपत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने हरियाणा को नवंबर माह के लिये 1,10,200 मीट्रिक टन डीएपी आवंटित किया है। इसके अलावा, राज्य में सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) का 71,281 मीट्रिक टन और एनपीके का 24,343 टन का स्टॉक अब भी उपलब्ध है।

इस बीच श्री सैनी ने आढ़तिया कमीशन 46 रुपये प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 55 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित कर की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नौ रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने खरीफ फसलों की खरीद के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि इस खरीफ सीजन 2024-25 के दौरान धान के लिए' मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर 4,84,927 किसान पंजीकृत हैं। उन्होंने कहा कि उनकी अब तक राज्य में 50,46,872.45 टन धान की खरीद की गयी है, जिसकी एवज में किसानों को 11,296 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है।

जनता को कांग्रेस के काम का हिसाब लेने का हक है : भजनलाल शर्मा

झुंझुनू, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस ने 60 वर्ष तक शासन किया है, जनता को उनसे काम का हिसाब लेने का हक है। श्री शर्मा ने शनिवार को राजस्थान में झुंझुनू विधानसभा सीट के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी राजेंद्र भांबू के समर्थन में सुलताना कस्बे में आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि झुंझुनू वीर सपूतों, सैनिकों, किसानों, सेठों और शिक्षितों की धरती है। झुंझुनू की हवा इस बार बदली सी नजर आने लगी है।

उन्होंने कहा, हमने 11 महीने में विकास के काम किए हैं। जब एक वर्ष पूरा होगा तो हिसाब देंगे। सत्तर साल तक कांग्रेस शिलान्यास के झूठे पत्थर लगाती रही और आप लोग उन्हें तराशते रहे, जबकि 15 दिसंबर को हमारी सरकार ने शपथ ली थी, उसी दिन से काम करना शुरू कर दिया। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में 19 में से 17 पेपर लीक हुए। किसान के बेटे के साथ धोखा हुआ। हमने 200 से ज्यादा पेपर माफिया जेल में डाले। हमने वर्ष का कलेंडर दिया है। जगह निकाली हैं। तय किया है कि कब पेपर होना है। परिणाम किस दिन आना है। कैबिनेट ने 90 हजार भर्तियां निकालीं, हमने मंजूरी दी।उन्होंने कहा, 60 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद क्या 10 महीने में खाली हो गए। किसान के पुत्र को समय पर नौकरी देते, तो काम चलता। युवा चिंता न करें, तैयारी करें, और भी पोस्ट निकलेंगी। हम एक वर्ष में एक लाख नौकरी देंगे।

इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए प्रत्याशी राजेंद्र भांबू ने कहा कि सुलताना हाथीसिंह जी की पवित्र धरा है। मुख्यमंत्री पल-पल का जानकारी ले रहे हैं। वह दूसरी बार झुंझुनू आये हैं। झुंझुनू की प्यासी धरती के लिये उन्होंने यमुना जल समझौता किया। यह बड़ी सौगात है। 20 वर्ष से झुंझुनू के विकास की जो योजनायें बंद पड़ी थीं, वे शुरू हो गयी हैं। झुंझुनू ने परिवार विशेष (ओला) की विरासत को बदलने का ठान लिया है।

यौन शोषण मामले में एचसीएस अधिकारी बंसल गिरफ्तार

हिसार, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में एक दलित कर्मचारी के यौन शोषण के आरोप में एचसीएस अधिकारी कुलभूषण बंसल को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि सिविल अस्पताल में बंसल का मेडिकल कराने के बाद अदालत में पेश किया गया। बंसल पर दलित कर्मचारी ने मालिश कराने के बहाने बुलाकर यौन शोषण करने के आरोप लगाए थे।पीड़ित ने अनुसूचित जाति आयोग, सीएम विंडो, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय को लिखित शिकायत भेजी थी। पीड़ित ने एक वीडियो भी अधिकारियों को भेजा था। जिसके बाद हांसी में एसडीएम पद पर तैनात कुलभूषण बंसल को सात नवंबर को निलंबित कर दिया गया।

राइजिंग राजस्थान के जरिए लाखों युवाओं को मिलेगा रोजगार : बैरवा

अलवर, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के उप-मुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा ने कहा है कि राज्य में राइजिंग राजस्थान के जरिये लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा। विदेश से कंपनियां निवेश करने को आतुर है। श्री बैरवा शनिवार को अलवर जिले के रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में बड़ौदामेव, नशोपुरा सहित कई गांव में दौरा कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी सुखवंत सिंह के समर्थन में जनसंपर्क किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेशकों में काफी उत्साह है। राजस्थान में निवेश आयेगा तो निश्चित रूप से सुविधा भी बढ़ेंगी और आर्थिक विकास भी होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा आमजन की भावनाओं के रूप रीति-नीति से काम करती है।

उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस ने हमेशा दलितों पर अत्याचार किया है, परेशान किया और वहीं भाजपा ने मुझ जैसे गरीब दलित परिवार के एक कार्यकर्ता को उप मुख्यमंत्री बनाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के 10 माह के शासन में आमजन पूरी तरह खुश है। कांग्रेस ने पिछले पांच साल में आम जन को परेशान किया, कुर्सी का खेल खेला। दलित पर अत्याचार किया, इसलिये राजस्थान की जनता ने उन्हें सबक सिखाया है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुझ जैसे गरीब दलित परिवार के एक कार्यकर्ता को उप-मुख्यमंत्री बनाया। श्री बैरवा ने कहा कि भाजपा में राष्ट्रीय संस्कार हैं और भाजपा उपचुनाव में सभी सातों सीटों पर विजय हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सबको साथ लेकर चलती है, कांग्रेस हमेशा बांटने का काम करती है।

जो मुख्यमंत्री अपना समोसा नहीं संभाल पा रहा, वह प्रदेश कैसे संभालेगा

परिवहन मंत्री अनिल विज ने समोसा कांड पर यूं लिए चटकारे

चंडीगढ़, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में जलेबी खूब चर्चा में रही थी। वहीं अब अब महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों के बीच समोसा सूर्खियां बटोर रहा है। दोनों ही बार कांग्रेस नेता वजह बने हैं। इस बार हिमाचल प्रदेश में समोसा विवाद गहराया हुआ है। वहीं, अब हिमाचल का समोसा विवाद हरियाणा में भी पहुंच गया है। हरियाणा भाजपा सरकार के ऊर्जा और परिवहन मंत्री अनिल विज ने समोसा विवाद पर हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की चुटकी ली है। हिमाचल प्रदेश के समोसा विवाद पर अनिल विज ने कहा ये चिंता का विषय है कि जो मुख्यमंत्री अपना समोसा नहीं संभाल पा रहा वो हिमाचल की जनता को कैसे संभाल पाएंगे। ऐसा मुख्यमंत्री किस तरह पूरे हिमाचल को संभालेगा जो अपना समोसा तक नहीं संभाल पा रहे हैं।

बताते चलें कि बीते माह हिमाचल प्रदेश में सीआईडी दफ्तर में एक कार्यक्रम हुआ था। इस कार्यक्रम में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में होटल से केक और समोसे मंगवाए गए थे। ये मुख्यमंत्री को परोसे जाने थे, लेकिन प्रोटोकॉल के तहत मैन्यू में इनका जिक्र नहीं था। ऐसे में वहां पर मौजूद स्टाफ ने सीएम के साथ आए पुलिस कर्मचारियों और अन्य लोगों को ही समोसे खिला दिए। इस पर सीआईडी प्रमुख एसआर ओझा ने मौखिक तौर पर जांच के आदेश दिए थे। सबसे अहम बात है कि इस मामले की जांच रिपोर्ट तीन पेज की बनाई गई और पता चला कि सीएम के स्टाफ को समोसे खिला दिए गए। वहीं, रिपोर्ट में इस मामले को एंटी सीआईडी और एंटी सरकार बताया गया। ये रिपोर्ट लीक हो गई और अब इस पर खासा बवाल हो रहा है।वहीं, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वक्फ (संशोधन) विधेयक को जबरदस्ती पारित कराने का प्रयास कर रहे हैं। इस पर अनिल विज ने कहा कि लोकसभा में जब बिल पेश होता है तब सब अपनी स्वेच्छा से वोट डालते हैं। किस आधार पर संजय सिंह कह रहे हैं कि जबरदस्ती बिल पास कराना चाहते हैं। वहां सब लाइव होता है, ऑन कैमरा सब होता है। विज ने कहा कि संसद में बिल पेश किया जाएगा, जो हक में होंगे वो हक में हाथ खड़ा करेंगे और जिनकी उल्टी गंगा है वह उल्टे हाथ खड़ा करेंगे।

किसान की आत्महत्या सरकार के लिए शर्म की बात : सैलजा

चंडीगढ़, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस महासचिव और सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को कहा कि खाद न मिलने पर किसान की आत्महत्या की घटना हरियाणा सरकार के लिए शर्म की बात है। वह आज गांव भीखेवाला में आत्महत्या करने वाले किसान राम भगत के घर पर शोक व्यक्त करने पहुंचीं। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी।

उन्होंने कहा कि एक ओर जहां किसान डीएपी खाद के लिए आत्महत्या कर रहा है तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री नायब सैनी दावा कर रहे हैं कि प्रदेश में डीएपी खाद की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को सेटेलाइट से पता चल जाता है कि कौन कहां पर पराली जला रहा है, लेकिन सरकार को खाद के लिए लगी लंबी लंबी कतारें दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने जानना चाहा कि अगर खाद है तो किसानों को मिल क्यों नहीं रही है, कौन डीएपी का बैग ब्लैक में बेच रहा है। सुश्री सैलजा कहा कि सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि कोई किसान राम भगत की तरह कोई आत्मघाती कदम न उठाए। उन्होंने कहा कि खाद्य विक्रेताओं के गोदामों व स्टॉक की जांच होनी चाहिए, साथ ही अगर कोई खाद विक्रेता डीएपी या यूरिया का स्टॉक रखता है और किसानों को खाद देने से मना करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

एक माह में ही खुली भाजपा की पोल, महाराष्ट्र चुनाव के बाद तय होगा विपक्ष का नेता : हुड्डा

रोहतक, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि एक माह में ही भाजपा के दावों की पोल खुल गई है। किसानों को डीएपी खाद मिल नहीं रही, फसलों पर एमएसपी सरकार देती नहीं। विधानसभा में किसानों की परेशानी हो उठाया जाएगा। एक सवाल के जवाब में हुड्डा बोले, महाराष्ट्र चुनाव के बाद ही विधानसभा में विपक्ष का नेता तय होगा। वे शनिवार को डी पार्क स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

हुड्डा ने कहा कि एक महीने में ही भाजपा के झूठे दावों की पोल जनता के सामने खुल चुकी है। पूत के पांव पालने में दिखाई देने लगे हैं। मौजूदा सरकार ने अभी तक केवल दो ही काम किए हैं, किसानों को खाद मिलता नहीं और एमएसपी सरकार देती नहीं। हालात यह हो चुके हैं कि मांग का 50 प्रतिशत खाद भी जिलों में नहीं पहुंचा है। डीएपी को लेकर इतनी मारामारी है कि थानों में इसे बंटवाना पड़ रहा है। वहीं, धान की फसल एमएसपी से 300-400 रुपए कम में बिक रही है। कांग्रेस द्वारा आगामी विधानसभा सत्र में इन दोनों ही मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा 10 वर्ष में भी खाद का उचित प्रबंधन नहीं कर पाई है। कृषि मंत्री बार-बार कह रहे हैं कि खाद की कोई किल्लत नहीं है। यदि किल्लत नहीं है तो फिर क्यों किसानों को पूरी-पूरी रात लाइन में लगना पड़ रहा है? क्यों थानों के अंदर खाद बंटवाई जा रही है? क्यों महिलाओं को घर-खेत छोड़कर खाद लेने के लिए आना पड़ रहा है? एक सवाल के जवाब में हुड्डा बोले, वायु प्रदूषण के लिए पूरी तरह से पराली जलाने को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। छोटे किसानों के सामने पराली प्रबंधन बड़ी चुनौती है। सरकार का फर्ज बनता है कि फसल की तरह एमएसपी तय करके पराली खरीद की जाए और उससे खाद, बिजली या अन्य उत्पाद बनाए जाए। बताते चलें कि एक दिन पहले भाजपा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा था कि कांग्रेस अहंकार के कारण हारी। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हुड्डा ने कैप्टन का नाम लिए बगैर कहा कि, भाजपा नेता को अपनी हार पर मंथन करना चाहिए। कांग्रेस की चिंता न करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हार के कारणों को जानने के लिए कर्ण सिंह दलाल की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई है, जो जल्द अपनी रिपोर्ट देगी। उन्होंने कहा कि फसल के वक्त के बाद हलका वाइज कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाकर उनका मनोबल बढ़ाने का काम किया जाएगा। हम चुनाव हारे हैं, लेकिन लड़ाई नहीं हारे हैं। प्रदेश के मुद्दों को लेकर लड़ाई लड़ी जाएगी।

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के विधायकों ने नाम तय करके हाईकमान को दिए हुए हैं। उन्हें लगता है कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद पार्टी हाईकमान इस पर फैसला ले सकती है। यह हाईकमान के ऊपर निर्भर करता है। विधानसभा में कांग्रेस के 37 मजबूत विधायक हैं, जो बखूबी प्रदेश की समस्याओं को लेकर आवाज उठाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा की तरफ से पैसे बांटे गए हैं। एक वायरल वीडियो दिखाते हुए कहा कि, लिफाफे में दो-दो हजार रुपये दिए गए हैं। विधायक भारत भूषण बतरा ने वायरल वीडियो भी मीडिया के सामने दिखाई।

बागडे ने गोपाष्टमी पर पिंजरापोल गौशाला में किया गौ पूजन

जयपुर, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में इस बार गोपाष्टमी पर्व राज्य स्तर पर बड़े धूमधाम से मनाया गया और इसमें शनिवार को राजधानी जयपुर में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने गौ पूजन किया और हवन में भाग लिया। श्री बागडे ने सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में हिस्सा लिया और गौ पूजन किया।

उन्होंने गौ पूजन के बाद जैविक औषधीय पादप केंद्र में गौ आधारित जैविक कृषि, गोबर के निर्यात की व्यवस्था, गौ उत्पाद औषधीय पादपों से बने अन्य उत्पादों का भ्रमण किया। श्री बागडे ने गौशाला में स्थित भैरव मंदिर में भी पूजा अर्चना की। राजस्थान में गोपाष्टमी पर्व को राज्य स्तर पर मनाने की अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद लगातार मांग कर थी और राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से लिया और शनिवार को गोपाष्टमी पर्व को राज्य स्तर पर बड़े धूमधाम से मनाया गया तथा इसके तहत जयपुर के पिंजरापोल गौशाला में गोपाष्टमी महोत्सव मनाया गया जिसमें श्री बागडे के अलावा शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, जयपुर जिला कलेक्टर डॉ जे के सोनी, गोपालन विभाग के निदेशक प्रह्लाद नागा, राजस्थान चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स से अरुण अग्रवाल, सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र अध्यक्ष नीलेश अग्रवाल एवं अन्य कई क्षेत्रों के गणमान्य लोग महोत्सव में भाग लिया और गौ पूजन किया।अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डा अतुल गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर हैनिमन चेरिटेबल मिशन सोसाइटी एवं सनराइज़ ग्रुप ऑफ़ कम्पनीज़ के द्वारा मेले का आयोजन किया गया जिसमें सौ से अधिक स्वयं सहायता समूह अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। जिसमें जैविक कृषि उत्पाद, जैविक अचार, जैविक मुरब्बे, जैविक हर्बल जूस, गाय का देशी घी एवं महिलाओं द्वारा बनाये गए अनेक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।डा गुप्ता ने बताया कि स्वयं सहायता समूह का नेतृत्व कर रही मोनिका गुप्ता द्वारा 25 से अधिक स्वयं सहायता समूह स्टॉल्स लगाई गई जिसमें गाय के गोबर के अनेकों उत्पादन का प्रदर्शन किया गया।

उदयपुर घूमने आई थाईलैंड की युवती गोली लगने से घायल

उदयपुर, 09 नंवबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के उदयपुर में घूमने आई थाईलैंड की युवती गोली लगने से घायल हो गई। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि गोली में गंभीर रूप से घायल 24 वर्षीय युवती को यहां महाराणा भूपाल सार्वजनिक चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि यह युवती टूरिस्ट वीजा पर तीन-चार दिन पहले उदयपुर आई थी तथा अपने एक मित्र के साथ शहर के माली कॉलोनी में एक होटल में रूकी हुई थी। शुक्रवार रात्रि करीब एक बजे होटल से निकली थी तथा शनिवार सुबह करीब साढे चार बजे तीन-चार लोग एक कार में उसे पेसिफिक हॉस्पिटल में छोडकर चले गये। पेसिफिक हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद सुबह छह बजे इस युवती को महाराणा भूपाल सार्वजनिक अस्पताल में भर्ती किया गया। श्री गोयल ने बताया कि युवती के पीठ में गोली लगी है, लेकिन उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस टीम युवती से पुछताछ कर रही है कि यह गोली कब और किसने मारी, पुलिस को अभी इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है।

राष्ट्र प्रथम

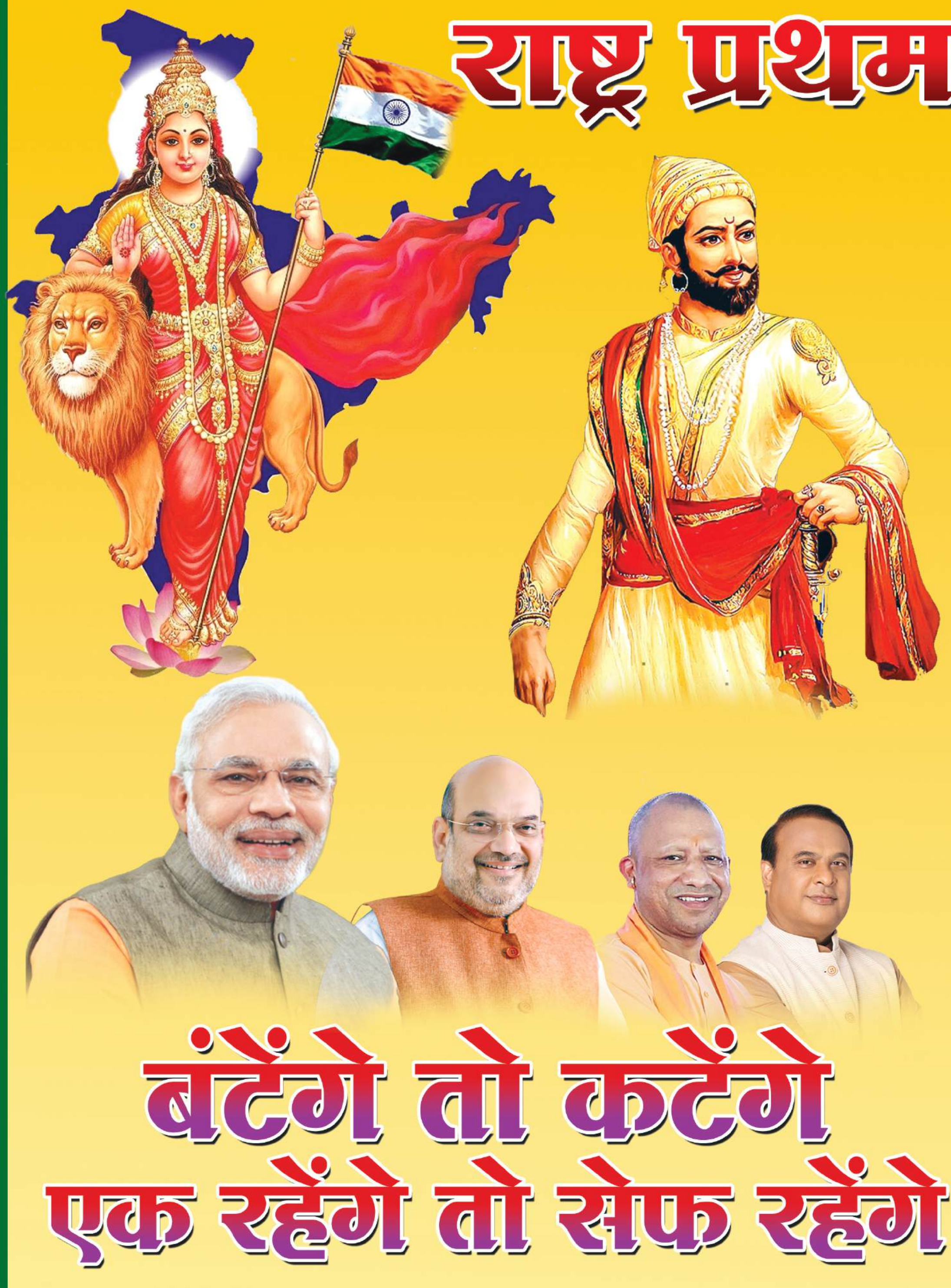

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

MANOKAMANA

Manokamana Gold Private Limited

Ghansi Bazar, Hyderabad, Telangana.
Mobile: +91 98850 20842

Best Wishes

Ramesh Kumar Agarwal
Girish Agarwal

mkglive.com

MANOKAMANA

Manokamana Chit Fund Private Limited

Gulzar Houz, Hyderabad, Telangana.
Mobile: +91 98850 20842

विश्वसनीय बैंक - अग्रसेन बैंक

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.